www.navpradesh.com

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

दैनिक नवप्रदेश

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर ◆◆ 2 | छत्तीसगढ़ 4 | अभिव्यक्ति 11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, बुधवार, 27 मई 2026 शुक्ल पक्ष-द्वादशी, विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 45 पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

विकास और विश्वास का नया मॉडल, बस्तर के नक्सलमुक्त गांवों में बनेंगे आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित और तेजी से विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे जिलों में बच्चों और माताओं के भविष्य को मजबूत बनाने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है।

राज्य सरकार ने बस्तर संभाग के 506 भवनविहीन आंगनबाड़ी केंद्रों के लिए पक्के भवन निर्माण की प्रक्रिया तेज करने के निर्देश जारी किए हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग तथा महात्मा गांधी नरेगा योजना के अभिसरण से बनने वाले इन भवनों का उद्देश्य केवल आधारभूत ढांचा तैयार करना नहीं, बल्कि बच्चों के समग्र विकास, मातृ स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा को नई मजबूती देना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि नक्सल मुक्त घोषित जिलों में कोई भी आंगनबाड़ी भवनविहीन न रहे। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र गांवों में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

अच्छी खबर

- नक्सल मुक्त बस्तर में विकास की नई इबारत
- 506 आंगनबाड़ी केंद्रों को मिलेंगे पक्के भवन
- मातृ-शिशु सुविधाओं को मिलेगी मजबूती
- साय सरकार की विकास पर बड़ी पहल

11.69 लाख रुपए प्रति भवन की स्वीकृति

प्रत्येक आंगनबाड़ी भवन के निर्माण पर 11 लाख 69 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे। इसमें—महिला एवं बाल विकास विभाग से 2 लाख रुपये। महात्मा गांधी नरेगा से 8 लाख रुपये। शेष 1.69 लाख रुपये डीएमएफ सीएसआर और अन्य स्थानीय संसाधनों से जुटाए जाएंगे। सरकार ने मार्च 2027 तक सभी निर्माण कार्य पूरे करने का लक्ष्य तय किया है।

मुख्य बातें एक नजर में

- 506 भवनविहीन आंगनबाड़ी केंद्रों को पक्के भवन
- महिला एवं बाल विकास विभाग + मनरेगा से निर्माण
- प्रति भवन 11.69 लाख रुपये खर्च
- बाला कॉन्सेप्ट के तहत आकर्षक शिक्षण वातावरण
- मार्च 2027 तक निर्माण पूरा करने का लक्ष्य
- बस्तर संभाग के 6 जिलों को प्राथमिकता

बस्तर में विकास और विश्वास की नई पहल

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत आंगनबाड़ी अवसंरचना गांवों में सामाजिक परिवर्तन का आधार बनेगी और नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में विकास, विश्वास और सुशासन को और मजबूती देगी। बस्तर का विकास सरकार की प्राथमिकता है।

आज बेबाक

चलाओ न किश्तों में महंगाई के बाण रे, एक ही बार में जान ले लो न जान रे....। पहले पेट्रोल और डीजल के दाम में तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई। फिर तीन किश्तों तीन रुपये से ज्यादा की बढ़ौतरी कर दी। समझ नहीं आता कि यूं रेत-रेत कर लोगों की जेब काटने में भाई लोगों को क्या मजा आता है? अगर अपने घाटे की भरपाई करना ही है तो एक मुश्त वृद्धि कर के काम तमाम क्यों नहीं कर देते? ठीक है भई, तड़पाओगे तड़पा लो, हम तड़प -तड़प के तुम्हारे गीत गाएंगे महंगा तेल भरवाएंगे...।

पन्ना में खुदाई के दौरान कुआं धंसा, 5 की मौत

पन्ना/ए.। पन्ना जिले के एक खेत में कुएं की खुदाई के दौरान अचानक मिट्टी धंस गई। इसमें दबकर 5 मजदूरों की मौत हो गई। इनके नाम आशीष यादव, राजकुमार यादव, रामपाल यादव, चुन्नू यादव और चुनवाद पाल बताए गए हैं। कुएं का काम विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना (वीबी जी राम जी) के तहत किया जा रहा था। हादसा मंगलवार सुबह करीब 10 बजे अजयगढ़ के बीहरपुरवा गांव में हुआ। मृतकों के परिजन का आरोप है कि हादसे के 3 घंटे के बाद भी प्रशासनिक अधिकारी या कोई सरकारी टीम मौके पर नहीं पहुंची।

हार्डकोर नक्सली दंपती ने किया सरेंडर

जगदलपुर/नवप्रदेश। नक्सल संगठन में लंबे समय से सक्रिय 2 सीनियर कैडर्स ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में सरेंडर कर दिया है। दोनों लीडर्स ने 26 मई को तेलंगाना के डीजीपी सीवी आनंद के सामने सरेंडर किया। इसमें सेंट्रल कमेटी मेंबर और बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी सचिव पसुनूरी नरहरी उर्फ विश्वनाथ उर्फ सलई दा और पत्नी स्टेट कमेटी मेंबर मेदारा दनम्मा उर्फ लता उर्फ पूनम उर्फ जोबा शामिल है। एक सेंट्रल कमेटी का सदस्य होने के साथ-साथ बिहार-झारखंड स्पेशल एरिया कमेटी का सचिव भी था।

गरमा-गरम

राजस्थान में सांचू पोस्ट से पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था, शाह ने बॉर्डर पर किया नाश्ता

बॉर्डर पर लगेंगे एंट्री ड्रोन सिस्टम: शाह

बीकानेर/ए.। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बीकानेर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की सांचू पोस्ट का दौरा किया। इस दौरान प्रहरी सम्मेलन में कहा- मैं ऐतिहासिक चौकी सांचू पर आया हूं। मेरे मन में सांचू चौकी को देखने की इच्छा गृहमंत्री बनने से पहले भी थी। 1964 के भारत-पाक युद्ध में सांचू की आबादी 500 से ज्यादा थी। आरएसी की चौकी 500 मीटर पीछे रणजीतपुरा गांव में थी।

सूचना मिली थी कि सांचू पर कब्जा करने के लिए पाकिस्तान ने शुरुआत की थी। तब 3 आरएसी और 13 ग्रेनेडियर के जवानों ने हमला कर सांचू को भारत की सीमा में रखने का काम किया था। जवानों ने यह जिम्मेदारी निभाई और पाकिस्तानियों को पीठ दिखाकर भागना पड़ा था। सरकार अगले 6 महीने में ड्रोन रोधी संयंत्र लगाने की शुरुआत कर रही है, लेकिन ड्रोन यहां की जमीन पर उतरता है, इसे कौन रिसीव करता है, कौन उसके मटेरियल का उपयोग करता है, इस पर हमारी पैनी नजर होनी चाहिए। इसके लिए सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। शाह मंगलवार सुबह करीब 11 बजे हेलिकॉप्टर से सांचू पहुंचे थे।

बांग्लादेशियों यहां से जल्दी भागो: मुख्यमंत्री शुभेंदु

नॉर्थ 24 परगना/ए.। बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को बांग्लादेशियों को देश छोड़कर जाने को कहा। वे बोले- राज्य में अवैध तरीके से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें पुलिस को सौंपा जाए, जिसके बाद बीएसएफ उनकी वापसी में मदद करेगा। उन्होंने कहा- जल्दी-जल्दी भागो यहां से, वरना एक्शन लेंगे। हम घुसपैठियों को जेल भेजकर रोटी नहीं खिलाएंगे। वह दामाद नहीं है। उन्हें भगाया जाएगा। उनके (बांग्लादेश के) ऑफिशियल्स भी कह चुके हैं कि जो हमारे लोग होंगे, उन्हें ले लेंगे। इधर, पश्चिम बंगाल के नॉर्थ 24 परगना में मंगलवार सुबह से ही 100 से ज्यादा विदेशी नागरिक हाकिमपुर चेक पोस्ट पर इकट्ठा हुए हैं। दावा है कि यह लोग पश्चिम बंगाल के अलग-अलग हिस्सों में अवैध तरीके से रह रहे थे और अब बांग्लादेश लौटने के लिए बॉर्डर पर पहुंच रहे हैं। राज्य का मुर्शिदाबाद ऐसा पहला जिला बन गया है, जहां 3 बांग्लादेशी नागरिकों को होल्डिंग सेंटर भेजा गया है। तीनों को अवैध तरीके से भारत में प्रवेश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

जनसंख्या में जहां अचानक बदलाव आया, वहां की जांच होगी: अमित शाह

नई दिल्ली/ए.। केंद्र सरकार ने देश की आबादी में हो रहे असामान्य बदलाव की स्टडी के हाई-लेवल कमिटी का गठन किया है। जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (रिटा) को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में कहा- यह कमिटी अवैध घुसपैठ और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या में बदलाव का आकलन करेगी। साथ ही धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य बदलाव के पैटर्न की स्टडी करके समाधान भी पेश करेगी। उन्होंने लिखा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से होने वाला असामान्य जनसंख्या बदलाव किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2025 को हाई-लेवल कमिटी की घोषणा की थी।

कमेटी क्या काम करेगी...

- कमिटी अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे जनसंख्या बदलाव का कारण जानेगी।
- धार्मिक और सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का अनालिसिस करके समाधान भी पेश करेगी।

कमेटी के सदस्य।

नितिन नबीन का पीए बताकर भाजपा विधायक मिश्रा से ठगी

■ डीजल भरवाने 10 हजार ट्रांसफर करवाए, दो किस्तों में खाते में डाली रकम

रायपुर/नवप्रदेश। रायपुर उत्तर से भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से ठगी हुई है। ठग ने खुद को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का निजी सहायक (पीए) बताया और संबलपुर जंगल के बीच गाड़ी में डीजल खत्म होने का बहाना बनाकर 10 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवा लिए। मामले में खम्हारडीह थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुरंदर मिश्रा ने बताया कि ठग उड़िया टोन में बात कर रहे थे। बच्चों की आवाज आ रही थी, इसी भरोसे में उसने 4 हजार मांगे, लेकिन मैंने 10 हजार रुपए दे दिए।

बता दें कि रायपुर में ही 1 हफ्ते पहले मॉर्निंग वॉक पर निकले भाजपा के सीनियर नेता धरमलाल कौशिक से लूट हुई थी। बाइक सवार ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ईरान का दावा, अमेरिका का एमक्यू-9 रीपर ड्रोन गिराया

■ अमेरिका का होर्मुज के पास ईरानी बोट्स पर हमला, मिसाइल साइट को भी निशाना बनाया

तेल अवीव/ तेहरान/ वॉशिंगटन डीसी। ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एमक्यू-9 बी ड्रोन को मार गिराया है और ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे एक लड़ाकू विमान पर भी फायरिंग की है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी IRGC ने कहा कि ईरानी फोर्स ने एक आरक्यू-4 ड्रोन और घुसपैठ करने वाले एफ-35 लड़ाकू विमान पर कार्रवाई की। IRGC ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो ईरान को जवाबी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

शीर्ष अदालत ने कचरा प्रबंधन को लेकर निगरानी कमेटी बनाई

■ कचरे की अवैध डंपिंग-ट्रांसपोर्ट पर कार्रवाई होगी, हर जिले की वेबसाइट पर कलेक्टर देंगे रिपोर्ट

नई दिल्ली/ए.। सुप्रीम कोर्ट ने ठोस कचरा प्रबंधन नियम के पालन पर राज्यों की रिपोर्ट आने के बाद सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि कचरे की अवैध ट्रांसपोर्ट और अवैध डंपिंग करने वालों की पहचान की जाए। जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि ऐसे वाहनों और उनके मालिकों या ऑपरेटरों पर सख्त कार्रवाई करें।

कोर्ट ने कहा कि हर जिले की वेबसाइट पर ठोस कचरा प्रबंधन के लिए अलग पेज बनाया जाए। कलेक्टर इस पेज पर कचरा प्रबंधन की मौजूदा स्थिति, किए जा रहे सुधार और पुराने कचरे की तस्वीरें अपलोड कराएंगे और रिपोर्ट देंगे। सालों से जमा पुराने कचरे के निपटारे की समयसीमा नहीं बढ़ेगी।

जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस एसवीएन की बेंच ने कचरा प्रबंधन नियमों की निगरानी के लिए सुप्रीम कोर्ट की कमेटी बनाई है। इसमें केंद्र के पांच मंत्रालयों के सचिव शामिल होंगे, जबकि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव संयोजक होंगे। यह ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का निधन

बिलासपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया है। उन्हें साय सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था। उनके निधन से भाजपा और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। वे तिफरा में भाजपा के 2 दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम में शामिल हुए थे। कार्यक्रम के दौरान ही उनकी तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए बिलासपुर सिम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रूपनारायण सिन्हा के निधन पर सीएम साय ने शोक जताया है।

गुजरात में पांच शावकों समेत 8 शेरों की मौत

■ बेबेसिया वायरस संक्रमण का अंदेशा, 2018 में हुई थी 11 शेरों की मौत

अमरेली/ए.। गुजरात के गिर जंगल क्षेत्र में दो शेर शावकों की संदिग्ध बाबेसिया वायरस संक्रमण से मौत हो गई है। वहीं, तीन अन्य शेरों की अलग-अलग घटनाओं में प्राकृतिक कारणों और आपसी संघर्ष में जान गई। अभी तक 5 शावकों समेत 8 शेरों की मौत हो चुकी है। वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

वन मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने कहा कि गिर जंगल में किसी बड़े संक्रमण या महामारी जैसी स्थिति नहीं है। उन्होंने बताया कि बेबेसिया वायरस से केवल दो संदिग्ध मौतें जुड़ी हैं, जबकि बाकी तीन शेरों की मौत अन्य कारणों से हुई है। मोढवाडिया ने बताया कि बाबेसिया वायरस टिक यानी किलनी के जरिए फैलता है। इससे संक्रमित जानवरों में कमजोरी, खांसी और नाक से स्राव जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि वन विभाग और पशु चिकित्सकों की टीमें वायरस के फैलाव को रोकने में जुटी हैं। संदिग्ध शेरों की पहचान की जा रही है, उनके सैंपल लिए जा रहे हैं और इलाज भी किया जा रहा है। इससे पहले 2018 में बेबेसिया वायरस से ही एक महीने के भीतर 11 शेरों की मौत हुई थी।

खैरागढ़ जंगल में मोर, सिवेट समेत कई वन्यजीव मृत मिले

खैरागढ़/नवप्रदेश। खैरागढ़ जिले के दल्लीखोली-लछना जंगल में वन्यजीवों की रहस्यमयी मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। जलस्रोत के पास बड़ी संख्या में पक्षियों और जंगली जानवरों के शव मिलने के बाद वन विभाग अलर्ट मोड पर है। शुरुआती आशंका जलस्रोत में जहरीला पदार्थ ■ शेष पृष्ठ 8 पर

> जानवरों और पक्षियों की मौत की प्रारंभिक जांच में लू और डिहाईड्रेशन से मौत होने की जानकारी सामने आई है। अन्य पहलुओं पर अधिकारियों की उपस्थिति में जांच जारी है। पीएम रिर्पोट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।
>
> - **आरके टंडन**, वनपरिक्षेत्र अधिकारी, लक्षणा

उपलब्धि: 'प्रधान सेवक' के रूप में अंत्योदय की सोच को धरातल पर उतारने का ऐतिहासिक कार्य: मुख्यमंत्री साय

'पीएम मोदी के 12 वर्ष सेवा, सुशासन व जनकल्याण का नया अध्याय'

■ विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ देश ने वैश्विक प्रतिष्ठा की ओर बढ़ाए मजबूत कदम

रायपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में भारत ने विकास, सुरक्षा और सामाजिक समावेशन के एक नए युग में प्रवेश किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते 12 वर्षों में शासन की कार्यशैली पूरी तरह बदली है और विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित हुआ है।

बदली शासन की सोच: पीएम मोदी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ में दिखा विकास का असर

दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में आज विकास और विश्वास की नई धारा बह रही है। बुनियादी सुविधाओं की पहुंचाई गई।

- बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में सड़क और मोबाइल कनेक्टिविटी मजबूत
- दूरस्थ इलाकों तक स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं का विस्तार
- बैंकिंग और शासकीय योजनाओं की पहुंच बढ़ी
- जनजातीय क्षेत्रों में विकास और विश्वास का माहौल मजबूत

इन कल्याणकारी योजनाओं से आया बड़ा बदलाव

मुख्यमंत्री साय के अनुसार, केंद्र सरकार की इन प्रमुख योजनाओं ने देश के गरीबों, किसानों, युवाओं और मातृशक्ति के जीवन में आशा, सम्मान और आत्मविश्वास का नया संचार किया है:

- प्रधानमंत्री आवास योजना एवं आयुष्मान भारत
- उज्ज्वला योजना एवं हर घर जल अभियान
- जन-धन योजना एवं डिजिटल इंडिया क्रांति
- केंद्र की योजनाओं से गरीब और किसानों को सीधा लाभ

एक्सप्रेस-वे पर एसी बस पलटी, दरोगा समेत सात की मौत, 25 लोग घायल

■ खिड़कियों से गिरे लोग, एक का पैर कटकर अलग, उन्नाव में हादसा

उन्नाव/एजेंसी। उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर डबल डेकर एसी बस मंगलवार सुबह करीब 5 बजे अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में दरोगा-कैदी समेत 7 यात्रियों की मौत हो गई। 3 पुलिसकर्मी समेत 25 लोग घायल हैं। दिल्ली से बिहार जा रही बस में 36 यात्री सवार थे। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्राइवर को झपकी आने से हादसा हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस तेज रफ्तार में थी। अचानक ड्राइवर ने बस से नियंत्रण खो दिया। बस ■ शेष पृष्ठ 8 पर

न्यूज गैलरी

नगर पंचायत बोडला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत कार्यशाला

कवर्धा/ नवप्रदेश। नगर पंचायत बोडला में सोमवार को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के अंतर्गत कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें भारत के सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986, प्रमुख बदलाव, वार्ड के मुख्य दायित्व, ठोस अपशिष्ट उत्पादक एवं विस्तारित थोक अपशिष्ट उत्पादक दायित्व, डिजिटल पोर्टल 2026, स्त्रोत पृथक्करण शिक्षा, व्यापक जागरूकता एवं व्यवहार परिवर्तन, वार्ड हेतु गतिविधियां, महत्वपूर्ण चरण, पुराने डंप साइड एवं सफाई, वार्ड स्वच्छता समिति गठन तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 एवं स्टार रेटिंग में जनप्रतिनिधियों की भूमिका तथा निदान 1100 के संबंध में विस्तार से कार्यशाला में बताया गया। उक्त कार्यशाला में नगर पंचायत बोडला के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पार्षद, मुख्य नगर पालिका अधिकारी, उप अभियंता तथा कर्मचारी उपस्थित थे।

झीरम शहीद योगेंद्र शर्मा को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

धरसीवां/कूंरा/ नवप्रदेश। झीरम घाटी नक्सली हमले में शहीद हुए धरसीवां के लोकप्रिय जननेता स्वर्गीय योगेंद्र शर्मा की पुण्यतिथि पर आज क्षेत्र में श्रद्धा, सम्मान एवं जनसेवा के साथ शहादत दिवस के अवसर पर धरसीवां की पूर्व विधायक अनिता योगेंद्र शर्मा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों एवं क्षेत्रवासियों ने शहीद योगेंद्र शर्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम के तहत सर्वप्रथम शहीद योगेंद्र शर्मा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसीवां पहुंचकर मरीजों को फ्ल वितरण किया गया तथा वहां स्थापित प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इसके पश्चात धरसीवां स्थित शहीद उद्यान में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने पुष्पांजलि अर्पित कर शहीद योगेंद्र शर्मा के योगदान को याद किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्रामीण जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे, पूर्व अध्यक्ष उधो वर्मा, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष आशीष वर्मा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष दुर्गेश वर्मा, जिला पंचायत सदस्य हरिशंकर निषाद, महेश शर्मा, कैलाश जायसवाल, प्रमोद वर्मा, रूपेश बघेल, रतन सोलंकी, राजू वर्मा, राजू सायतोड़े, देवेंद्र खेलवार, अंकित वर्मा, रामकुमार वर्मा, योगेश द्विवेदी, सुधीर दुबे, मंजू वर्मा, लोकेश्वरी वर्मा, अश्वनी वर्मा, खुबी डहरिया, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

जैन संतो की सुरक्षा को लेकर सकल जैन समाज मे गहरा आक्रोश

छुईखदान/नवप्रदेश। हाल ही मे जैन साध्वी आर्यिका माता जी के साथ हुई दुखद दुर्घटना तथा देशभर मे लगातार जैन साधु-संतो के साथ घट रही घटनाओ को लेकर सकल जैन समाज छुईखदान मे गहरा आक्रोश एवं चिंता व्याप्त है समाज के लोगो ने इन घटनाओ को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि अहिंसा संयम एवं तपस्या का संदेश देने वाले जैन संतो की सुरक्षा को लेकर शासन एवं प्रशासन को गंभीरता से ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है इसी संबंध मे सकल जैन समाज छुईखदान के प्रतिनिधिमंडल ने अनुविभागीय दंडाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री केंद्रीय गृहमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष पारदर्शी एवं उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की ज्ञापन सौंपने के दौरान समाज के लोगो ने कहा कि जैन साधु-संत पूर्णत: अहिंसक निष्ठ्ये एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते है जो समाज को शांति सद्भाव करुणा एवं आत्मसंयम का संदेश देते है इसके बावजूद देश के विभिन्न हिस्सो मे उनके साथ हो रही घटनाए अत्यंत पीड़ादायक और चिंताजनक है समाज के प्रतिनिधियो ने कहा कि आर्यिका माता जी के साथ हुई दुर्घटना ने पूरे जैन समाज को आहत किया है उन्होने कहा कि इस प्रकार की घटनाओ से संत समाज मे असुरक्षा की भावना बढ़ रही है तथा शासन प्रशासन की जिम्मेदारी बनती है कि वह संतो की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे प्रतिनिधियो ने कहा कि जैन संत कठिन तपस्या एवं पैदल विहार के माध्यम से धर्म प्रचार और जनकल्याण का कार्य करते है ।

रामसागर पारा वार्ड में हुआ सुशासन तिहार का आयोजन

■ नपा अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने शिविर में आए लोगों से की मुलाकात,,जनसमस्याओं का किया निराकरण

भाटापारा/नवप्रदेश। 'सुशासन तिहार' का आयोजन रामसागर वार्ड में किया गया। इस शिविर में नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा के नेतृत्व में जनप्रतिनिधिगण, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएँ एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहेइस दौरान जनता से मुलाकात नपा अध्यक्ष ने मुलाकात कर उनकी समस्याओं का समाधान कराया।

शिविर में नागरिकों ने अपने क्षेत्र की मूलभूत सुविधाओं – सड़क, जल आपूर्ति, स्वच्छता, जल निकासी तथा सार्वजनिक अधोसंरचना से संबंधित समस्याएँ खुलकर रखीं। प्रत्येक आवेदन एवं सुझाव को गंभीरतापूर्वक सुना गया तथा संबंधित अधिकारियों को त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा शासन की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुँचाई गई ।

शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं – आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा एवं स्वरोजगार की विस्तृत जानकारी नागरिकों को उपलब्ध कराई गई। पात्र हितग्राहियों तक इन योजनाओं का लाभ सरल एवं पारदर्शी प्रक्रिया से पहुँचाने पर विशेष बल दिया गया।

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अश्वनी शर्मा ने कहा –सुशासन तिहार शासन और जनता के बीच संवाद को मजबूत करने का एक अत्यंत प्रभावी एवं सार्थक माध्यम है। जनता की समस्याओं का समाधान हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें कोई समझौता नहीं होगा। आज रामसागर वार्ड के नागरिकों ने जो समस्याएँ एवं सुझाव रखे हैं, उन पर त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। आमजन की सहभागिता और उनके सुझावों के आधार पर हम क्षेत्र के विकास को नई गति प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

पुलिस पर लगा पक्षपात का आरोप

दूतकैया हिंसा में 30 लोगों की गिरफ्तारी के विरोध में सर्व हिंदू समाज ने किया प्रदर्शन

राजिम / नवप्रदेश।। दूतकैया गांव में 1 फरवरी को हुई हिंसा के बाद 30 लोगों की गिरफ्तारी के खिलाफ सर्व हिंदू समाज ने सोमवार को राजिम के सुंदर लाल शर्मा चौक पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने प्रशासनिक कार्रवाई को –एकतरफा– बताते हुए पुलिस पर अनुचित कदम उठाने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि 1 फरवरी को दोपहर में ही पुलिस को विवाद की सूचना दे दी गई थी, लेकिन घटना शाम 4 बजे के बाद हुई। आरोप है कि पुलिस ने समय पर कार्रवाई नहीं की और बाद में निर्दोष हिंदू युवकों को गिरफ्तार कर लिया। हिंदू संगठनों ने राजिम थाने के एसआई जीवन साहू को सस्पेंड करने की मांग की। आरोप लगाया कि पुलिस ने लोगों से कोरे कागज पर साइन कराए और झूठे मामलों में फंसाया। प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि मुख्य आरोपी आरिफखान द्वारा गांव में मारपीट के बाद ग्रामीणों की प्रतिक्रिया को ही हिंसा बताया जा रहा है, जबकि असली दोषियों पर नरमी बरती गई।

दूतकैया में 1 फरवरी को पुराने शिवलिंग विवाद को लेकर दो पक्षों में झड़प हुई थी। भीड़ ने घरों-वाहनों में आगजनी की, पुलिस पर पथराव हुआ। पुलिस ने तीन मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। सर्व हिंदू समाज ने चेतावनी दी कि अगर निष्पक्ष जांच नहीं हुई और गिरफ्तार 22 लोगों को रिहा नहीं किया गया तो आंदोलन तेज होगा। वही इस धरना प्रदर्शन में ग्राम दूतकैया के ग्राम विकास समिति अध्यक्ष बोधन साहू, ग्राम पटेल लखन लाल साहू, रामअवतार यादव, दुर्गेश साहू, शोभित साहू, भैयालाल साहू, जितेंद्र यादव, मोहन ध्रुव, सरोजनी साहू पंच, अनसुईया साहू, सोनम साहू, नंदनी साहू, गंगा बाई, रुक्मणि साहू, खिलेश्वरी साहू, लता यादव, धनेश्वरी यादव, मोगरा यादव, बिशनी साहू, पोखरा परिक्षेत्र साहू समाज सचिव दिनेश साहू, साहू समाज जिला अध्यक्ष प्रवीण साहू, पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पा जगन्नाथ साहू, विश्व हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष प्रकाश निर्मलकर, राजिम पार्षद तुषार कदम, दानीराम यादव, वेदराम नंदे, प्रीति पांडे जिला उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद, रेणु सेन जिला संयोजिका दुर्गावाहिनी, संगीता दीवान मातृशक्ति राजिम आदि शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ विश्व की हर्बल राजधानी बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है: शुक्ला

■ औषधि पौधों की खेती पर कार्यशाला आयोजित

धरसीवां / कूंरा/नवप्रदेश। 25 मई 2026 को बोर्ड कार्यालय राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, रायपुर के परिसर में –धान की खेती के बदले औषधि पौधों की खेती– विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला द्वारा की गई। कार्यशाला का शुभारंभ मां सरस्वती को माल्यार्पण तथा पूजा अर्चना कर किया गया। तत्पश्चात बोर्ड के उपाध्यक्ष श्री अंजय शुक्ला का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया ।

श्री अंजय शुक्ला ने अपने स्वागत उद्बोधन में धरसीवा बार्ड के विभिन्न गांव से पधारे किसानों से कहा कि छत्तीसगढ़ के किसानों को आर्थिक रूप से उन्नत बनाने के उद्देश्य से बोर्ड औषधि पौधों की खेती को बढ़ावा दे रहा है, खासकर उन किसानों के लिए जो कि पारंपरिक रूप से धान की खेती करते आ रहे हैं जिसमें लागत अत्यधिक है और लाभ लागत की तुलना में बहुत कम होता है, उन सभी किसानो के लिए औषधि पौधे की खेती एक बहुत ही अच्छा विकल्प है, जिसमें लागत कम, मेहनत कम तथा लाभ अधिक होता हैं।

उन्होंने किसानो से कहा कि औषधि पौधों की खेती छत्तीसगढ़ के किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में अपनी भूमिका अदा कर सकती हैं, इस हेतु बोर्ड औषधि पौधों की खेती के लिए किसानों को निशुल्क पौधे उपलब्ध कराता है। औषधि पौधों की खेती के लिए किसानों को प्रशिक्षण भी प्रदान करता है।

गर्मी में सफाई कर्मियों को राहत देने की मांग

■ नपा उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने सौंपा ज्ञापन, सेवा समय बदलने और ई-रिक्शा मरम्मत खर्च नगर पालिका से कराने की उठाई मांग

महासमुंद/नवप्रदेश। भीषण गर्मी और लू के बीच सफाई कर्मियों को राहत देने की मांग को लेकर नगरपालिका उपाध्यक्ष देवीचंद राठी ने सोमवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर डिप्टी कलेक्टर एवं प्रतिनियुक्ति मुख्य नगरपालिका अधिकारी मनोज खाण्डे को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सफाई दीदियों एवं सफाई मित्रों के कार्य समय में तत्काल परिवर्तन करने की मांग की गई।उपाध्यक्ष राठी ने कहा कि वर्तमान में सफाई दीदियां सुबह 7 बजे से शाम 4 बजे तक वार्डों में कचरा कलेक्शन करने के साथ सेंटरों में कचरे की छंटाई का कार्य करती हैं। जिले में इन दिनों तापमान 46 डिग्री तक पहुंच चुका है तथा नवतपा के चलते दोपहर के समय हालात और अधिक कठिन हो गए हैं। ऐसे में सफाई कर्मियों से तेज धूप और लू के बीच लगातार काम लेना मानवीय दृष्टिकोण से उचित नहीं है।

पालिका अध्यक्ष ने सुनी नगरवासियों की समस्याएं अधिकारियों को दिए त्वरित निराकरण के निर्देश

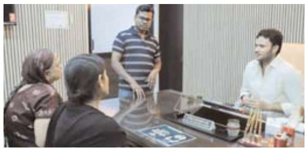

महासमुंद/नवप्रदेश। नगरवासियों की समस्याओं के त्वरित समाधान को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू लगातार सक्रिय नजर आ रहे हैं। आमजन से सीधे संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनने और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को कार्रवाई के निर्देश देने की पहल को लोगों ने सराहा है।

इसी क्रम में सोमवार को पालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू ने नगर पालिका कार्यालय में नगरवासियों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी विभिन्न समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को शिकायतों की जांच कर शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।पालिका अध्यक्ष श्री साहू ने कहा कि नगरवासियों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना नगर पालिका का प्रथम दायित्व है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों एवं मांगों का समयबद्ध तरीके से निराकरण किया जाए, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े।

बिछलादादर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत व्यापक स्वच्छता कार्यक्रम

बागबाहरा/नवप्रदेश। भारतीय स्टेट बैंक फाउंडेशन एवं एसबीआईएसजी ग्लोबल के सहयोग से संचालित जीवनम् मोबाइल मेडिकल यूनिट परियोजना के अंतर्गत शिखर युवा मंच द्वारा ग्राम बिछलादादर में स्वच्छ भारत अभियान के तहत व्यापक स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली।

शिखर युवा मंच के संस्था प्रमुख भूपेश वैष्णव ने बताया कि बागबाहरा विकासखंड के 20 चयनित ग्रामीण एवं आदिवासी बहुल क्षेत्रों में निरंतर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियों को भी प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि ग्रामीण समुदाय में स्वस्थ एवं स्वच्छ जीवनशैली को बढ़ावा मिल सके।

कार्यक्रम का शुभारंभ हाथीबाहरा पंचायत की सरपंच श्रीमती शिशा चंद्राकर द्वारा माँ सरस्वती के पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों को व्यक्तिगत स्वच्छता, घर एवं आसपास की नियमित सफाई, गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण तथा वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन के महत्व के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। ग्राम स्वच्छता समिति द्वारा व्यवहार परिवर्तन आधारित स्वच्छता अपनाने पर विशेष जोर दिया गया।

ग्राम पंच ताराचंद द्वारा ग्राम में दो नाडेप टैंक निर्माण की जानकारी साझा की गई, जो जैविक कचरे के समुचित प्रबंधन एवं जैविक खाद निर्माण में उपयोगी सिद्ध होंगे।

नाबालिग बच्चियों के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी मामा को 5 वर्ष का सश्रम कारावास

भाटापारा/नवप्रदेश। थाना हथबंद क्षेत्र के ग्राम सिनोधा निवासी आरोपी देवेंद्र वर्मा को दो नाबालिक लड़कियों के लज्जा भंग करने के आशय से छेड़छाड़ के अपराध में अपर सत्र न्यायाधीश भाटापारा सतीश कुमार जायसवाल ने 5 वर्ष दो बार का सश्रम कारावास एवं आर्थिक दण्ड से दंडित किया।

विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी ने इस प्रकरण के बारे मे बताया की पीड़िता की मां द्वारा 03.जून 25 को थाना भाटापारा ग्रामीण मे उपस्थित होकर एक रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 22-05-25 को शाम 5.00 बजे उसकी नाबालिग पुत्री जिसकी उम्र 9 साल है वह घर आकर बताई कि वह और दूसरी पीड़ित जिसकी उम्र 7 वर्ष है वह दोनों खेल रहे थे तभी मामा देवेंद्र वर्मा उन्हें पैसा दिया और राजश्री लाकर देना मै घर मे रहूंगा बोला। जब वे दोनों पीड़ित राजश्री लाकर दिये तो , तभी आरोपी मामा घर के सांकल को बंद कर दिया और खाट को बिछाकर पीड़ितों के कपड़े और अपने कपड़े को निकाल दिया। और दोनों नाबालिग को उनके शरीर के सभी जगह को छूने लगा और उनके गुप्तांग को भी छुआ। तब वे दोनों रोने लगी और जोर से चिल्लाई तब उसने छोड़ा फिर वे दोनों घर भागते हुये घर आ गए और सारी बात माँ को बताई। माँ द्वारा दोनों पीड़ित को बाड़ी में ले जाकर दोनों के पेशाब करने के स्थान को देखी तो कोई प्रकार का खून, सूजन, चोंट का निशान नहीं दिखा। रात मे उसके पति घर आए तो उसकी बेटी और पीड़ित के साथ घटित घटना के संबंध में बताई। जिसके पश्चात थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया गया।उक्त रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना की गई जिसमें दोनों नाबालिग पीड़िता अपने कथन में बताई कि आरोपी के द्वारा उसके कपड़े को निकाल कर छेड़छाड़ किया गया है। दोनों पीड़ित की उम्र संबंधी दस्तावेज जप्ती, गवाहों के कथन, पीड़िता का कथन लेखबद्ध कर आरोपी की गिरफ्तारी उपरांत संपूर्ण विवेचना पश्चात प्रकरण माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। न्यायालय के समक्ष गवाही पूर्ण होने पर विशेष लोक अभियोजक संजय बाजपेयी ने अंतिम तर्क में प्रकरण की समस्त परिस्थितियां एवं कानूनी पहलुओं को विस्तार से न्यायालय के समक्ष रखा, तथा ऐसे अपराध के लिए आरोपी को कठोर दंड दिये जाने का निवेदन किया ताकि कोई भी इस प्रकार नाबालिकों के साथ छेड़छाड़ जैसा अपराध न करें।

अपर सत्र न्यायाधीश सतीश कुमार जायसवाल द्वारा प्रकरण की गंभीरता, अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य और गवाहों का परिशीलन करते हुए आरोपी देवेंद्र वर्मा को पॉक्सो एक्ट की धारा 10 (दो बार) के तहत 5-5 वर्ष का कठोर कारावास एवं 1000 - 1000 रुपये अर्थदंड की सजा से दंडित किया गया।

345 शिविरों में बने 547 आधार कार्ड, 467 आयुष्मान कार्ड और 210 नए राशन कार्ड

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का समापन

■ जनसुनवाई में मिले 4,165 आवेदनों में 1,630 का मौके पर हुआ निराकरण

महासमुंद/नवप्रदेश। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले में 18 मई से 25 मई 2026 तक जनजातीय गरिमा उत्सव 2026 एवं जनभागीदारी अभियान का व्यापक आयोजन किया गया। अभियान के अंतिम दिवस कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिला, विकासखंड एवं ग्राम स्तर के अधिकारियों की विस्तृत समीक्षा बैठक लेकर अभियान की उपलब्धियों, मैदानी अनुभवों और आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हेमंत नंदनवार तथा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास शिल्पा साय उपस्थित रहीं। सभी जनपद सीईओ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े।

कलेक्टर श्री लंगेह ने कहा कि अभियान केवल निर्धारित अवधि तक सीमित न रहकर गांवों में सतत फॉलोअप, नियमित भ्रमण और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के माध्यम से लगातार जारी रहना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को शिविरों एवं जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनों के निराकरण की नियमित समीक्षा करने तथा पात्र हितग्राहियों को समय-सीमा में योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अभियान के दौरान बने जनविश्वास, विभागीय समन्वय और सकारात्मक जनसंपर्क को निरंतर बनाए रखने पर भी जोर दिया।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास श्रीमती शिल्पा साय ने बताया कि पीएम जनमन योजना के 76 ग्रामों तथा धरती आबा अभियान के सभी 308 ग्रामों में सबसे दूर, सबसे पहले की अवधारणा के तहत 345 संतृप्ति एवं स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में कुल 46 हजार 787 नागरिकों ने भागीदारी निभाई। अभियान के दौरान 547 हितग्राहियों के आधार कार्ड बनाए गए, जबकि 467 लोगों के आयुष्मान कार्ड तैयार किए गए। इसके अलावा 42 हितग्राहियों को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, 52 लोगों को विभिन्न पेंशन योजनाओं से जोड़ा गया।

जर्जर सड़क से राहगीर हो रहे परेशान

नगरी/नवप्रदेश। गोटियावाही से बासपानी होते हुए सिहावा तक जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों बेहद जर्जर और बदहाल स्थिति में पहुंच चुका है। सड़क की हालत इतनी खराब हो गई है कि इस मार्ग से आने-जाने वाले ग्रामीणों, वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह बड़े गड्ढे, उखड़ी हुई सड़क और खराब निर्माण के कारण सफर करना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि इस सड़क की हालत लंबे समय से खराब बनी हुई है, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। सड़क पर कई जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जिससे वाहन चालकों को काफी दिक्कत होती है और दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। खासकर रात के समय और बारिश के दिनों में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, क्योंकि गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क और गड्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है।

डिजिटल पोर्टल शुभारंभ, अत्याधुनिक 5-पार्ट हेमेटोलॉजी एनालाइज़र यूनिट का किया लोकार्पण

■ कोयला व खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे ने एसईसीएल के कार्यों की समीक्षा की

बिलासपुर/नवप्रदेश। *कोयला एवं खान राज्य मंत्री, भारत सरकार सतीश चन्द्र दुबे ने आज एसईसीएल के एक दिवसीय दौरे के दौरान कंपनी के कार्यों एवं उपलब्धियों की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने डिजिटल परिवर्तन एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण पहलों का शुभारंभ एवं लोकार्पण भी किया।*

एसईसीएल मुख्यालय पहुँचने पर सर्वप्रथम मंत्री ने एसईसीएल मुख्यालय परिसर स्थित कोयला श्रमिक स्मारक पर माल्यार्पण कर कोयला श्रमिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की तथा राष्ट्र निर्माण एवं देश की ऊर्जा सुरक्षा में उनके अमूल्य योगदान को नमन किया। इसके पश्चात एसईसीएल मुख्यालय में आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कोयला उत्पादन, डिस्पैच, गुणवत्ता प्रबंधन, सुरक्षा, कोल गैसीफिकेशन, माइन क्लोजर, पर्यावरणीय पहलों, डिजिटलीकरण, सीएसआर गतिविधियों तथा भविष्य की कार्ययोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में एसईसीएल के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन, निदेशकगण, सीवीओ, विभागाध्यक्ष, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। मंत्री ने सुरक्षित एवं सतत खनन को बढ़ावा देने, परिचालन दक्षता में वृद्धि तथा आधुनिक तकनीकों के अधिकाधिक उपयोग पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि एसईसीएल देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

रोगों की अधिक सटीक पहचान सुनिश्चित करेगी

दौरे के दौरान मंत्री ने बिलासपुर स्थित इंदिरा विहार स्वास्थ्य केंद्र में स्थापित अत्याधुनिक 5-पार्ट हेमेटोलॉजी एनालाइज़र यूनिट का लोकार्पण भी किया। यह मशीन श्वेत रक्त कोशिकाओं की 5-पार्ट डिफरेंशियल जाँच के माध्यम से संक्रमण एवं विभिन्न रोगों की अधिक सटीक पहचान सुनिश्चित करेगी। स्वचालित परीक्षण प्रणाली से युक्त यह अत्याधुनिक मशीन तेज़, सटीक एवं त्रुटिरहित रिपोर्ट उपलब्ध कराने में सहायक होगी, जिससे अस्पताल एवं प्रयोगशाला सेवाओं की गति और दक्षता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। लोकार्पण उपरांत मंत्री ने स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण कर विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं एवं सेवाओं का जायजा लिया एवं स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने हेतु किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

डिजिटल परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

समीक्षा बैठक के दौरान मंत्री द्वारा ई-डाडास (डिज़ाइन एंड ड्रॉइंग्स एप्रूवल इन एसईसीएल) पोर्टल एवं हॉस्पिटल मैनेजमेंट एंड इन्फॉर्मेशन सिस्टम पोर्टल का शुभारंभ किया गया। यह पहल एसईसीएल में डिजिटल परिवर्तन, कार्यकुशलता एवं पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। ई-डाडास पोर्टल के माध्यम से एफएमसी, सीएचपी-साइलो, रेलवे साइडिंग, इन-पिट कन्वेयर सिस्टम सहित अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं से संबंधित इंजीनियरिंग डिज़ाइन एवं ड्रॉइंग्स की ऑनलाइन जाँच, परीक्षण, निगरानी एवं अनुमोदन प्रक्रिया को डिजिटल बनाया जाएगा। इससे परियोजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, समयबद्धता एवं दक्षता सुनिश्चित होगी। वहीं, एचएमआईएस पोर्टल के माध्यम से एसईसीएल चिकित्सालयों में स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण, मरीजों के रिकॉर्ड के सुव्यवस्थित प्रबंधन, त्वरित चिकित्सा सुविधा तथा बेहतर स्वास्थ्य सेवा निगरानी सुनिश्चित की जाएगी।

न्यूज गैलरी

योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा का निधन से जिले में शोक

बिलासपुर/नवप्रदेश। योग आयोग के अध्यक्ष रूप नारायण सिन्हा का बिलासपुर में निधन हो गया। बिलासपुर के प्रशिक्षण शिविर में रूप नारायण सिन्हा पहुंचे हुए थे। प्रशिक्षण शिविर में उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया। जिस पर उन्हें सिम्स मेडिकल कॉलेज अस्पताल पहुंचाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें प्रशिक्षण उपरांत मृत घोषित कर दिया। बता दे भारतीय जनता पार्टी के द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के तहत बिलासपुर जिले में जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का दो दिवसीय आयोजन सोमवार और मंगलवार को किया गया था। प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने के लिए प्रशिक्षण प्रभारी के रूप में योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा बिलासपुर आए थे। वे दो दिवसीय बिलासपुर प्रवास पर थे। कल सोमवार से प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ था। जिसका आज समापन था। समापन में जिले के वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक भी पहुंचे हुए थे। कार्यक्रम के दौरान रूप नारायण सिन्हा के सीने में तेज दर्द हुआ तब उन्हें तत्काल सिम्स लाया गया। जानकारी मिलने पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने तत्काल सिम्स के डीन और एमएस से फोन कर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा। पर सिम्स पहुंचने पर डॉक्टरों ने रूप नारायण सिन्हा को मृत घोषित कर दिया।

स्काउट-गाइड्स का जल सेवा अभियान बना यात्रियों के लिए राहत

बिलासपुर/नवप्रदेश। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के मार्गदर्शन में स्काउट-गाइड्स द्वारा चलाया जा रहा जल सेवा अभियान यात्रियों के लिए किसी संजीवनी से कम साबित नहीं हो रहा है। आज छिंदवाड़ा ओपन ग्रुप ने अपने जल सेवा अभियान के लगातार तीसरे दिन भी पूरे उत्साह के साथ सेवा कार्य जारी रखा। स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स एवं यूनिट लीडर्स ने टीम भावना और अनुशासन के साथ यात्रियों को शीतल पेयजल उपलब्ध कराया। 'सेवा ही धर्म है' की भावना को आत्मसात करते हुए सभी स्वयंसेवकों ने यात्रियों के चेहरों पर राहत और मुस्कान लाने का कार्य किया। इसी क्रम में नर्मदा ओपन स्काउट एवं मदर टेरेसा ग्रुप, नैनपुर द्वारा नैनपुर रेलवे स्टेशन परिसर एवं गुजरने वाली ट्रेनों में यात्रियों को शीतल पेयजल वितरित किया गया। पानी की एक-एक बूंद ने यात्रियों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान की और इस सेवा कार्य ने मानवीय संवेदना का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार गुप्ता एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक दिलीप सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि स्काउट-गाइड्स द्वारा किया जा रहा यह कार्य न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि रेलवे की सामाजिक जिम्मेदारी को भी मजबूती प्रदान करता है।

कलेक्टर ने टीएल बैठक में सुशासन तिहार व फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

खेती-किसानी की तैयारियों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, खाद-बीज वितरण की हर रोज होगी समीक्षा

बिलासपुर/नवप्रदेश। *कलेक्टर संजय अग्रवाल ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में सुशासन तिहार सहित शासन की विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि खेती-किसानी का मौसम शुरू होने वाला है, इसलिए समितियों के माध्यम से किसानों को खाद और बीज समय पर उपलब्ध कराया जाए। उर्वरक वितरण की प्रगति की प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिदिन शाम 6 बजे खाद बीज की मांग एवं आपूर्ति की समीक्षा की जाएगी। बैठक में निगम आयुक्त प्रकाश सर्वे, जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।*

बैठक में कलेक्टर ने जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जो भी व्यक्ति या संस्था जमीन से जल निकाल रही है, उसकी जिम्मेदारी भूजल को पुनः जमीन में पहुंचाने की भी है। इसके लिए इंजेक्शन तकनीक को प्रभावी बताते हुए उन्होंने उद्योगों और ठेकेदारों से रिचार्ज हेतु नलकूप खुदवाने में सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि नलकूप खुदने के बाद शासन द्वारा आवश्यक संरचनाएं निर्मित की जाएंगी ताकि भूजल स्तर को बेहतर बनाया जा सके।

सुशासन तिहार के योजनाओं पर जोर

कलेक्टर ने सुशासन तिहार के तहत विभिन्न योजनाओं में संतृप्ति स्तर प्राप्त करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों में स्वामित्व योजना के लगभग साढ़े चार हजार पट्टों का वितरण सुनिश्चित किया जाए। एग्रीस्टैक पोर्टल में शेष लगभग तीन हजार किसानों का पंजीयन शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए। शहरी क्षेत्रों में पट्टा वितरण कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक तेजी लाने को कहा गया। शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर कलेक्टर ने गंभीरता दिखाते हुए प्राचार्यों के साथ संबंधित विषय शिक्षकों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं पीएम सूर्यघर योजना के बढ़े हुए लक्ष्य को पूरा करने के लिए वार्डवार कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

कलेक्टर-एसपी ने ली कोल डिपो संचालकों की बैठक गुणवत्ता से समझौता नहीं करने की सख्त चेतावनी

बिलासपुर/नवप्रदेश। जिले में संचालित कोयला डिपो में कोयले की गुणवत्ता, अवैध मिलावट और चोरी-तस्करी जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह ने सोमवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिले के कोल डिपो संचालकों की बैठक लेकर स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर ने बैठक में कहा कि प्रदेश में 130 से अधिक स्पंज आयरन प्लांट संचालित हैं, जिन्हें एसईसीएल से कोयला प्राप्त होता है। ऐसे में कोयले की गुणवत्ता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि जिस गुणवत्ता का कोयला एसईसीएल की खदानों से प्राप्त हो, उसी गुणवत्ता का कोयला उद्योगों तक पहुंचे। किसी भी प्रकार की मिलावट या गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कोल डिपो संचालकों को यह भी निर्देशित किया कि उद्योगों को आपूर्ति किए जाने वाले कोयले का रिकॉर्ड पारदर्शी ढंग से रखा जाए तथा भंडारण और परिवहन की व्यवस्था नियमों के अनुरूप हो। प्रशासन ने साफ किया कि कोयले में मिलावट या अवैध भंडारण पाए जाने पर संबंधित संचालकों के विरुद्ध खनिज अधिनियम सहित आपराधिक प्रकरण दर्ज किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कुछ डिपो में उच्च गुणवत्ता वाले कोयले में निम्न गुणवत्ता का कोयला और शेल मिलाकर उद्योगों को सप्लाई किया जा रहा है। इससे उद्योगों के उत्पादन और गुणवत्ता पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। कलेक्टर ने कहा कि उद्योगों को गुणवत्तापूर्ण कोयला उपलब्ध कराना डिपो संचालकों की जिम्मेदारी है।

आवास, बीपीएल कार्ड, डायवर्सन के मिले आवेदन

जनदर्शन में सुनी गई लोगों की समस्याएं

बिलासपुर/नवप्रदेश। कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर जिला कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनदर्शन में आज अपर कलेक्टर एसएस दुबे ने लोगों की समस्याएं सुनी। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने उनसे मिलकर निजी एवं सामुदायिक शिकायत संबंधी आवेदन दिया। उन्होंने अधिकांश मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जनदर्शन में पहुंची ग्राम दर्रीघाट की संगीता खांडे ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान दिलाने की गुहार लगाई है। उन्होंने बताया कि वे बेहद गरीब हैं और उनके पति की सीमित आय में किराए के मकान में रहकर दो बच्चों की परवरिश करना बेहद मुश्किल हो रहा है। तखतपुर ब्लॉक के परसदा निवासी संतोषी निर्मलकर ने जनदर्शन में आवेदन देकर नया बीपीएल राशन कार्ड बनाए जाने की मांग की है। आवेदन में बताया गया है कि पहले से राशन कार्ड के लिए आवेदन देने के बावजूद अब तक उनका राशन कार्ड नहीं बन पाया है। उन्होंने बताया कि परिवार आर्थिक रूप से कमजोर है। पचपेड़ी तहसील के ग्राम गोड़ाडीह निवासी लकेश्वर ने अपनी डायवर्सन कराने हेतु अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। आवेदन में बताया गया है कि उनकी भूमि ग्राम गोड़ाडीह में स्थित है और वे भूमि के एक हिस्से का उपयोग व्यवसायिक कार्य के लिए करना चाहते हैं। उन्होंने नियमानुसार भूमि डायवर्सन की अनुमति प्रदान करने की मांग की है। ग्राम खमतराई के ग्रामीणों ने अपर कलेक्टर को सौंपे ज्ञापन में बताया कि ग्राम खमतराई के प्राचीन तालाब को असामाजिक तत्वों द्वारा अधिग्रहित किया जा रहा है एवं उनके द्वारा निरंतर गंदगी फेंककर तालाब को प्रदूषित करने का कार्य किया जा रहा है। वहीं जनदर्शन में कपसिया कला के दिव्यांग सावन कुमार ने ट्राई साइकिल दिलाने आवेदन प्रस्तुत किया।

खनिज माफियाओं के खिलाफ अभियान जेसीबी सहित कई वाहन किए जब्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। *कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश एवं उप संचालक खनिज किशोर गोलघाटे के मार्गदर्शन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।*

इसी क्रम में खनिज विभाग द्वारा विशेष अभियान चलाकर विभिन्न क्षेत्रों में जांच एवं कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान तेंदुआ, कोटा, चौरसढ़ी, कछार, लोफंदी, सेंदरी, निरतु, लखराम, गढ़वत, खैरखुंडी, लोखंडी, तुर्काडीह एवं सकरी क्षेत्र में जांच की गई। जांच में अवैध रूप से खनिज रेत, मिट्टी, मुरूम तथा गिट्टी डस्ट के उत्खनन एवं परिवहन में संलिप्त कुल 23 वाहनों को जब्त किया गया। कार्रवाई के तहत तेंदुआ एवं कोटा क्षेत्र में खनिज रेत का परिवहन करते हुए 4 हाइवा एवं 3 ट्रैक्टर पकड़े गए। वहीं कोटा क्षेत्र में खनिज मिट्टी का अवैध उत्खनन करते हुए 1 जेसीबी मशीन एवं 1 ट्रैक्टर जब्त किया गया। चौरसढ़ी क्षेत्र में मुरूम उत्खनन करते 1 जेसीबी एवं 1 हाइवा वाहन पर कार्रवाई की गई। इसी प्रकार लोखंडी क्षेत्र में रेत परिवहन करते 1 हाइवा तथा उत्खनन करते 1 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गई। सकरी क्षेत्र में गिट्टी डस्ट परिवहन करते 2 हाइवा एवं खनिज मिट्टी-ईंट परिवहन करते 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी गईं। कछार एवं सेंदरी क्षेत्र में रेत उत्खनन करते 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली तथा सेलर एवं गढ़वत क्षेत्र में रेत उत्खनन एवं परिवहन करते 2 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त की गईं। उप संचालक खनिज श्री गोलघाटे ने बताया कि जब्त सभी वाहनों के विरुद्ध खान एवं खनिज अधिनियम 1957 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। जब्त वाहनों को कोनी, कोटा, रतनपुर एवं सकरी थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। खनिज, राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

वार्ड क्र. 29 में आजम को जीत दिलाने कांग्रेसियों ने किया जनसंपर्क

बिलासपुर/नवप्रदेश। नगर निगम के उपचुनाव में संजय गांधी नगर तारबहार वार्ड क्रमांक 29 से कांग्रेस प्रत्याशी आजम को विजय दिलाने कांग्रेसी नेता जनता के बीच जाकर आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं। तारबहार की जनता कांग्रेस पार्टी व आजम के प्रति अपनी निष्ठा प्रकट कर रहे हैं । वही अपना भरपूर सहयोग व आशीर्वाद दे रहे हैं। आजम को जिताने आज सड़क पर उतरे शहर कांग्रेस कमेटी के शहर अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा महेंद्र गंगोत्री पूर्व विधायक शैलेंद्र पांडे पूर्व महापौर रामशरण यादव पूर्व राज्यसभा सदस्य इनग्रिड मैकलाऊड़ प्रमोद नायक पूर्व अध्यक्ष विजय पांडे रविंद्र सिंह ठाकुर नरेंद्र बोलर नेता प्रतिपक्ष भारत कश्यप महिला अध्यक्ष पिंकी बत्रा ब्लॉक अध्यक्ष तजुमुल हक संतोष गर्ग शिल्पी तिवारी पार्षद रामा बघेल दिलीप पाटिल सुनील सोनकर पुष्पेंद्र साहू जुगल गोयल ओम कश्यप शहजादी कुरैशी बंटी गुप्ता शंकर कश्यप अमित भारती सुबोध केसरी हिमांशु कश्यप सुवर्णा शुक्ला समीर अहमद प्रशांत पांडे उत्तम चटर्जी राहुल दुबे राघवेन्द्र सिंह कमलेश लौहात्रे हेरी डेनियल संगीत मोईत्रा शुभ लक्ष्मी विनोद जवाहर प्रेमलाल कुर्रे सुरेश राठौड़ तस्लीम राजा उपस्थित थे।

नीट पेपर लीक मामले में एनएसयूआई का हमला 3 को मंत्री तोखन के निवास का करेंगे घेराव

बिलासपुर/नवप्रदेश। *एनएसयूआई ने नीट पेपर लीक मामले, शिक्षा व्यवस्था में बढ़ते भ्रष्टाचार और युवाओं के भविष्य पर मंडरा रहे संकट को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडेय और जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आज देश का युवा खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है और मेहनती छात्रों का भविष्य पेपर माफियाओं और सरकारी लापरवाही की भेंट चढ़ रहा है।*

एनएसयूआई नेताओं ने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में देशभर में लगभग 89 बार पेपर लीक की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे यह साफ हो गया है कि केंद्र सरकार परीक्षा प्रणाली को सुरक्षित रखने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने कहा कि हर बार जांच और कार्रवाई की बातें होती हैं, लेकिन पेपर माफिया लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) पर भी गंभीर सवाल उठाए गए। नेताओं ने कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में पेपर लीक होना बेहद गंभीर मामला है और एनटीए अब पारदर्शी संस्था नहीं बल्कि भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का केंद्र बनती जा रही है। उन्होंने मांग की कि एनटीए को भंग कर नई और पारदर्शी परीक्षा एजेंसी बनाई जाए। एनएसयूआई ने कहा कि नीट परीक्षा से लगभग 22 लाख छात्रों का भविष्य जुड़ा हुआ है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज तक लेते हैं, लेकिन जब परीक्षा प्रणाली ही भ्रष्ट हो जाए तो मेहनती छात्रों और उनके परिवारों के साथ बड़ा अन्याय होता है। संगठन ने आरोप लगाया कि सरकार जवाब देने से बच रही है और देशभर में छात्र आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार चुप्पी साधे हुए है। नेताओं ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफे की मांग की। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, संयुक्त संसदीय समिति से जांच और पेपर लीक नेटवर्क को राजनीतिक संरक्षण देने वालों की भूमिका की जांच कराने की मांग भी उठाई गई। एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि संगठन हमेशा छात्रों की आवाज बनकर खड़ा रहा है और केवल आंदोलन ही नहीं, बल्कि पीड़ित छात्र परिवारों की मदद भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि 'यह केवल पेपर लीक नहीं, युवाओं के सपनों की हत्या है' और 'युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ अब बर्दाश्त नहीं होगा।

व्यवस्थाः गाड़ी 1 जून से नए नंबर 17433/17434 के साथ साप्ताहिक एक्सप्रेस के रूप में चलेगी

रक्सौल-तिरुपति के मध्य चल रही साप्ताहिक टीओडी स्पेशल ट्रेन का नियमितीकरण

बिलासपुर/नवप्रदेश। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं बेहतर रेल संपर्क को ध्यान में रखते हुए वर्तमान में संचालित ट्रेन संख्या 07051/07152 तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन का नियमितकरण किया जा रहा है। नियमितीकरण होने के बाद यह गाड़ी नए नंबर 17433/17434 तिरुपति-रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस बन कर चलेगी। ट्रेन संख्या 17433 तिरुपति-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस, 1 जून 2026 से तिरुपति से प्रत्येक सोमवार को प्रस्थान करेगी। वहीं ट्रेन संख्या 17434 रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस, 4 जून से रक्सौल से प्रत्येक गुरुवार को संचालित होगी। गाड़ी संख्या 17433 तिरुपति-रक्सौल साप्ताहिक एक्सप्रेस, 1 जून से प्रत्येक सोमवार को तिरुपति से 08.15 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये अगले दिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाले गोंदिया स्टेशन आगमन 07.30 बजे प्रस्थान 07.40 बजे, दुर्ग स्टेशन आगमन 10 बजे प्रस्थान 10.05 बजे, रायपुर स्टेशन आगमन 10.45 बजे प्रस्थान 10.50 बजे, बिलासपुर स्टेशन आगमन 13.20 बजे प्रस्थान 13.30 बजे होते हुये तीसरे दिन अर्थात बुधवार को 17.00 बजे रक्सौल स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 17434 रक्सौल-तिरुपति साप्ताहिक एक्सप्रेस 4 जून से प्रत्येक गुरुवार को रक्सौल से 03.15 बजे रवाना होगी तथा मार्ग के मध्यवर्ती स्टेशनों से होते हुये अगले दिन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के ठहराव वाले बिलासपुर स्टेशन आगमन 04.40 बजे प्रस्थान 04.50 बजे, रायपुर स्टेशन आगमन 06.20 बजे प्रस्थान 06.25 बजे, दुर्ग स्टेशन आगमन 07.15 बजे प्रस्थान 07.20 बजे, गोंदिया स्टेशन आगमन 09.20 बजे प्रस्थान 09.30 बजे, होते हुये तीसरे दिन अर्थात शनिवार को 09.30 बजे तिरुपति स्टेशन पहुंचेगी।

गाड़ी का वाणिज्य ठहराव

रास्ते में यह गाड़ी रेणिगुंटा, कड़पा, यर्रगुंटला, ताडिपत्रि, गुंतकल, आदोनि, रायचूर, कृष्णा, विकाराबाद, लिंगमपल्ली, सिकंदराबाद, चर्लपल्ली, काजीपेट, पेद्दपल्ली, मंचिर्याल, सिरपुर कागजनगर, बल्लारशाह, चांदाफोर्ट, वडसा, गोंदिया, दुर्ग, रायपुर, बिलासपुर, झारसुगुड़ा, राउरकेला, हटिया, रांची, मूरी, बोकारो, चन्द्रपुरा, धनबाद, बराकर, चितरंजन, मधुपुर, जसीडीह, झाझा, किऊल, बरौनी, समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी स्टेशनों में रुकेगी। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के गोंदिया, दुर्ग, रायपुर एवं बिलासपुर स्टेशन सहित मध्य भारत एवं दक्षिण भारत के यात्रियों को इस नई नियमित सेवा का लाभ प्राप्त होगा साथ ही दक्षिण भारत एवं बिहार क्षेत्र के बीच रेल संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। यात्रियों से अनुरोध है कि उक्त ट्रेन की विस्तृत समय-सारिणी और ठहराव की विस्तृत जानकारी हेतु कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या NTES ऐप डाउनलोड करें।

जामपाली समपार वार्षिक मरम्मत कार्य हेतु बंद रहेगी

रेलवे प्रशासन द्वारा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर मंडल के अंतर्गत भूपदेवपुर-रॉबर्टसन स्टेशन के मध्य किमी. 608/18-20 पर स्थित मानव सहित समपार संख्या 303 (जामपाली फाटक) को 28 मई एवं 29 मई 2026 को सुबह 08 बजे से रात्रि 08 बजे तक वार्षिक मरम्मत कार्य हेतु सड़क यातायात के लिए बंद करने का निर्णय लिया गया है। उक्त समपार पर मरम्मत कार्य के दौरान सड़क यातायात के लिए वैकल्पिक मार्ग नहरपाली समपार फाटक से उपलब्ध है। रेल प्रशासन आम जनता को होने वाली असुविधा के लिए खेद प्रकट करता है एवं सहयोग की आशा करता है ।

सुविचार

कभी ये मत सोचना कि संघर्ष खत्म हो जाएंगे। जब तक जिंदगी है संघर्ष रोज ही अपना रुप बदल कर आएंगे।

अब की बार महंगाई की मार

खाड़ी संकट के चलते दुनिया के कई देशों की तरह ही अबकी बार भारत पर भी महंगाई की मार पड़ रही है। पिछले 11 दिनों के दौरान चौथी बार भारतीय तेल कंपनियों ने पेट्रोल, डीजल और सीएनजी के दाम बढ़ा दिए हैं। इस मूल्य वृद्धि के पहले आने वाले खतरे को भांप कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि वे पेट्रोल और डीजल की खपत कम करें। प्रधानमंत्री की इस अपील का उल्टा ही असर हुआ और देशभर में लोग पेट्रोल और डीजल की जमाखोरी करने लगे। पेट्रोल पंपों पर लंबी लंबी कतारें लगने लगी। जरूरत से ज्यादा पेट्रोल और डीजल खरीदने के कारण कई पेट्रोल पंपों में पेट्रोल और डीजल ही खत्म हो गया। ऐसा पैनिक फैला की लोग परेशान हो गये। बाद में सरकार ने वस्तु स्थिति से देश को अवगत कराया तब कहीं जाकर पेट्रोल पंपों से अनावश्यक भीड़ छटने लगी। इसके बाद तेल कंपनियों ने अपने घाटे का हवाला देते हुए 15 मई को पेट्रोल और डीजल के दामों में तीन रूपये प्रति लीटर की वृद्धि कर दी। इसके बाद 19 मई को 90 पैसे तथा 23 मई को 87 पैसे की वृद्धि की गई और 25 मई को पेट्रोल के दाम 2.61 तथा डीजल के दाम 2.71 रूपये प्रति लीटर बढ़ा दिये गये। इस तरह लगातार पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से अब महंगाई भी बढ़ने लगी है। पहले से ही देश की जनता महंगाई की मार से आहत है और अब पेट्रोल व डीजल के दाम बढ़ने से माल भाड़ा भी बढ़ेगा तथा यात्री किराये में भी वृद्धि होगी। नतीजतन लोगों का सफर करना भी महंगा होगा और आवश्यक वस्तुओं के दामों में भी भारी वृद्धि होगी। जाहिर है यदि इसी तरह पेट्रोलियम पदार्थों के दाम बढ़ते रहे तो महंगाई अपनी चरम सीमा पर पहुंच जाएगी और लोगों का जीना मुहाल हो जाएगा। यह ठीक है कि अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बीच तथा रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से चलते जंग के कारण पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति प्रभावित हो रही है और इनके दामों में लगातार इजाफा हो रहा है। अन्य देशों में पेट्रोल और डीजल के दाम डेढ़ से दो गुना तक बढ़ गये हैं। उनके मुकाबले भारत में बहुत कम मूल्य वृद्धि हुई है लेकिन इस मूल्य वृद्धि से भी लोगों को राहत दी जा सकती है। गौरतलब है कि केन्द्र और राज्य सरकारें पेट्रोल पर भारी टेक्स लगाती हैं यदि सरकारें अपना टेक्स कम करें तो पेट्रोल और डीजल के दाम 15 रूपये तक कम हो सकते हैं। किन्तु सरकारें अपना टैक्स घटाने के लिए तैयार नहीं है नतीजतन इस मूल्य वृद्धि का सीधा असर आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है और उनका घरेलू बजट गड़बड़ाने लगा है। सरकार को चाहिए कि वह पेट्रोलियम पदार्थों पर टैक्स कम करने की दिशा में कारगर कदम उठाए।

आदर्श शहर समृद्धि योजना स्वागत-ए-पहल

शहरी क्षेत्रों के अधोसंरचना विकास कार्यों को गति देने तथा जनसुविधाओं का विस्तार करने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय सरकार ने पहले नगर निगमों के लिए मुख्यमंत्री नगरोत्थान योजना लागू की थी जिससे नगर निगम क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति मिली थी। अब इसी तर्ज पर आदर्श शहर समृद्धि योजना लागू की जा रही है जिससे नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में विकास कार्यों को गति प्रदान की जाएगी। बड़े शहरों के विकास के साथ ही नए उभरते शहरों और कसबों में भी आधुनिक शहरी सुविधाएं सुलभ कराने के उद्देश्य से यह योजना लागू हो रही है जो निश्चित रूप से स्वागत-ए-पहल है इस योजना के तहत 32 नगरीय निकायों का चयन किया जा रहा है इसके बाद क्रमशः प्रदेश की सभी नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में यह महत्वाकांक्षी आदर्श शहर समृद्धि योजना लागू की जाएगी। इस बारे में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि उनकी सुशासन सरकार बड़े शहरों के साथ साथ उभरते नगरों और कसबों के संतुलित और समग्र विकास के लिए भी कटिबद्ध हैं। आदर्श शहर समृद्धि योजना के जरिए प्रदेश की सभी नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों में अधोसंरचना विकास को गति देने के साथ ही जनसुविधाओं का विस्तार किया जाएगा। और इससे रोजगार के नए अवसर भी बढ़ेंगे। जाहिर है आदर्श शहर समृद्धि योजना प्रदेश के छोटे और मंझौले शहर तथा व्यवस्थित विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सद्गुरू बोधामृतम्

सदगुरू ऋतेश्वर

ब्लैक नहीं होते व्हाइट भी होता है। तुम किस आयाम को देखते हो ये बड़ी चीज है और ये देखना, मैं सत्य कहता हूँ ये निगाह, ये देखने की कला तो गुरु ही देते हैं। यदि आप नीति, धर्म और कर्म का सफलता पूर्वक पालन करेंगे तो विश्व की कोई भी शक्ति आपको पराजित नहीं कर सकती। सबसे बड़ी भूल कि मैं किसी के द्वारा आनंदित होऊंगा! सभी अवस्थाओं में राजी रहो, दुख तुम्हारा क्या बिगाड़ेगा। गुरु से अगर तुम्हें शिकायत है, मतलब तुम अहंकारी हो। भगवान बता चुके हैं कैसे होना है?

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1703 - जार पीटर ने नेवा नदी के शहर पर बसे रूस की सांस्कृतिक राजधानी सेंट पीटर्सबर्ग की नींव रखी। 1813 - अमेरिका ने फोर्ट जॉर्ज, कनाडा पर कब्जा किया। 1895 - ब्रिटिश आविष्कारक बर्ट एक्रेस ने फिल्म कैमरा/प्रोजेक्टर का पेटेंट कराया। 1908 - मौलाना हकीम नुरूद्दीन अहमदिया मुस्लिम समुदाय के पहले खलीफा बने। 1921 - ब्रिटेन के नियंत्रण के 84 बरस बाद अफगानिस्तान को संप्रभुता मिली। 1927 - चीन के गृह युद्ध में जापानी सेना का दखल। 1933 - वॉल्ट डिज्नी ने 'दि थ्री लिटिल पिग्स' नाम की एनिमेडेट शॉर्ट फिल्म रिलीज की। ये कार्टून और इसका गाना दोनों बहुत मशहूर हुए। 1941 - जर्मन जंगी जहाज बिस्मार्क को ब्रिटिश नौसेना ने डुबोया। 1948 - महात्मा गांधी की हत्या का मुकदमा शुरू हुआ। 1957 - कॉपीराइट विधेयक को मंजूरी। इसे 21 जनवरी 1958 को लागू किया गया। 1977 - पैन एम और केएलएम के दो विमान टकराए। 582 लोगों की मौत।

ग्लोबल वार्मिंग पर सिर्फ जुबानी जमाखर्च

भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है देश के अनेक इलाकों में पारा लगातार 47 डिग्री सेल्सियस से उपर बना हुआ है। इधर 25 म?ई से नौतपा के आगाज होते ही देश के 31 शहरों में तापमान 45 डिग्री से ऊपर पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ में भी गर्मी का कहर जारी है और राजनांदगांव में पारा 46.5 डिग्री रहा तो सूबे की रातें भी गर्म है।आलम यह है कि आदमी तो आदमी पशु- पक्षी भी गर्मी की तपिश से हलाकान है। छत्तीसगढ़ के कोरबा - पाली से खबर आई कि चौबीस घंटे के दौरान लू के चलते 150 से ज्यादा चमगादड़ों की मौत हो गई वहीं अन्य हिस्सों से वन्य प्राणियों और पक्षियों के मौत के समाचार हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक रोज लगभग एक हजार लोग लू से पीड़ित हो रहे हैं वहीं दूसरी ओर इससे व्यापार भी व रोजगार भी प्रभावित हो रहा है।

डॉ. संजय शुक्ला

अलबत्ता भारत जैसे विकासशील देश में "ग्लोबल वार्मिंग" अब महज विचार गोष्ठियों में शाब्दिक जुगाली का ही मसला बन कर रह गया है। बिलाशक देश में लगातार बढ़ती गर्मी सिर्फ जनस्वास्थ्य पर ही असर नहीं डाल रहा है बल्कि अब यह हमारे अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित कर रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुमान के मुताबिक भीषण गर्मी और हीटवेव के कारण साल 2026 में देश का आर्थिक विकास लड़खड़ा सकता है। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक देश के अनेक इलाकों में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है फलस्वरूप कृषि उत्पादकता और श्रम उत्पादकता में असर पड़ेगा जिससे महंगाई बढ़ेगी। 'दुबले पर दो अषाढ़ ' की कहावत चरितार्थ एक तरफ देश और दुनिया खाड़ी युद्ध के चलते ऊर्जा संकट और जरूरी जिंसों के किल्लत तथा महंगाई से जूझ रहा है वहीं दूसरी तरफ भीषण गर्मी ने इस मुसीबत को और भी बढ़ा दिया है। आर्थिक जगत के मुताबिक देश में तापमान का यदि यही हालात रहे तो साल 2030 तो जीडीपी में 2.5 फीसदी से 4.5 फीसदी नुकसान होने की संभावना है वहीं 3.4 करोड़ लोगों की नौकरियों पर भी खतरे का अंदेशा है। देश में बढ़ते तापमान का असर कृषि और श्रम के क्षेत्र में परिलक्षित हो रहा है। हीटवेव (लू) के चलते जहां लोगों को स्वास्थ्य से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है वहीं लोगों की उत्पादकता में कमी आ रही है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण जैसे अनेक निर्माण एजेंसियों ने मजदूरों के काम करने के घंटों में कटौती कर दी है जिससे योजनाओं के लागत में बढ़ोतरी के साथ ही पूर्णता अवधि प्रभावित होने की आशंका है।द लैंसेट ' के एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में 1990-99 की तुलना में 2025 में 124 फीसदी अधिक घंटों का नुकसान हुआ है। गर्मियों में बिजली की मांग बढ़ रही है फलस्वरूप ऊर्जा लागत में बढ़ोतरी के साथ ही बिजली कटौती करनी पड़ रही है जिसका असर औद्योगिक उत्पादन में पड़ रहा है। बीते कई सालों में यह पहला मौका है जब गर्मियों की शुरुआत में ही बढ़ते तापमान ने जनस्वास्थ्य पर असर डालना शुरू कर दिया है। देश में लू के मरीजों में लगातार इजाफा हो रहा है जिससे मौतें भी हो रही हैं।राष्ट्रीय अपराध अभिलेख ब्यूरो 'एनसीआरबी' के आंकड़ों के अनुसार बीते पांच सालों में सनस्ट्रोक (लू) की वजह से 3,712 लोगों की मौत दर्ज की गई है। बीते साल 2025-26 में लू लगने से 84 लोगों की मौत हुई थी। एक अध्ययन के मुताबिक दुनिया भर में लू से होने वाली मौतों में से 20 फीसदी मौत भारत में होती

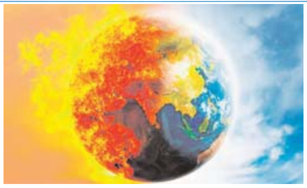

है। एक अन्य शोध के मुताबिक भीषण गर्मी और लू की वजह से हर साल दुनिया भर में डेढ़ लाख लोगों की मौत होती है जिसमें हर पांचवां मामला भारत का है।

बहरहाल भीषण गर्मी और लू के हालात को देखते हुए मौसम विभाग सहित अनेक राज्य सरकारों ने नागरिकों के लिए चेतावनी और सावधानी एलर्ट भी जारी किया है। गर्मियों में केवल लू ही सेहत के लिए संकट नहीं है बल्कि इस मौसम में पाचन तंत्र से संबंधित आंत्रशोथ, पीलिया, टायफाइड और मलेरिया से पीड़ित रोगियों की संख्या में इजाफा हो जाता है। गर्मी और लू के कारण सेहत पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव के मद्देनजर बचाव के लिए लोगों को सचेत होने की जरूरत है। आमतौर पर हीट स्ट्रोक में शरीर का तापक्रम 104 डिग्री से 106 डिग्री फारेनहाइट तक चला जाता है। लू पीड़ित व्यक्ति में थकावट, कमजोरी, तेज बुखार, डिहाइड्रेशन, त्वचा का रुखा होना, शरीर और मांसपेशियों में ऐंठन, हृदय गति का बढ़ना, सिरदर्द, चक्कर और बेहोशी जैसी लक्षण मिलते हैं यदि इन लक्षणों से पीड़ित व्यक्ति को तुरंत उपचार नहीं मिले तो उसके हृदय, मस्तिष्क और किडनी पर घातक असर हो सकता है जिससे रोगी की मृत्यु भी संभव है। किसी भी व्यक्ति में लू के शुरुआती लक्षण मिलते ही उसे तुरंत ठंडे और हवादार कमरे में ले जाकर जीवन रक्षक या नमक - चीनी का घोल पिलाना चाहिए। लू पीड़ित के पूरे शरीर में गीले कपड़े की पट्टी करना चाहिए अथवा ठंडे पानी से स्नान करवा कर तत्काल चिकित्सक के पास ले जाना चाहिए। हीट स्ट्रोक से बचाव के लिए आवश्यक है कि व्यक्ति खाली पेट न रहे इसके अलावा ठंडी जगह या छांव से तुरंत तेज धूप में न निकलें।व्यक्ति जब भी धूप में निकलें सूती कपड़े, टोपी, स्कार्फ और धूप के चश्मे का प्रयोग करें तथा बार बार शिकंजी, पानी और छाछ का सेवन करते रहें इस सतर्कता से बहुत हद तक लू से बचाव और मौत से सुरक्षा संभव है। विचारणीय है कि भारत के शहर ही नहीं बल्कि कस्बों और गांवों में भी तापमान लगातार बढ़ते जा रहा है।भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान 'आ?ईआईटी' भुवनेश्वर ने देश के 140 शहरों में किए गए अपने अध्ययन में इन शहरों में 60 फीसदी बढ़ती गर्मी के लिए शहरीकरण, हरित क्षेत्र का घटना, पेड़ और जलस्रोतों का बड़ी तेजी से खत्म होना और बढ़ते कांक्रीटीकरण जैसे कारणों को जिम्मेदार माना है। इस अध्ययन में महानगरों सहित बड़े और मझोले शहरों को शामिल किया गया था। महानगरों और शहरों में बढ़ते मानव बसाहट के चलते हरित क्षेत्रों और नदियों व तालाबों को पाटकर वहां गगनचुंबी कांक्रीट के इमारतें, सड़कें और चौपाटी बनाई जा रही हैं जहां एयरकंडीशनर्स और रेफ्रिजरेटर्स का बहुतायत उपयोग किया जा रहा है। इसके अलावा बढ़ते तापमान के लिए औद्योगिकीकरण,बढ़ती जनसंख्या, जंगलों का विनाश, पर्यावरण प्रदूषण, वाहनों का अंधाधुंध प्रयोग, एयरकंडीशनर का बेतहाशा उपयोग, जलस्त्रोतों का घटना, जंगलों और नदियों में बेतहाशा खनन, कोयला आधारित बिजली घरों और उद्योगों का निर्माण सहित पहाड़ों और नदियों के प्राकृतिक स्वरूप को खत्म कर विकास योजनाओं को लागू करना जैसे कारण जवाबदेह हैं। अलबत्ता इसमें दोराय नहीं कि भारत जैसे कमजोर अर्थव्यवस्था वाले देश में बढ़ती गर्मी उद्योग और कृषि दोनों क्षेत्रों को प्रभावित कर रहा है जिससे चलते देश में खाद्यान्न संकट, महंगाई,भूखमरी? और गरीबी बढ़ सकता है। दूसरी ओर पृथ्वी के तापमान में लगातार बढ़ोतरी के चलते प्राकृतिक आपदाएं भी आ रही है जिससे पर्यटन उद्योग पर असर पड़ रहा है वहीं जान-माल का भी भारी नुकसान हो रहा है। बहरहाल तपती गर्मी के परिप्रेक्ष्य में मानवीय पहलुओं पर भी विचार आवश्यक है देश में एक वर्ग ऐसा है जो अपने घरों या दफ्तरों में कूलर या एसी की ठंडक में तपती गर्मी का मुकाबला कर लेते हैं लेकिन बहुतेरे ऐसे लोग भी हैं जिनका जीवन यापन दिहाड़ी मजदूरी पर निर्भर है। चिलचिलाती धूप में सड़कों पर भारी सामान ढोते या इमारतों को आकार देते मज़दूरों की बेबसी दिल में टीस पैदा करती है। सबसे करूण दृश्य यह कि लू के थपेड़ो के बीच महिला श्रमिक अपने दुधमुंहे बच्चे को आंचल में लपेटे सिर पर बोझ ढोए नजर आती है। यह दृश्य देखकर सुप्रसिद्ध कवि और साहित्यकार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की कविता ÷ वह तोड़ती पत्थर÷ याद आती है जिसमें उन्होंने दुपहरी के झुलसती लू में एक महिला श्रमिक के पत्थर तोड़ने का मार्मिक चित्रण किया है। अमूमन यही हालातद्ध उद्योगों के भट्ठियों में तपते श्रमिकों की भी होती है लिहाजा प्रबंधन और सामाजिक संगठनों से अपेक्षा है कि वे इन कर्मवीरों को लू से बचाव के लिए जरूरी साधन उपलब्ध कराने की दिशा में आगे आएं।

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता विश्वविद्यालय, संवरने का समय

डॉ शाहिद अली

शिक्षा केवल पेट पालने के लिए नहीं बल्कि एक नागरिक की भावना और कर्तव्य बोध को जागृत करने वाली होनी चाहिए, यह विचार देने वाले ऋषि तुल्य कुशाभाऊ ठाकरे जी थे। सामाजिक सरोकारों के महान संप्रेषक और राजनीति की शुचिता को परिभाषित करने वाले कुशाभाऊ ठाकरे जी की स्मृतियों एवं वैचारिक मूल्यों को चिरस्थाई बनाए रखने के लिए लोकप्रिय कवि, जननेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के हाथों और छत्तीसगढ़ के तत्कालीन मुख्यमंत्री वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी की दृढ़ इच्छाशक्ति से रायपुर में साल 2005 में कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय की हुई। देश के पहले मीडिया गुरुकुल कहे जाने वाले इस विश्वविद्यालय में पहले कुलपति डॉ सच्चिदानंद जोशी के नेतृत्व में इसका पहला दीक्षांत समारोह भी परम पावन दलाई लामा के मुख्य आतिथ्य में हुआ। ऐसे गौरवशाली स्थापना वाले इस शैक्षणिक संस्थान अपने 21वें साल के सफ़र में है।

प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व ओमें छत्तीसगढ़ संवर रहा है। 'हमने बनाया है, हम ही संवारेंगे' छत्तीसगढ़ सरकार का यह शीर्ष संकल्प है। इसलिए मीडिया गुरुकुल को संवारने का दायित्व भी सरकार को ही उठाना है क्योंकि यह संस्थान कुशाभाऊ ठाकरे जी की स्मृतियों को सहेजने वाला देश का बड़ा संस्थान है। यह संस्थान संचेतना,संवेदना और समय का संवाहक केंद्र है। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री रमेन डेका जी के संरक्षण में शिखर की ओर बढ़ने का संकल्प इस ज्ञानपीठ में है। हर साल सैंकड़ों की संख्या में शिक्षित - दीक्षित हो कर निकलने वाले विद्यार्थियों की यह पावन स्थली है। पत्रकारिता और संप्रेषण कला के क्षेत्र में कदम रखने वाले नवाचार के इच्छुक प्रतिभाशाली युवाओं के इस शैक्षणिक संस्थान में एक नई रोशनी का अभ्युदय हो रहा है। लंबे समय बाद विश्वविद्यालय को एक अकादमिक नेतृत्व प्रो.मनोज दयाल के रूप में मिला है। जनसंचार के अध्येता, अनुसंधानकर्ता और विद्यार्थियों में लोकप्रिय डॉ दयाल के विज़न का लाभ निश्चित रूप से विश्वविद्यालय को मिलेगा। छात्र संख्या की दृष्टि से इसकी तुलना अन्य विश्वविद्यालयों से नहीं की जा सकती है क्योंकि यह एक नागरिक की भावना और कर्तव्य बोध को जागृत करने की शिक्षा देने वाला संस्थान है। कुशाभाऊ ठाकरे के जीवन मूल्यों को जीने वाला संस्थान है।

वसुधैव कुटुम्बकम के भारतीय चिंतन को दृष्टि देने वाला संस्थान है। राष्ट्रीय मूल्यों की यह पाठशाला है जहां प.माधव राव सप्रे, कर्मवीर प. माखनलाल चतुर्वेदी, प.स्वराज्य प्रसाद त्रिवेदी और ऐसे अनेक महान पुरुषों की भावभूमि है। स्वातंर्त्योत्तर एवं सांस्कृतिक राष्ट्रीय चेतना की भूमि भी छत्तीसगढ़ है। नई तकनीक और एआई की उपस्थिति में शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव आए हैं। संसाधनों की दृष्टि से विश्वविद्यालय बुनियादी जरूरतों को तो पूरा करता है। अपने सामुदायिक रेडियो स्टेशन - रेडियो संवाद 90.8 के माध्यम से लगभग 40 किलोमीटर की प्रसारण क्षमता से आस-पास के गांव एवं शहर में आधी आबादी तक इसके लोकप्रिय कार्यक्रमों के सैंकड़ों की संख्या में श्रोताओं की तादाद है। वहीं टीवी स्टूडियो, संग्रह की दृष्टि से विशाल ग्रंथालय, कंप्यूटर लैब इत्यादि सुविधाएं बड़े भवनों के साथ उपलब्ध हैं। प्रशासनिक दृष्टिकोण से भी पारदर्शिता और मजबूती में संस्थान है लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि शासन से मिलने वाले अनुदान में वृद्धि और नए प्रकल्पों का विकास विश्वविद्यालय की जरूरत है। वैसे तो छत्तीसगढ़ के अनेकों विश्वविद्यालयों की तरफ देखा जाए तो यह समय की मांग है कि विश्वविद्यालयों का विकास, मानव संसाधनों को बढ़ाने और ढांचागत व्यवस्था में मूलभूत सुविधाओं के लिए सरकार को अपने बजट में कम से कम चार गुना वृद्धि करने की जरूरत है।

विशेषकर पत्रकारिता विश्वविद्यालय को विशेष पैकेज देकर देश का अग्रणी संस्थान बनाया जा सकता है। विष्णु के सुशासन में नारद के विश्वविद्यालय को उन्नति का नया सबेरा चाहिए। यह असंभव नहीं है कि कुशाभाऊ ठाकरे के नाम पर स्थापित विश्वविद्यालय अभावों से बाहर ना आ सके। विश्वविद्यालय के विस्तार और गुणात्मक विकास के लिए एक बार फिर संकल्पों को दोहराने की आवश्यकता है। हमें अपने संस्थानों की मानव शक्ति को पहचानने की भी जरूरत है। सही मायनों में विश्वविद्यालय के लिए यह संवरने का समय है, अटल ज्योति रखने का समय है तभी हम नई रोशनी और नए सूरज का अभ्युदय देख सकते हैं।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

यह शब्द ही अपने आप में ... अनोखा है..!! मगर क्या छोड़ पाते हैं..हम.. उन लमहों को,खुशनुमा पलों को,प्यार भरे रिश्तों को, हम तो अपने दर्द को को भी सहेजते है.. एक नवजात शिशु की तरह.. किसी की नजर न पड़े.. नमी भरी नजरों पर.. वो भी पूरी शिद्दत से .. जैसे इसके बिना हमारी जिंदगी बिखर न जाये.. अब दरकते दरख्तों में, दर्द की तपिश को महसूसना .. छोडो भी ..यार..!! जीवन जीने की कला, आती मुझको मीत। फैला कर पाँखें सदा , लेती जग को जीत।।

- अर्चना लाल

ज़िंदगी में सब कुछ अस्थायी है, अगर कुछ अच्छा चल रहा है तो उसका आनंद लें क्योंकि वो हमेशा रहने वाला नहीं। और यदि कुछ बुरा चल रहा है तो चिंता न करें क्योंकि वो भी हमेशा रहने वाला नही।

- तीर्थ बडोनी

गर्दिशों में ये इस्तिआरे हैं लफ़्ज़ बेचारगी के मारे हैं कामयाबी में भूल मत जाना हमने सदक़े तेरे उतारे हैं एक चिलमन हटी तो क्या देखा! किस क़दर खूबरू नज़ारे हैं हिज्र हम से ज़रा नहीं कटता आज़माये बहुत से आरे हैं उनसे उम्मीद क्या लगाऊं मैं वो तो खुद ही मेरे सहारे हैं।

- अजय अज्ञात

यूक्रेन के लिए रूस की इतनी घृणा! ईरान के लिए इजरायल और अमेरिका की इतनी घृणा! यह समझ से परे है। यह सिर्फअपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं तो और क्या है ? आखिर इन युद्धों से क्या हासिल हो रहा है ? इंसानियत मरती जा रही है और मानवता शर्मसार हो रही है । **- कमल मेहर**

चार वेद चार युग चार प्रमुख धाम हैं। चार हैं दिशा प्रधान शेष अभिराम हैं ।। चार चरण छंद गेय ,मुक्तक प्रधान हैं। आश्रम हैं चार मित्र, हिन्द नाम चार हैं ।। हिन्दू धर्म चार वर्ण, चार त्यौहार हैं। चार कलिमात प्रिय, जन्नत की झाड़ हैं।। चतुरानन के चार मुख, विदित जगत का सार। चार भुजा श्री हरि लिए ,बन गए पालनहार ।

- राजकिशोर मिश्र राज प्रतापगढ़ी

डियर मोदीजी देश में न तो भोजन सुरक्षित है न चिकित्सा और न ही विद्या। सब क्रिमिनल्स के कब्जे में है।तीनों जगह माफियाराज है। अगर एक सरकार इन तीनों क्षेत्रों में ही गुणवत्ता न ला पाए तो क्या फायदा विकसित भारत का सपना दिखाने का? एक आम नागरिक का सवाल।

- दिव्या राकेश शर्मा

कई लोगों को लगता है की उनकी एक लाइक से मैं करोड़पति हो जाऊँगी इसलिए वे मेरी पोस्ट को देखकर साइड से निकल जाते हैं ?????और कुछ तो लाइक करके अनलाइक कर देते हैं उन्हें पता ही न चलता नोटिफ़िक्रेशन नाम की भी कोई चीज़ होती है,उफ्फ ये मासूमियत हाय ये जहालत

- निभा चौधरी

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज आपका दिन मानो एक साथ कई दिशाओं में दौड़ता नजर आएगा। कामों की भरमार आपको थका सकती है, लेकिन अगर आपने समय को सही ढंग से संभाल लिया, तो सब कुछ आसानी से निपट जाएगा।

वृषः आज चारों तरफ से खुशखबरी और सकारात्मक ऊर्जा आपके जीवन में दस्तक दे सकती है। घर-परिवार का माहौल पहले से कहीं ज्यादा शांत और खुशहाल रहेगा।

मिथुनः आज किस्मत आपके लिए नया घर, जमीन या संपत्ति से जुड़ी खुशखबरी लेकर आ सकती है। लंबे समय से जिस काम को लेकर मन परेशान था, वह आखिरकार पूरा होने की राह पर दिखाई देगा।

कर्क : आज विद्यार्थियों के लिए सितारे खास चमक रहे हैं। पढ़ाई में मन लगेगा और मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने के संकेत हैं। मन में किसी के प्रति जलन या नकारात्मक भावना रखने से बचें, वरना खुद की शांति भंग होगी।

सिंह : आज का दिन आपको खुद को साबित करने का मौका देगा। किसी सहकर्मी की बात दिल को चुभ सकती है, लेकिन आप अपने आत्मविश्वास और मेहनत से सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेंगे।

कन्या : आज समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ने वाला है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में आपकी मौजूदगी लोगों को प्रभावित करेगी। सेहत थोड़ी कमजोर महसूस हो सकती है।

तुला : आज का दिन आपके लिए उम्मीद से कहीं ज्यादा सकारात्मक साबित हो सकता है। व्यवसाय में पहले से बेहतर परिणाम मिलेंगे और आत्मविश्वास बढ़ेगा।

वृश्चिकः आज आपका जीवन आराम, सुख-सुविधाओं और नई खुशियों से भरता नजर आएगा। बिजनेस में कोई बड़ी डील पार्टनरशिप के जरिए आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

धनुः आज का दिन आपके चेहरे पर मुस्कान बिखेरने वाला रहेगा। जीवनसाथी की ओर से मिला कोई प्यारा सरप्राइज दिल खुश कर देगा। बस आसपास के लोगों की नीयत को समझने में थोड़ी सावधानी रखें।

मकरः आज आपके भीतर कुछ नया और बड़ा करने की इच्छा जागेगी। काम को लेकर आपका अनुशासन और सख्ती आपको समय पर सफलता दिलाएगी।

कुंभः आज का दिन हंसी, मौज-मस्ती और पुराने रिश्तों की मिठास से भरा रहेगा। किसी पुराने दोस्त से अचानक मुलाकात पुरानी यादों को ताजा कर देगी।

मीनः आज आपका मन बार-बार भटक सकता है, लेकिन जरूरी कामों पर फोकस बनाए रखना बेहद जरूरी होगा।

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व किस राज्य में स्थित है?

2) हाल ही में समाचारों में देखे गए प्टेरोसॉर जियोलॉजिकल टाइम स्केल के किस काल में विलुप्त हो गए थे?

3) प्रयागराज में 2025 के महाकुंभ के प्रबंधन के लिए उत्तर प्रदेश में नव घोषित जिले का नाम क्या है?

4) अंग्रेजी समाचार पत्र लीडर की स्थापना किसने की?

5) हाल ही में बड़े आकार के व्यस्क एंटलायन 'पैलपेर्स कंट्रेरियस' को कहाँ देखा गया?

उत्तरमाला- (1) राजस्थान (2) क्रेटेशियस काल (3) महाकुंभ मेला (4) मदन मोहन मालवीय (5) तमिलनाडु

पहेली

शब्द सामर्थ्य -050

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 049 का हल

मुख्यमंत्री साय के सुशासन की परिकल्पना को गांव-गांव मिल रहा जनसमर्थन

कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन का सख्त निर्देश – सीमांकन, पेंशन और राशन कार्ड के आवेदनों का दो दिनों में करें निराकरण

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में संचालित ÷सुशासन तिहार÷ अब जनविश्वास और जनभागीदारी का सशक्त माध्यम बनता जा रहा है। शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने तथा प्रशासन को आमजन के द्वार तक ले जाने की इस अभिनव पहल के अंतर्गत गौरेला-पेन्ड्रा-मरवाही जिला के पेंड्रा विकासखंड के ग्राम पंचायत बम्हनी में जिले का आठवां जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में जहां संवेदनशील कार्यशैली अपनाते हुए मौके पर ही विभिन्न मांगों एवं शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया। शिविर की सबसे विशेष बात यह रही कि कलेक्टर डॉ. संतोष कुमार देवांगन ने स्वयं आवेदकों के नाम पुकारकर उन्हें मंच के समक्ष बुलाया और संबंधित विभागीय अधिकारियों से उनके आवेदनों की वर्तमान स्थिति तथा निराकरण की जानकारी ग्रामीणों के बीच साझा करने को कहा। कलेक्टर ने सीमांकन, पेंशन एवं राशन कार्ड से संबंधित आवेदनों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को दो दिनों के भीतर जांच कर निराकरण सुनिश्चित करने तथा प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि यदि कोई प्रारंभिक सीमांकन से असंतुष्ट है, तो वह नियमानुसार पुनः सीमांकन हेतु कलेक्टर न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को आवश्यकतानुसार नए हैंडपंप खनन एवं खराब हैंडपंपों की त्वरित मरम्मत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वन अधिकार पत्र, ऋष्ठ पुस्तिका से संबंधित आवेदनों पर वन विभाग के अधिकारियों को अधीनस्थ अमले व रिकॉर्ड के साथ शिविर में ही छानबीन कर त्वरित निराकरण करने को कहा गया। इस शिविर में ग्राम पंचायत कोडगार, घाटबहरा, बम्हनी, जिल्दा, खरड़ी, मुरमुर, घघरा, अमाडांड, जाटादेवरी, बसंतपुर, सोनबचरवार, लाटा एवं जमड़ीखुर्द सहित कुल 13 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए।

महिला स्वावलंबन : मुरमुर बनेगा बकरी पालन क्लस्टर

शिविर में बकरी पालन हेतु शेड निर्माण के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त होने पर कलेक्टर ने त्वरित रणनीतिक निर्णय लिया। उन्होंने आजीविका मिशन और जनपद पंचायत के अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम कोडगार में स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा संचालित बकरी पालन की तर्ज पर अब ग्राम पंचायत मुरमुर को भी बकरी पालन क्लस्टर के रूप में विकसित किया जाए, ताकि ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और स्वरोजगार को नया आयाम मिल सके।

सुशासन तिहार बना संबल

ट्राइसाइकिल मिलने से खोमीन कल्लो के जीवन में लौटी आत्मनिर्भरता की मुस्कान

❑ समाज कल्याण विभाग की पहल से अब खुद के दम पर तय कर रही जिंदगी की राह

रायपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार बना संबलः ट्राइसाइकिल मिलने से सुश्री खोमीन कल्लो के जीवन में लौटी आत्मनिर्भरता की मुस्कानकई बार छोटी-सी सहायता किसी व्यक्ति के जीवन में बड़ा बदलाव लेकर आती है। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के ग्राम पंचायत हांडीटोला की रहने वाली 30 वर्षीय दिव्यांग हितग्राही सुश्री खोमीन कल्लो की जिंदगी में भी ऐसा ही सकारात्मक परिवर्तन आया है। बौनापन (शॉर्ट स्टेचर) से प्रभावित सुश्री खोमीन को रोजमर्रा के कार्यों और आने-जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। घर से बाहर निकलना, सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होना या छोटे-छोटे जरूरी काम करना भी उनके लिए चुनौती बन जाता था। 40 प्रतिशत दिव्यांगता से जूझ रही सुश्री खोमीन अक्सर दूसरों पर निर्भर रहने को मजबूर थीं। लेकिन सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर ने उनके जीवन में नई उम्मीद जगा दी। ग्राम पंचायत हांडीटोला में आयोजित शिविर में समाज कल्याण विभाग द्वारा उन्हें ट्राइसाइकिल प्रदान की गई, जिसने उनके जीवन को नई दिशा दे दी। सुश्री खोमीन कल्लो भावुक होकर कहती हैं कि ट्राइसाइकिल मिलने के बाद अब उन्हें अपने दैनिक कार्यों के लिए किसी का इंतजार नहीं करना पड़ता। अब वे आसपास आसानी से आ-जा सकती हैं और आत्मविश्वास के साथ अपने काम खुद करने लगी हैं। उनके चेहरे पर लौट आई मुस्कान इस बात की गवाही देती है कि शासन की योजनाएं जब जरूरतमंदों तक पहुंचती हैं, तो वे केवल सुविधा नहीं बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता भी प्रदान करती हैं। उन्होंने शासन, जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सहायता उनके लिए किसी नई जिंदगी से कम नहीं है। अब वे पहले की तुलना में अधिक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी महसूस कर रही हैं।

शिविरों में त्वरित निराकरण से जरूरतमंदों को मिली बड़ी राहत

पेंशन के 80 आवेदन मौके पर स्वीकृत, दिव्यांग हितग्राही को मिली बैटरी चलित ट्राई सायकिल

रायपुर/नवप्रदेश। सुशासन तिहार 2026 : शिविरों में त्वरित निराकरण से जरूरतमंदों को मिली बड़ी राहतसुशासन तिहार 2026 अंतर्गत प्रदेशभर में आयोजित जन समस्या निवारण शिविर आमजन के लिए राहत और भरोसे का माध्यम बनते जा रहे हैं। शिविरों में प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण कर पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान किया जा रहा है।

जशपुर जिले के जनपद पंचायत पत्थलगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत घरजियाबथान में आयोजित सुशासन शिविर में समाज कल्याण विभाग को पेंशन हेतु प्राप्त 80 आवेदनों का शिविर स्थल पर ही निराकरण किया गया। जांच उपरांत सभी आवेदक पात्र पाए गए, जिससे हितग्राहियों में खुशी का माहौल रहा।

शिविर में दिव्यांग हितग्राही श्री मोहित राम कोरवा को सहायक उपकरण के रूप में बैटरी चलित ट्राई सायकिल प्रदान की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्रीमती गोमती साय उपस्थित रहीं। इसी प्रकार मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में भी सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जन समस्या निवारण शिविरों में छब्ीम्त् सर्वे के वंचित पात्र हितग्राहियों को जनपद पंचायतों के सहयोग से पेंशन स्वीकृति आदेश पत्र वितरित किए जा रहे हैं। प्रशासन की इस पहल से पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ शीघ्रता से मिल रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों में शासन के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है।

सुशासन तिहार के माध्यम से राज्य सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार तथा अंतिम व्यक्ति तक शासन की पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में लगातार कार्य कर रही है।

जनता और प्रशासन के बीच मजबूत विश्वास का माध्यम बन रहा जनसमस्या निवारण शिविर

❑ *नारायणपुर में आयोजित शिविर में ग्रामीणों को मिला शासन की योजनाओं का सीधा लाभ*

❑ *सुशासन तिहार से गांव-गांव तक पहुंच रही सरकार- जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दीपक सिदार*

आवास, राशन कार्ड, श्रम कार्ड, केसीसी ऋण सहित कई योजनाओं का हुआ वितरण

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप सुशासन तिहार के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा लैलूंगा विकासखंड के ग्राम नारायणपुर स्थित हाई स्कूल प्रांगण में सोमवार को शाम 4 बजे से 7 बजे तक जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आसपास के कुल 12 ग्राम पंचायतों के ग्रामीण बड़ी संख्या में शामिल हुए। शिविर में शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया तथा ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर निराकरण किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जहां ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं एवं आवेदन प्रस्तुत किए। विभागीय अधिकारियों द्वारा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा पात्र हितग्राहियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने कहा कि एक ही स्थान पर विभिन्न विभागों की सेवाएं और योजनाओं का लाभ मिलना उनके लिए बेहद सुविधाजनक रहा। शिविर में पहुंचे जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री दीपक सिदार ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार गांव, गरीब, किसान और जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन तिहार केवल एक शिविर नहीं बल्कि शासन और जनता के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। उपाध्यक्ष श्री सिदार ने कहा कि पहले लोगों को छोटी-छोटी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब सरकार स्वयं गांवों तक पहुंचकर समस्याओं का समाधान कर रही है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि आमजन की समस्याओं को पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता के साथ सुनें तथा समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें।

शिविर में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। इनमें एनआरएलएम अंतर्गत 2 फ्लखपति दीदीफ्र का सम्मान किया गया तथा 1 बैंक लिंकेज चेक वितरित किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 5 हितग्राहियों को नए आवास की प्रतिकात्मक चॉबी सौंपी गई। इसके अलावा 5 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 5 हितग्राहियों को आजीविका डबरी, उद्यानिकी विभाग द्वारा 11 फ्लदार पौधों का वितरण, श्रम विभाग द्वारा 2 श्रम कार्ड, 3 वृद्धजनों को छड़ी, आदिम जाति सेवा समिति मर्यादित लिबरा के माध्यम से 2 हितग्राहियों को केसीसी लोन तथा मत्स्य विभाग द्वारा 2 हितग्राहियों को जाल एवं आइस बॉक्स प्रदान किया गया।

स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूती-नवापारा स्वास्थ्य केन्द्र में आधुनिक ऑपरेशन थियेटर का लोकार्पण

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने किया अतिरिक्त वार्ड निर्माण कार्य का भूमिपूजन

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़, सुलभ और जनोन्मुख बनाने की दिशा में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में अंबिकापुर स्थित नवापारा शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित नवीन ऑपरेशन थियेटर का लोकार्पण एवं अतिरिक्त वार्ड निर्माण कार्य का भूमिपूजन संपन्न हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। जिला खनिज न्यास निधि के सहयोग से विकसित इस महत्वपूर्ण परियोजना को क्षेत्र की स्वास्थ्य अधोसंरचना के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) का उपयोग पूरी पारदर्शिता के साथ जनहित की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नवापारा स्वास्थ्य केन्द्र में आधुनिक ऑपरेशन थियेटर और अतिरिक्त वार्ड की स्थापना से विशेष रूप से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी।

नई दिल्ली में आयोजित 'अपनापन' के विमोचन समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज नई दिल्ली स्थित पूसा परिसर में आयोजित केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की पुस्तक 'अपनापन' के विमोचन समारोह में शामिल हुए। यह पुस्तक प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के साथ श्री चौहान के सार्वजनिक जीवन, आत्मीय संबंधों और कार्य अनुभवों पर आधारित है, जिसमें नेतृत्व, जनसेवा और व्यक्तिगत संवेदनाओं को प्रेरक एवं भावनात्मक शैली में प्रस्तुत किया गया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने श्री शिवराज सिंह चौहान को पुस्तक के प्रकाशन पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सार्वजनिक जीवन के अनुभवों को पुस्तक के माध्यम से समाज तक पहुँचाना एक प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास जनप्रतिनिधियों के अनुभवों, कार्यशैली और जनसेवा के मूल्यों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में जनसेवा, सुशासन और संवेदनशील नेतृत्व की नई कार्यसंस्कृति विकसित हुई है। इस पृष्ठभूमि में सार्वजनिक जीवन के अनुभवों पर आधारित यह पुस्तक निश्चित रूप से पाठकों को प्रेरित करेगी तथा नेतृत्व और समाजसेवा के विभिन्न आयामों को समझने का अवसर प्रदान करेगी।

राज्यपाल डेका ने की 'पीएम-जनमन' योजना की समीक्षा

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका आज लोक भवन में श्पीएम-जनमनश् (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान) योजना की प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव तथा सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हैं।

नारायणपुर जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र

बस्तर की बेटियों के लिए शिक्षा और आत्मनिर्भरता की नई उड़ान

❑ केंद्र से पास आउट 90 प्रतिशत छात्राएं दे रही हैं शासकीय व निजी अस्पतालों में सेवाएं

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने और स्थानीय युवाओं को नर्सिंग शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से संचालित जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र आज क्षेत्र में शिक्षा और रोजगार का एक सशक्त माध्यम बन चुका है। यह संस्थान न केवल जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती दे रहा है, बल्कि स्थानीय बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उल्लेखनीय है कि नारायणपुर में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए वर्ष 2014 में सबसे पहले एएनएम प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना की गई थी। बाद में, क्षेत्र की बढ़ती आवश्यकताओं और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए वर्ष 2017 में इस संस्थान का उन्नयन कर इसे जीएनएम प्रशिक्षण केंद्र के रूप में संचालित किया जाने लगा।

वर्तमान में इस प्रशिक्षण केंद्र में कुल 40 सीटों पर प्रवेश की व्यवस्था है, जहां हर साल अक्टूबर- नवंबर माह में नया शैक्षणिक सत्र शुरू होता है। यह 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम है। प्रवेश के लिए अभ्यर्थियों का 12वीं (विज्ञान विषय) उत्तीर्ण होना और न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। ज्ञात हो कि यह केंद्र पूर्णतः आवासीय है, जहां वर्तमान में 108 छात्राएं रहकर पढ़ाई कर रही हैं। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की छात्राओं के लिए शासन द्वारा छात्रवृत्ति (स्कॉलरशिप) की सुविधा भी दी जा रही है। संस्थान की सफलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वर्ष 2017 से लेकर सत्र 2023-24 तक यहाँ से कुल 182 विद्यार्थी सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हो चुके हैं। गर्व की बात यह है कि इनमें से लगभग 90 प्रतिशत विद्यार्थी वर्तमान में विभिन्न शासकीय, अर्धशासकीय एवं निजी चिकित्सा संस्थानों में स्टाफ नर्स के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

उच्च शिक्षा और एम्स में करियर बनाने का मौका

जीएनएम पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद छात्राओं के लिए उच्च शिक्षा के द्वार भी खुले हैं। यहां से उत्तीर्ण छात्राएं आगे बीएससी नर्सिंग में प्रवेश लेकर अपने कौशल को और निखार सकती हैं। इसके बाद वे विभिन्न बड़े अस्पतालों में नर्सिंग ऑफिसर, नर्सिंग ट्यूटर और एम्स जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में सेवाएं देने के लिए पात्र हो जाती हैं। नारायणपुर का यह संस्थान आज स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि बनकर उभरा है। यह न सिर्फ बस्तर के युवाओं को स्वावलंबी बना रहा है, बल्कि अंदरूनी क्षेत्रों के लिए दक्ष स्वास्थ्य कर्मियों की एक नई पीढ़ी भी तैयार कर रहा है।

न्यूज गैलरी

जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन

कांकेर/ नवप्रदेश। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में जिला मुख्यालय कांकेर में 04 मई से 25 मई तक जिला स्तरीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन पीएमश्री शासकीय नरहरदेव खेल मैदान कांकेर में नगर पालिका परिषद कांकेर के अध्यक्ष अरुण कौशिक के मुख्य अतिथि एवं उपाध्यक्ष उत्तम यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। विशिष्ट अतिथि के रूप में पार्षद सलीम मेमन, जिला ओलंपिक संघ कांकेर से अनुपम जोफर एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. लोकेश देव उपस्थित थे।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अरूण कौशिक ने जिला प्रशासन के इस कार्य को सराहनीय बताते हुये कहा कि 21 दिवसीय खेल प्रशिक्षण में जो सिखाया गया, उसे अपने जीवन में आत्मसात करते हुये अपने माता-पिता, शिक्षक एवं जिला व राज्य का नाम रोशन करें। उन्होंने सभी खिलाड़ियों की उज्जवल भविष्य की कामना की। अतिथियों के करकमलों खिलाड़ियों को टी-शर्ट एवं प्रमाण-पत्र प्रदाय किया गया। जिला प्रशासन एवं खेल युवा कल्याण विभाग की ओर से अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।जिला खेल अधिकारी दिनेश कवाची ने बताया कि ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य खिलाड़ियों को विभिन्न खेल गतिविधियों से जोड़कर उनका शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ विभिन्न खेल प्रतियोगिता के लिए तैयार करना था। ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में फुटबॉल, हॉकी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हैण्डबॉल, कराते, खो-खो, वॉलीबॉल, एवं क्रिकेट खेलों को शामिल किया गया, जिसमें 170 पंजीकृत प्रतिभागियों को पीएमश्री शासकीय नरहरदेव खेल मैदान कांकेर एवं जिला खेल परिसर सिंगारभाट कांकेर में प्रशिक्षण दिया गया। मंच संचालन शिक्षक कुशलानंद गजबल्ला द्वारा किया गया।

ईद-उल-जुहा (बकरीद) का अवकाश 27 की जगह 28 को

कांकेर/ नवप्रदेश। राज्य शासन द्वारा 'ईद-उल-जुहा (बकरीद)' के लिए पूर्व में घोषित अवकाश में आंशिक संशोधन करते हुए अब 28 मई दिन गुरुवार को सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व में जारी आदेशानुसार बकरीद के लिए 27 मई दिन बुधवार को अवकाश घोषित किया गया था, जिसमें संशोधन किया गया है।

33 वर्षों की समर्पित सेवा को सलाम शिक्षिका ऊषा विश्वकर्मा का सम्मान

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। विकासखंड शिक्षा कार्यालय दंतेवाड़ा में आज गरिमामयी विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जहां शिक्षा विभाग ने 33 वर्षों तक निष्ठा और समर्पण के साथ सेवाएं देने वाली शिक्षिका श्रीमती ऊषा विश्वकर्मा का सम्मान किया। कार्यक्रम के दौरान पूरे माहौल में भावनात्मक पल देखने को मिले, जब उनके लंबे शिक्षकीय योगदान को याद करते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। जिला शिक्षा अधिकारी श्री प्रमोद ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित इस सम्मान समारोह में विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री संतोष कुमार गुप्ता ने श्रीमती ऊषा विश्वकर्मा को पी.पी.ओ. (पेंशन भुगतान आदेश) प्रदान किया तथा साल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया।

उप निर्वाचन पंचायत प्रथम चरण हेतु पीठासीन एवं मतदान अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। उप निर्वाचन पंचायत प्रथम चरण के अंतर्गत आज जनपद पंचायत कुआकोण्डा सभाकक्ष में पीठासीन अधिकारी तथा मतदान अधिकारी क्रमांक 1 से 3 का प्रथम प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 10:30 बजे प्रारंभ हुआ, जिसमें निर्वाचन कार्य से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारियों को मतदान प्रक्रिया, निर्वाचन संबंधी दायित्वों तथा मतदान सामग्री के उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को मतदान केंद्रों में निष्पक्ष एवं सुचारू मतदान संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

नक्सलियों के डंप हथियार में मिला गोला बारूद, टिफिन और आईईडी

कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र में संयुक्त सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता

कांकेर / नवप्रदेश। बस्तर अंचल में नक्सलियों के समाप्त होने के बाद सुरक्षा बलों को नक्सलियों द्वारा छुपाए गए टिफिन आईईडी बम से लेकर हथियारो का जखीरा मिल रहा है।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान को लगातार प्रभावी रूप से संचालित करते हुए अलग-अलग क्षेत्रों से नक्सल डम्प सामग्री, हथियार एवं विस्फोटक बरामद किया गया है।जिला पुलिस डीआरजी, बीएसएफ एवं बीडीएस टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में अतिरिक्त सतर्कता के साथ सघन सर्चिंग अभियान लगातार जारी है। मिली जानकारी अनुसार सुन्दरराज पी. पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज के निर्देशन में दीपक तिवारी डीआईजी बीएसएफ भानुप्रतापपुर निखिल राखेचा पुलिस अधीक्षक कांकेर एवं रणधीर सिंह गिल सेनानी 40वीं वाहिनी

बीएसएफ कोयलीबेड़ा के मार्गदर्शन में जिले के सीमावर्ती संवेदनशील क्षेत्रों में लगातार नक्सल उन्मूलन अभियान संचालित किया जा रहा है।इसी क्रम में जिला पुलिस, डीआरजी, बीएसएफ एवं बीडीएस टीम के संयुक्त बल द्वारा अलग-अलग क्षेत्रों में संचालित अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक सामग्री एवं दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

25 मई को थाना कोयलीबेड़ा एवं जिला कांकेर-नारायणपुर सीमावर्ती क्षेत्र ग्राम गुमचूर के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में चलाए गए संयुक्त सर्च अभियान के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा नक्सल डम्प सामग्री बरामद की गई।बरामद सामग्री 303 रायफल राउंड 42 नग 7.62 एसएलआर राउंड 75 नग 5.56 रायफल राउंड 21 नग 7.62 एमएम एसएलआर मैग्जीन फिलर 02 स्टील कंटेनर ड्रम 01 नग इलेक्ट्रिक डेटोनेटर 06 नग (01 टूटा हुआ नक्सल साहित्य बरामद किया गया है।इसी प्रकार 25 मई 2026 को थाना परतापुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पदालमस्पी के जंगल-पहाड़ी क्षेत्र में चलाए गए सर्च अभियान के दौरान नक्सल डम्प सामग्री बरामद की गई।बरामद सामग्री देशी मेड पिस्टल 01 नग टिफिन आईईडी 01 नग (लगभग 02किग्रा.)पावर कंट्रोलर 01 नग वायर बैटरी बरामद किया गया है।सर्च अभियान में शामिल टीम संपत टांडिया सउनि डीआरजी टीम कांकेर मैनु भास्कर, प्र.आर. बीडीएस टीम कमांडर शामिल है।सुरक्षा बलों द्वारा बरामद सामग्री को सुरक्षित कब्जे में लेकर नियमानुसार कार्यवाही की गई। कांकेर एवं नारायणपुर पुलिस द्वारा नक्सल प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार संयुक्त अभियान संचालित किया जा रहा है। सुरक्षा बलों की सतत कार्यवाही से नक्सलियों की गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हो रहा है तथा क्षेत्र में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने हेतु सघन सर्चिंग अभियान लगातार जारी रहेगा।

पत्रकारों से दुर्व्यवहार मामला: अंतागढ़ थाना प्रभारी के खिलाफ लामबंद हुए पत्रकार

मीडियाकर्मी का आंदोलन जारी, एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन, 24 घंटे का अल्टीमेटम

अंतागढ़/नवप्रदेश। थाना प्रभारी रमेश जायसवाल द्वारा स्थानीय पत्रकार जावेद खान के साथ कथित रूप से किए गए दुर्व्यवहार और बदसलूकी का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। थाना प्रभारी के इस रवैये से नाराज अंतागढ़ ब्लॉक के समस्त पत्रकारों ने मोर्चा खोल दिया है। इस विरोध प्रदर्शन को व्यापक रूप देते हुए दूसरे दिन 'कांकेर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया संघ' और 'कांकेर प्रेस क्लब' के पदाधिकारियों ने भी अंतागढ़ पहुंचकर स्थानीय पत्रकारों के धरने को अपना पूर्ण समर्थन दिया।

पूर्व में भी आ चुकी हैं शिकायतें

धरना प्रदर्शन के दौरान मीडिया संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि यह कोई पहली घटना नहीं है। पिछले 4-5 महीनों से उक्त थाना प्रभारी द्वारा क्षेत्र के पत्रकारों और थाने में अपनी फरियाद लेकर आने वाले प्रार्थियों

के साथ लगातार अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायतें मिल रही थीं। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को पूर्व में मौखिक रूप से भी अवगत कराया गया था, परंतु कोई उचित कार्रवाई न होने के कारण पत्रकारों को आज आंदोलन का रास्ता चुनने के लिए मजबूर होना पड़ा। पदाधिकारियों ने गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जब समाज के चौथे स्तंभ यानी पत्रकारों के साथ ही पुलिस का ऐसा अमानवीय और दमनकारी व्यवहार है, तो थाने पहुंचने वाली आम जनता और गरीब ग्रामीणों के साथ इनका रवैया कैसा रहता होगा, इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

एसडीओपी को सौंपा ज्ञापन, दी आंदोलन की चेतावनी

मामले की गंभीरता को देखते हुए पत्रकारों के एक प्रतिनिधिमंडल ने अंतागढ़ एसडीओपी से मुलाकात कर उन्हें वस्तुस्थिति से अवगत कराया। पुलिस प्रशासन को **24 घंटे का कड़ा अल्टीमेटम** देते हुए मांग की गई है कि आरोपी थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से अंतागढ़ थाने से हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

यदि प्रशासन द्वारा दिए गए 24 घंटे के भीतर थाना प्रभारी के खिलाफ कोई ठोस कदम नहीं उठाया जाता, तो यह आंदोलन केवल ब्लॉक स्तर तक सीमित नहीं रहेगा। इसके बाद जिला मुख्यालय स्तर पर उग्र आंदोलन किया जाएगा, जिसमें कांकेर जिले और पूरे संभाग के सभी पत्रकार साथी एकजुट होकर शामिल होंगे।

पुलिस प्रशासन ने दिया आश्वासन

दूसरी ओर, पत्रकारों की शिकायत और आक्रोश को देखते हुए एसडीओपी ने पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। उन्होंने पत्रकारों को आश्वस्त किया है कि इस पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच की जाएगी और जल्द से जल्द उक्त थाना प्रभारी के खिलाफ उचित और वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बहरहाल, इस घटना के बाद से क्षेत्र के मीडियाकर्मियों और प्रबुद्ध जनों में पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोश देखा जा रहा है।

साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक सम्पन्न

- **बाढ़ आपदा, बचाव, राहत व्यवस्था कार्य योजना के संबंध में कलेक्टर ने दिए दिशा निर्देश**

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। 26 मई 2026। कलेक्ट्रेट कार्यालय के तृतीय तल सभाकक्ष में कलेक्टर श्री देवेश कुमार की अध्यक्षता में आज साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आहूत की गई। बैठक में आगामी मानसून वर्ष 2026 के संदर्भ में प्राकृतिक आपदा से बचाव एवं राहत व्यवस्था के कार्ययोजना के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई इसके अनुसार अतिवृष्टि एवं बाढ़ की स्थिति में निगरानी रखने एवं बचाव तथा राहत कार्य के लिये जिला मुख्यालय तथा सभी तहसील मुख्यालय में बाढ़ नियंत्रण कक्ष की स्थापना किए जाने, स्थापित कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने, तहसील में हुई प्रतिदिन की वर्षा तथा अतिवृष्टि, बाढ़ से हुई क्षति की जानकारी जिला कंट्रोल रूम में देने, जिले की सभी वर्षा मापक केन्द्रों में वर्षा मापक यंत्रो की स्थापना करने के संबंध में समस्त तहसीलदार जिला कार्यालय, भू-अभिलेख शाखा को विशेष निर्देश दिए गए। इसके अलावा बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में ग्राम पंचायत स्तर पर सूचना केन्द्र की स्थापना, बायोटायलेट की व्यवस्था साफ सफाई, राहत शिविरों, ग्रामों में शुद्ध पानी की व्यवस्था, बाढ़, प्रभावित ग्रामों में बिजली की आपूर्ति,विभिन्न नदी नालों एवं बांध के जल स्तर की रिपोर्टिंग, सड़क पुल पुलियों में साईन बोर्ड, चिकित्सीय तैयारी,खाद्य सामग्रियों की व्यवस्था, आवश्यक व्यवस्था, मुख्यालय में उपस्थिति, रोजगार मूलक कार्यों की स्वीकृति, नाव, मोटरबोट एवं गोताखोरों की व्यवस्था,पोर्टेबल डायविंग पंप एवं यू-हुक प्रणाली व्यवस्था, असुरक्षित पेड़ो की व्यवस्था के संबंध में भी कलेक्टर द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों को आगामी बैठक में कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा।

अग्निवीर भर्ती 2025 में दशरथ भास्कर और संजय कड़की का हुआ चयन

- **जिले में खुशी और गर्व का माहौल**

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। दंतेवाड़ा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर एक बार फिर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। इस क्रम में नियद नेल्लानार पंचायत गामावाड़ा निवासी दशरथ भास्कर तथा ग्राम पंचायत गुटोली निवासी संजय कड़की का चयन अग्निवीर भर्ती 2025 में हुआ है। ज्ञात हो कि जिला प्रशासन द्वारा युवाओं को सेना भर्ती के लिए लगातार प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशासन की पहल पर अग्निवीर भर्ती की तैयारी करने वाले युवाओं को निशुल्क कोचिंग, आवास एवं शारीरिक प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। युवाओं को लिखित परीक्षा, दौड़, शारीरिक दक्षता, मेडिकल परीक्षण सहित अन्य आवश्यक प्रक्रियाओं के लिए विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जाता है। इन सुविधाओं का सकारात्मक परिणाम अब सामने आने लगा है और जिले के युवा लगातार सेना भर्ती में सफलता प्राप्त कर रहे हैं। चयनित युवा दशरथ भास्कर एवं संजय कड़की ने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों और जिला प्रशासन को दिया।

सुशासन तिहार में युवाओं को मिली बड़ी सुविधा, शिविर में बनाए गए लर्निंग लाइसेंस

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। मुख्यमंत्री की मंशानुसार आम नागरिकों तक शासन की योजनाओं और सेवाओं का त्वरित लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से जिले में आयोजित सुशासन तिहार 2026 लगातार लोगों के लिए राहत और सुविधा का माध्यम बनता जा रहा है। जनसमस्या निवारण शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में उत्साह देखा जा रहा है।

इसी क्रम में आयोजित शिविर में परिवहन विभाग द्वारा ग्रामीण युवाओं को लर्निंग लाइसेंस बनाने की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

आज गीदम ब्लॉक के ग्राम पंचायत हितामेटा में आयोजित सुशासन तिहार शिविर में प्रकाश कश्यप, पाकुल राम भोगामी, लक्ष्मण पटनायक, मनीराम पोडियाम सहित अन्य हितग्राहियों के लर्निंग लाइसेंस बनाए गए। लंबे समय से लाइसेंस बनवाने के लिए कार्यालयों के चक्कर लगाने की परेशानी झेल रहे इन हितग्राहियों को शिविर स्थल पर ही त्वरित सुविधा मिलने से उन्होंने जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

उच्च शिक्षा के लिए 51 विद्यार्थियों को मिल रही आर्थिक सहायता

- **कलेक्टर से मिलकर विद्यार्थियों ने जताया आभार**
- **जिला प्रशासन की पहल बनी विद्यार्थियों के सपनों का सहारा**

कांकेर/ नवप्रदेश। जिला प्रशासन कांकेर द्वारा संचालित ÷हमर लक्ष्य÷ योजना आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के उच्च शिक्षा के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। जिला कलेक्टर श्री

निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर के निर्देशन तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी के मार्गदर्शन में जिले के कुल 51 छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त करने हेतु आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जा रही है। शासकीय मदद से उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का एक प्रतिनिधिमंडल सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर और जिला पंचायत सीईओ श्री हरेश मंडावी से मुलाकात कर उच्च शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता के लिए आभार व्यक्त किया। विद्यार्थियों ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा समय पर मिली आर्थिक सहायता ने उनके उच्च शिक्षा के सपनों को नई दिशा प्रदान की है।

कलेक्ट्रेट पहुंचे विद्यार्थियों में एमबीबीएस के एक, बीडीएस के एक, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय (जीजीयू) के चार, शंकराचार्य कॉलेज जुनवानी भिलाई के एक तथा आईआईआईटी के एक छात्र-छात्रा शामिल थे। इसके अलावा बीएससी नर्सिंग की पढ़ाई कर रहे छात्र-छात्राओं में बोधनी देवी नर्सिंग इंस्टीट्यूट जगदलपुर के 10, सृष्टि नर्सिंग कॉलेज रायपुर के 04, भारत इंस्टीट्यूट दानीटोला बालोद के 03 तथा लीलादेवी नर्सिंग कॉलेज मोतीपुर राजनांदगांव सहित कुल 26 विद्यार्थी शामिल थे। विद्यार्थियों ने कहा कि आर्थिक कठिनाइयों के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त करना कई परिवारों के लिए चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा प्रदान की जा रही सहायता राशि उनके लिए संबल का कार्य कर रही है।

पिकअप वाहन समेत 49 नग तेंदु के लट्ठे सहित दो आरोपी गिरफ्तार

अवैध तेंदु लकड़ी तस्करी पर वन विभाग की बड़ी कार्रवाई

पखांजुर/नवप्रदेश। पश्चिम भानुप्रतापपुर वन मंडल अंतर्गत कापसी सामान्य वन परिक्षेत्र में वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तेंदु लकड़ी से भरे एक पिकअप वाहन को जब्त किया है। कार्रवाई के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार कर वन अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

मिली जानकारी के अनुसार मुखबिर से सूचना प्राप्त होने पर वनमंडलाधिकारी एस. नवीन कुमार के मार्गदर्शन में उपवनमंडलाधिकारी एवं कापसी वन परिक्षेत्र अधिकारी के नेतृत्व में वन अमले की टीम ने 26 मई 2026 की देर रात करीब 1:30 बजे वनोपज जांच नाका बड़गांव में घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस दौरान पखांजूर की ओर से आ रहे महिंद्रा पिकअप

वाहन क्रमांक छ्त्त19-क्क-1513 को रोककर जांच की गई। वाहन में अवैध रूप से तेंदु प्रजाति के 49 नग लट्ठे परिवहन किए जा रहे थे। जब्त लकड़ी का कुल आयतन 1.726 घनमीटर बताया गया है। वन विभाग द्वारा परिवहन संबंधी दस्तावेज मांगने पर वाहन चालक कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाया।

कार्रवाई के दौरान आरोपी धीरज हाजरा पिता दिवाकर उम्र 24 वर्ष निवासी पीवी-41 तथा विक्की मांझी पिता शिव मांझी उम्र 22 वर्ष निवासी पीवी-41, थाना पखांजूर, जिला कांकेर को गिरफ्तार किया गया। वन विभाग ने वाहन एवं लकड़ी को जब्त कर भारतीय वन अधिनियम और छत्तीसगढ़ वन उपज नियमों के तहत प्रकरण क्रमांक 05/312/04 दर्ज किया है।

वन विभाग के अनुसार जब्त सामग्री की अनुमानित बाजार कीमत करीब 4 लाख रुपये आंकी गई है। जब्त लकड़ी को विभागीय अभिरक्षा में रखा गया है तथा मामले की आगे जांच जारी है।वन विभाग ने बताया कि क्षेत्र में अवैध कटाई और तस्करी पर रोक लगाने के लिए लगातार गश्त एवं जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस कार्रवाई में उपवनक्षेत्रपाल श्री राम पुजारी, वनरक्षक श्री भागवती वैद्य, श्री नंदकिशोर मण्डावी, श्री भुवेश यादव सहित वनोपज जांच नाका बड़गांव के कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सुशासन तिहार में हितामेटा बना जनसेवा का बड़ा केंद्र, योजनाओं का मिला त्वरित लाभ

- **युवोदय टीम के नुक्कड़ नाटक ने जगाई स्वच्छता की अलख, 359 आवेदन हुए प्राप्त**

दंतेवाड़ा / नवप्रदेश। जिले के गीदम विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत हितामेटा में आयोजित सुशासन तिहार-2026 के जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में ग्रामीणों की भारी सहभागिता देखने को मिली। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आमजनों की समस्याएं सुनकर त्वरित निराकरण की प्रक्रिया अपनाई गई तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही प्रदान किया गया। शिविर में कुल 359 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अनेक आवेदनों का तत्काल

निराकरण भी किया गया।

शिविर के दौरान युवोदय टीम द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। कलाकारों ने स्वच्छता, साफ-सफाई, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए ग्रामीणों को जागरूक किया। नुक्कड़ प्रस्तुति के माध्यम से खुले में कचरा न फैलाने, स्वच्छ पेयजल के उपयोग तथा ग्राम स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने युवाओं की प्रस्तुति की सराहना करते हुए स्वच्छ ग्राम निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया।

बैंक मित्र घर-घर पहुंचकर पेंशन भुगतान व बैंकिंग संबंधी समस्या का कर रहे समाधान

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। स्थानीय समाचार पत्र में प्रकाशित खबर 'पेंशन के लिए सास को 9 किमी पीठ पर लादकर ले गई बहू' के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा जांच के निर्देश दिए गए थे। जांच में समाचार पत्र में प्रकाशित तथ्य भ्रामक एवं गलत पाए गए हैं।

जांच प्रतिवेदन के अनुसार हितग्राही सोमारी जनपद पंचायत मैनपाट के ग्राम जंगलपारा (कुनिया) निवासी हैं तथा उनके घर से संबंधित बैंक की दूरी लगभग 3 किलोमीटर है, जबकि समाचार में 9 किलोमीटर दूरी बताई गई थी। हितग्राही की बहू सुखमनिया द्वारा पहली बार अपनी सास को पीठ पर लादकर बैंक ले जाया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार हितग्राही सोमारी का खाता सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, नर्मदापुर शाखा मैनपाट में संचालित है तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत विगत लगभग 6 वर्षों से 500 रुपये प्रतिमाह वृद्धा पेंशन प्राप्त हो रही है। बैंक मित्र द्वारा प्रत्येक माह गांव में जाकर 40 से 50 हितग्राहियों को भुगतान किया जाता है । सोमारी का भी उनके द्वारा गांव में ही जनवरी 2026 तक भुगतान किया गया था । इसके बाद 5 वर्ष पूर्ण होने से बैंक के नियमों के अनुसार बैंक खाते में ई केव्हाईसी कराया जाना अनिवार्य है । ई केव्हाईसी नहीं कराए जाने से हितग्राही का बैंक अकाउंट डेबिट फ्रीज हो गया था, जिससे बैंक मित्र के द्वारा उसका भुगतान अपने पास उपलब्ध डिवाइस में फिंगर स्कैन नहीं

ले पाने के कारण नहीं किया जा सका। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि यदि परिवार के सदस्यों द्वारा पूर्व में ग्राम पंचायत सचिव, बैंक मित्र अथवा बैंक कर्मचारियों को जानकारी दी जाती, तो वृद्ध महिला को बैंक आने की आवश्यकता नहीं पड़ती। बैंक प्रबंधन द्वारा बैंक कर्मी के माध्यम से गांव में ही आकर ई केव्हाईसी कर दिया जाता। परन्तु इसके विपरीत हितग्राही खुद ही 3 किमी चलकर बैंक पहुंची एवं अपना ईकेव्हाइसी करवाया। साथ ही हितग्राही का मोबाइल नंबर खाते से लिंक एवं फिंगर प्रिंट सत्यापन करवाया गया है। ई- केव्हाइसी होने के उपरांत सोमारी को पेंशन की राशि प्राप्त हो चुकी है और अब पहले की भांति पुन: सोमारी को गांव में ही भुगतान की सुविधा प्राप्त होगी। पूर्व में भी हितग्राही को गांव में ही बैंक मित्र तपेश कुमार के द्वारा यह सुविधा दी जा रही थी। इसी कड़ी में जनपद पंचायत मैनपाट द्वारा सभी सचिवों, रोजगार सहायकों एवं एनआरएलएम कैडर को निर्देशित किया गया है, कि ऐसे हितग्राहियों की पहचान कर बैंक एवं बैंक मित्रों से समन्वय स्थापित करें।

न्यूज गैलरी

नि :शुल्क कैरियर गाइडेंस कार्यशाला प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

मुंगेली/नवप्रदेश। डॉ भीम राव आम्बेडकर शिक्षण संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा डॉ भीमराव अम्बेडकर आवासीय विद्यालय परिसर में जिला स्तरीय 10 वी एवं 12 वी बोर्ड परीक्षा 2026 में 80:से अधिक अंक प्राप्त करने वाले सभी जाति वर्ग के प्रतिभावान छात्रों के लिए एक दिवसीय निःशुल्क कैरियर गाइडेंस कार्यशाला एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 7 जून रविवार को प्रातः 11 बजे से दो सत्र में किया जा रहा है। प्रथम सत्र में कैरियर गाइडेंस एवं द्वितीय सत्र में प्रतिभा सम्मान जिसमें जिले के समस्त शासकीय ध्अशासकीय शालाओं में अध्ययनरत छात्र-छात्रा अपने रिजल्ट के इंटरनेट कॉपी और अपने एक अभिभावक के साथ उपस्थित हो सकते हैं पूर्व से पंजीयन भी करा सकते हैं।विस्तृत जानकारी के लिए संस्था के मो. नम्बर 9303901651 पर संपर्क करें उक्त जानकारी संस्था अध्यक्ष राजेंद्र दिवाकर एवं सचिव एच आर भास्कर ने दी है।

पलानसरी के युवा गुरुदयाल बने युवाओं की प्रेरणा

मुंगेली/नवप्रदेश। जिले के ग्राम पलानसरी के होनहार युवा गुरुदयाल ने इंडियन फॉरेस्ट सर्विस आईएफएस परीक्षा में 105वीं रैंक हासिल कर

जिले का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से गांव सहित पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और युवाओं द्वारा लगातार उन्हें बधाई दी जा रही है। 26 मई को उनके मुंगेली नगर आगमन पर जगह-जगह स्वागत की तैयारी की जा रही है। इसी क्रम में स्वागत शाम 4 बजे अम्बेडकर चौक कलेक्टर आफिस के सामने स्वागत, शाम 4.30 बजे गुरू घासीदास चौंक दाउपारा सामने स्वागत, शाम 5 बजे महराणा प्रताप चौक पडाव चौक स्वागत की तैयारी की गई है। गुरुदयाल ग्राम पलानसरी निवासी सचिव काशीराम के पुत्र हैं। साधारण परिवार में जन्म लेकर सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने कठिन संघर्ष और लगातार मेहनत के बल पर यह मुकाम हासिल किया। ग्रामीणों का कहना है कि गुरुदयाल की सफलता पूरे क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई है।

अवैध कब्जे पर कार्रवाई करने पहुंचा प्रशासन, राजनीतिक दबाव, बैरंग लौटा

मुंगेली/नवप्रदेश। पुराना बस स्टैंड के पास स्थित अपोलो फार्मेसी पर अवैध कब्जे को हटाने पहुंची नगर पालिका और प्रशासनिक टीम को आज भारी फजीहत का सामना करना पड़ा। बिना किसी पुख्ता तैयारी के पहुंची सरकारी अमले की टीम को भारी राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते बिना कोई कार्रवाई किए ही खाली हाथ (बैरंग) वापस लौटना पड़ा।सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रशासन को पुराना बस स्टैंड स्थित अपोलो फार्मेसी द्वारा किए गए अवैध कब्जे की शिकायत मिली थी। इसके बाद आज प्रशासनिक अमला दलबल के साथ मौके पर कार्रवाई करने पहुंचा, जैसे ही टीम ने कार्रवाई शुरू करने की कोशिश की, मौके पर हड़कंप मच गया। देखते ही देखते कुछ रसूखदार और राजनीतिक दलों से जुड़े नेता वहां पहुंच गए। नेताओं ने कार्रवाई का कड़ा विरोध करते हुए अधिकारियों को घेर लिया, टीम बिना किसी तैयारी और योजना के सिर्फ औपचारिकता निभाने आई थी। घंटों चले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे के बाद आखिरकार सरकारी अमला बिना कोई बुलडोजर चलाए या अवैध कब्जा हटाए वापस लौट गया। इस घटना के बाद स्थानीय जनता में प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर गहरा आक्रोश है। लोगों का कहना है कि प्रशासन केवल आम और गरीब दुकानदारों पर ही अपनी ताकत दिखाता है, जबकि रसूखदारों और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त लोगों के आगे घुटने टेक देता है। इस पूरे मामले पर जब प्रशासनिक अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने कहा की नक्शे के अनुसार एवं नजूल भुमि के अनुसार कुछ त्रुटियां है जिनकी जांच के लिए कमेटी का गठन किया गया है रिपोर्ट आने के पश्चात् कार्यवाही की जाएगी।

चोरी मामले में संलिप्त दो आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे जेल दाखिल

लखनपुर/नवप्रदेश। डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा निर्देशन पर सरगुजा पुलिस द्वारा थाने में दर्ज प्रकरणों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़/गिरफ्तारी की कार्यवाही लगातार की जारी है। इसी फेहरिस्त में थाना कोतवाली पुलिस ने चोरी कारनामे को अंजाम देने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक 23/मई/2026 को प्रार्थिया फुलेश्वरी कुजूर पति स्व. महेश्वर कुजूर, निवासी बौरी तालाब काली मंदिर के पास अम्बिकापुर थाना कोतवाली उपस्थित आकर इस आशय का रिपोर्ट दर्ज कराई कि 20/मई/2026 को अपने घर में ताला बंद कर अपने लड़के के साथ जमशेदपुर, झारखण्ड गई हुई थी, दिनांक 23/मई/2026 को जब वह झारखण्ड से वापस अपने घर वापस पहुंची, तो देखी कि घर का सामान बिखरा पड़ा था, और प्रथम तल का बालकनी के पास का दरवाजा का कुण्डी टूटा हुआ था। अपने घर का सामान चेक करने पर अलमारी में रखा 01 सोने का मंगलसूत्र, नाक का नग, 02 सेट चांदी का पायल, 01 नग चांदी का सिक्का, 8000/-रूपये नगद राशि व पैशन प्रो मोटर साइकिल वाहन क्रमांक सीजी 15 डीपी 2058 घर से गायब था आसपास व पड़ोस में पता-तलाश किये जाने पर पता नहीं चला प्रार्थिया के रिपोर्ट पर थाना कोतवाली अम्बिकापुर में अपराध क्रमांक 338/2026 धारा 331(4),305(ए) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

एक दिवसीय कार्यशाला सह स्वच्छता संवाद कार्यक्रम संपन्न

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिला पंचायत सभाकक्ष में आज ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 अंतर्गत एक दिवसीय कार्यशाला सह स्वच्छता संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल एवं जिले के समस्त जिला पंचायत सदस्य, विभिन्न जनपद पंचायतों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष सचिव संघ, सरपंच संघ के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, सचिव संघ के प्रतिनिधि सहित जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विभिन्न तिथियों को जारी अपीलों के अनुपालन में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करना था। कार्यशाला में कचरे के स्रोत पर पृथक्करण, ठोस एवं प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, यूजर्स चार्ज व्यवस्था, बल्क वेस्ट जनरेटर पर नियंत्रण तथा कचरे से आय अर्जन के व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सीईओ विनय कुमार अग्रवाल ने कहा कि स्वच्छता केवल एक सरकारी अभियान नहीं बल्कि समाज की सतत जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गांवों एवं नगरीय क्षेत्रों में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को वैज्ञानिक तरीके से लागू करना वर्तमान समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता है। उन्होंने विभिन्न प्रकार के कचरे की पहचान, पृथक संग्रहण, प्रसंस्करण तथा पुनर्चक्रण की प्रक्रियाओं की जानकारी देते हुए बताया कि कचरे का सही प्रबंधन कर पंचायतें आर्थिक लाभ भी अर्जित कर सकती हैं।सीईओ श्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार का विशेष फोकस स्वच्छता पर है और अब समय आ गया है कि ग्राम पंचायत स्तर पर बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि ग्राम पंचायतों को स्वच्छता के प्रति सशक्त बनाते हुए लोगों में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। उन्होंने पंचायत स्तर पर नियमित वेस्ट कलेक्शन व्यवस्था विकसित करने पर बल दिया तथा कहा कि ग्राम पंचायतों का दायित्व है कि वे इस कार्य को गंभीरता से लेते हुए प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। उन्होंने विकास कार्यों को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों के सहयोग को अत्यंत आवश्यक बताया। कार्यशाला में मुहिम फाउंडेशन द्वारा गांवों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने की दिशा में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण में विभिन्न क्षेत्रों में किए गए सफल प्रयासों, व्यवहारिक अनुभवों तथा सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से स्वच्छता अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने संबंधी महत्वपूर्ण बिंदुओं को प्रतिभागियों के समक्ष साझा किया गया। इस अवसर पर उप संचालक पंचायत सरगुजा द्वारा पंचायत सूचकांक एवं 16वें वित्त आयोग योजना को गुणवत्तापूर्ण बनाने के संबंध में विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। उन्होंने पंचायत स्तर पर योजनाओं के बेहतर संचालन, संसाधनों के समुचित उपयोग, गुणवत्ता आधारित कार्यों तथा सतत निगरानी व्यवस्था पर विस्तार से चर्चा की।

जिले के 55 मेधावी विद्यार्थी सपनों की उड़ान भरने हुए रवाना

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। उज्ज्वल भविष्य एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दिशा में ''ओजस्वी सरगुजा'' के रूप में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। ओजस्वी सरगुजा योजना के अंतर्गत मेधावी विद्यार्थियों को की तैयारी हेतु रायपुर भेजा जा रहा है। शासकीय विद्यालयों के 10वीं बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेरिट आधारित चयनित मेधावी विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सोमवार को रायपुर भेजा गया।

इन विद्यार्थियों को रायपुर स्थित प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान ''एलेन केरियर इंस्टिट्यूट'' में ह्श्वश्वञ्ज एवं छ्वश्वश्व परीक्षा की आवासीय कोचिंग प्रदान की जाएगी। यह पहल जिला खनिज संस्थान न्यास के वित्तीय सहयोग से संचालित होगी। इस हेतु सोमवार को विद्यार्थियों एवं पालकों को रायपुर ले जाने वाली 3 बसों को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि आज का यह अवसर केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि सरगुजा जिले के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला रखने का ऐतिहासिक क्षण है। मुझे अत्यंत प्रसन्नता एवं गर्व हो रहा है कि ओजस्वी सरगुजा जैसी दूरदर्शी परिकल्पना आज वास्तविक स्वरूप ले रही है। आज जिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु रायपुर भेजा जा रहा है, वे आने वाले समय में न केवल अपने परिवार और जिले का नाम रोशन करेंगे, बल्कि छत्तीसगढ़ राज्य की प्रगति में भी महत्वपूर्ण योगदान देंगे। मुझे विश्वास है आने वाले वर्षों में यही बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर एवं राष्ट्र निर्माता बनकर समाज का नेतृत्व करेंगे। कोचिंग हेतु विशेष पिछड़ी जनजाति वर्ग से 5 बच्चे भी चयनित गए हैं। यह केवल चयन नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त संदेश है। दूरस्थ वनांचल एवं सीमित संसाधनों के बीच से निकलकर इन्होंने यह सिद्ध कर दिया है कि प्रतिभा परिस्थितियों की मोहताज नहीं होती।

हत्याकांड के विरोध में शिवसेना ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

कोतमा/अनूपपुर/नवप्रदेश। शिवसेना ने बिजुरी युवती हत्याकांड, गवाह अमन यादव की संदिग्ध मौत और रीवा में दो जैन साध्वियों की हत्या के विरोध में शनिवार को कोतमा एसडीएम के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। यह ज्ञापन शहडोल संभाग अध्यक्ष पवन पटेल के निर्देश पर जिला अध्यक्ष राजेश महाराणा के नेतृत्व में दिया गया।ज्ञापन में बिजुरी में 20 वर्षीय युवती की हत्या के बाद मामले के एकमात्र गवाह 17 वर्षीय अमन यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत पर गंभीर सवाल उठाए गए। वहीं रीवा

में कार से कुचलकर दो जैन साध्वियों की हत्या की घटना को भी कानून व्यवस्था की बड़ी विफलता बताया गया।जिला अध्यक्ष राजेश महाराणा ने आरोप लगाया कि बिजुरी थाना प्रभारी विकास सिंह के कार्यकाल में क्षेत्र में अपराध लगातार बढ़े हैं और आम नागरिकों के साथ गवाह भी सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने राज्यपाल से थाना प्रभारी को तत्काल हटाने तथा दोनों मामलों की सीबीआई जांच हाईकोर्ट के सीटिंग जज की निगरानी में कराने की मांग की। शिवसेना ने ज्ञापन में दोनों मामलों के आरोपियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट से तीन माह के भीतर मृत्युदंड देने, गवाह अमन यादव की मौत की सीबीआई जांच, पीड़ित परिवारों को 50-50 लाख रुपये मुआवजा व सरकारी नौकरी तथा मध्यप्रदेश में 'संत सुरक्षा अधिनियम' लागू करने की मांग भी रखी। इस दौरान नगर अध्यक्ष बरकत कुरैशी, त्रिदेव महाराणा, दुर्गेश चौधरी, भूपेंद्र सिंह और महेंद्र यादव सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कंवर समाज के नवनिर्मित सामाजिक भवन का हुआ लोकार्पण

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने आज सरगुजा जिले के ग्राम देवगढ़ उदयपुर में कंवर समाज विकास समिति, सरगुजा के तत्वावधान में नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में समाजजन, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि

समाज की एकता, संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने में ऐसे सामाजिक भवनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि यह भवन केवल एक संरचना नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, सामुदायिक सहयोग और सांस्कृतिक जागरूकता का जीवंत केंद्र बनेगा।

ब्लैक स्पॉट वाले चिन्हांकित स्थानों में आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई के निर्देश

***जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश।** कलेक्टर जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और नागरिकों को यातायात नियमों का पालन करने और जागरूक करने के लिए किए जा रहे कार्यों और गतिविधियों की समीक्षा की।*

कलेक्टर ने कहा कि सड़क सुरक्षा मानकों का पालन न करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। साथ ही हेलमेट, सीट बेल्ट, ओवरलोडिंग और तेज गति जैसे मामलों में विशेष अभियान चलाने कहा। उन्होंने जिले में चिन्हांकित डार्क स्पॉट और ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों का सुधारात्मक कार्य प्राथमिकता से करने के निर्देश दिए। साथ ही इन स्थानों पर संकेतक, लाइटिंग, स्पीड ब्रेकर एवं अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाएंगे, ताकि दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर पूर्व में दुर्घटनाएं हो चुकी हैं या जहां दुर्घटनाओं की संभावनाएं अधिक हैं, वहां विशेष सतर्कता बरतते हुए मरम्मत और सुधार कार्य समयबद्ध तरीके से पूरे करें। बैठक में कलेक्टर श्री महोबे ने ब्लैक स्पॉट के रूप में चिह्नित किए गए ऐसे स्थलों पर जहां सड़क दुर्घटनाओं में अधिक मृत्यु या गंभीर रूप से घायल होने अथवा संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने के लिए पुलिस विभाग, लोक निर्माण विभाग, और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने आरटीओ को निर्देशित किया कि वाहनो की जांच सतत रूप से करें। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को गोल्डन ऑवर पर एम्बूलेंस एवं स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने राहवीर योजना एवं प्रधानमंत्री राहत योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार करने कहा। राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल पहुंचाकर मदद करने वाले नागरिक को प्रोत्साहन राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। बैठक में अपर कलेक्टर ज्ञानेंद्र सिंह ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उदयन बेहार, अपर कलेक्टर आर के तंबोली, जिला परिवहन अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला सरगुजा छ.ग.
- ईश्तहार -

लखनपुर दिनांक 19.05.2026

एतद् द्वारा आम जनता ग्राम कंटिदा को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमलसाय की पत्नी सालो की मृत्यु दिनांक 30.08.24 को ग्राम कंटिदा की मृत्यु होना बताते हुए जन्म / मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ.ग. जन्म मृत्यु रजि. नियम 2001 के नियम 9 नियत (3) के तहत मृत्यु प्रमाण पत्र हेतू आवेदक इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 04.06.2026 को सुनवाई की जानी है।

आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में किसी को कोई आपत्ति हो तो वो न्यायालय की पेशी 04.06.2026 तक अपना दावा / आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

मुहर

तहसीलदार
लखनपुर

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला-सरगुजा छ.ग.
ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 20.05.2026

समस्त ग्रामवासी
ग्राम- खुटिया
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुखलसाय आ. दलसाय निवासी ग्राम खुटिया तहसील लखनपुर के द्वारा अपने (बड़े पिता स्व. मनबोध की मृत्यु दिनांक 20.10.2008 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज. नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 4-6-26 को सुनवाई की जानी है ।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 04.06.2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है । नियत दिनांक के पश्चात् प्रप्ति होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा ।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
लखनपुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार लखनपुर
जिला-सरगुजा छ.ग.
ईश्तहार

लखनपुर दिनांक 20.05.2026

समस्त ग्रामवासी
ग्राम- खुटिया
तहसील-लखनपुर

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक पुरनदास आ. जगतराम निवासी ग्राम खुटिया तहसील लखनपुर के द्वारा अपने नाना स्व. जगत राम की मृत्यु दिनांक 20.10.2008 को हो जाने से (जन्म-मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 13 (3) एवं छ0ग0 जन्म मृत्यु रिज. नियम 2001 के नियम 9 (3) के तहत मृत्यु प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है जिस पर दिनांक 4-6-26 को सुनवाई की जानी है ।

आवेदक/आवेदिका के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेशी तिथी 04.06.2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है । नियत दिनांक के पश्चात् प्रप्ति होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा ।

मुहर

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
लखनपुर जिला-सरगुजा (छ.ग.)

//समक्ष श्रीमान् नोटरी महोदय कांकेर, जिला उ.ब. कांकेर छ.ग.//

// शपथ-पत्र //

मैं शपथकर्ता **गोमती मंडावी (GOMTI MANDAVI), पति-श्यामलाल मंडावी (SHYAMLAL MANDAVI)**, उम्र-46 वर्ष, निवासी-29, शीतला चौक, मावलीपारा, पोस्ट-मावलीपारा, तहसील-सरोना, जिला-उ.ब. कांकेर (छ.ग.) 494335 की हूं जो कि निम्नलिखित कथन शपथपूर्वक करती हूं कि -

01. यह कि, मैं दर्शित पते पर निवास करती हूं।
02. यह कि, मेरे नाम से जारी आधार कार्ड क्रमांक-3865 7483 3758 में मेरा जन्मतिथि-**01/01/1979**, अंकित है। जो त्रुटिपूर्ण दर्ज हो गया है।
03. यह कि, मेरे जन्म प्रमाण पत्र में वास्तविक व सही जन्मतिथि-**30/10/1979** है, जो सत्य एवं सही है।
04. यह कि, मेरा सही व वास्तविक जन्मतिथि-**30/10/1979** को शासकीय गजट में प्रकाशन करवाने बाबत् आवश्यक दस्तावेजों के साथ यह शपथ पत्र प्रस्तुत है।

स्थान - कांकेर,
दिनांक -25.05.2026 **शपथकर्ता**

- सत्यापन -

मैं शपथकर्ता यह सत्यापित करती हूं कि कंडिका 01 से 04 तक में दिये गये कथन मेरे निजी ज्ञान एवं विश्वास से सही है जिसे मुकाम कांकेर में आज दिनांक 25.05.2026 को पढ़कर, समझकर अपना हस्ताक्षर सत्यापित कर दिया/दी हूं।

शपथकर्ता
गोमती मंडावी

कार्यालय नगरपालिका परिषद् बीजापुर, जिला-बीजापुर (छ.ग.)

क्रमांक/128/राज.शा./न.पा.परि./2026-27 बीजापुर, दिनांक 06/05/2026

- नामांतरण सूचना -

सर्वसाधारण एतद् द्वारा सूचित किया जाता है, कि नीचे दर्शित आवेदक के सम्मुख उल्लेखित दुकान का आबंटिती की मृत्यु हो जाने के दशा में इनके वारिस के नाम से नामांतरण किये जाने आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

क्र.	आबंटिती का नाम (मृतक)	जिनके नाम से नामांतरण होना है (वारिस)	दुकान जहां स्थित है	दुकान क्रमांक
01	शेख अब्दुल्ला खान पिता हाफिज नन्जू खान	जरीना खान पिता स्व. शेख अब्दुल्ला खान	इंदिरा मार्केट दुकान	19

उपरोक्तानुसार उक्त दुकान का नामांतरण हेतु आवेदन के संबंध में किसी प्रकार की कोई दावा/आपत्ति सुझाव हो तो सूचना प्रकाशन के दिनांक से 30 दिवस के भीतर कार्यालय में लिखित में प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय-सीमा पश्चात प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बीजापुर
जिला-बीजापुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पंचायत - लखनपुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)

Ph. 07774-261501 email - cmolakhanpur@gmail.com

क्रमांक /688/ लो.नि./ न.पं./2026-27 **लखनपुर, दिनांक 25.05.2026**

द्वितीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नगर पंचायत लखनपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है-

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
191595	24.46	12200/-	**25.05.2026** After 17.30 PM	**09.06.2026** Before 17.30 PM	**12.06.2026** Before 14.00 PM	**12.06.2026** After 15.00 PM

टीप- 01. उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्तें धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेत व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https:cgeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
02. विज्ञापन की प्रति https:cg.uad.gov.in में देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत लखनपुर
जिला-सरगुजा (छ.ग.)

दाउपारा चौक से कलेक्टर निवास तक बन रहा फुटपाथ पहली ही नजर में गुणवत्ता विहीन

मुंगेली/नवप्रदेश। दाउपारा चौंक से लेकर कलेक्टर निवास तक सडक किनारें फुटपाथ निर्माण कार्य 15वें वित्त से कराया जा रहा है लगभग 2 किलोमीटर बन रहे इस फुटपाथ कि अनुबंधित राशि 51 लाख रू. है इस निर्माण को पिछले माह के 30 मार्च से कार्यादेश दिया गया है। जो प्रथम दृष्टिया गुणवत्ता विहिन प्रतीत हो रही है बेस डालने के लिए किए गए गड्ढों में पानी पर्याप्त मात्रा में नही डाला गया है गिट्टी का बेस डाल कर भी पानी का छिडकाव नहीं किया गया है, इस निर्माण मे उपयोग किए जा रहे सामग्री भी गुणवत्ता विहीन है, रेत भी मिट्टी मिली हुई है इस तपती गर्मी में प्र्याप्त पानी की व्यवस्था नही होने के कारण बेस डालने के बाद पानी भी नही डाला गया है जिससे पकड मजबुत नहीं बनी है।

शहर के दाउपारा चौक से लेकर कलेक्टर निवास तक सड़क किनारे बनाए जा रहे फुटपाथ निर्माण में बड़े पैमाने पर लापरवाही और गुणवत्ता से समझौते का मामला सामने आया है। लगभग 2 किलोमीटर लंबे इस फुटपाथ का निर्माण 15वें वित्त आयोग की राशि से कराया जा रहा है, जिसकी अनुबंधित राशि लगभग 51 लाख रुपए है। लेकिन शुरुआती काम को देखकर ही इसके टिकाऊ होने पर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। तपती गर्मी में पानी नदारद, बिना तराई के काम हो रहा है, इस निर्माण कार्य के लिए पिछले महीने की 30 मार्च को कार्यादेश जारी किया गया था। वर्तमान में पड़ रही भीषण और तपती गर्मी के बावजूद निर्माण स्थल पर पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई है। गड्ढों में पानी नहीं डाला जाता, बेस तैयार करने के लिए जो गड्ढे खोदे गए, उनमें

पर्याप्त पानी नहीं डाला गया। सूखी गिट्टी पर काम चालु है, गिट्टी का बेस डालने के बाद भी नियमों के मुताबिक पानी का छिड़काव नहीं किया गया। मजबूती पर अभी से संकट नजर आने लगा है कंक्रीट और बेस को मजबूती देने के लिए पानी की तराई सबसे जरूरी होती है, लेकिन पानी न मिलने के कारण फुटपाथ की पकड़ बेहद कमजोर नजर आ रही है, मिट्टी मिली रेत का इस्तेमाल हो रहा है इस 51 लाख रुपए की लागत वाले प्रोजेक्ट में उपयोग की जा रही निर्माण सामग्री भी बेहद घटिया स्तर की है। मौके पर निर्माण के लिए जो रेत डंप की गई है, उसमें अत्यधिक मात्रा में मिट्टी मिली हुई है, तकनीकी जानकारों के मुताबिक, मिट्टी युक्त रेत का उपयोग करने से कंक्रीट की उम्र आधी हो जाती है और कुछ ही समय में निर्माण टूटने लगता है। एक तरफ जहां यह मार्ग सीधे जिले के सर्वोच्च अधिकारी (कलेक्ट्रेट निवास) की ओर जाता है, वहीं दूसरी तरफ अधिकारियों की नाक के नीचे ही ठेकेदार द्वारा इस तरह की गुणवत्ता विहीन सामग्री और कार्यप्रणाली का उपयोग किया जाना कई तरह के संदेह पैदा करता है। इस तपती गर्मी में हो रहे निर्माण कार्य की तुरंत तकनीकी जांच कराई जाए और तराई (पानी छिड़काव) की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के बाद ही काम को आगे बढ़ाया जाए, ताकि जनता के टैक्स के पैसे की बर्बादी को रोका जा सके।

घटिया निर्माण पर तत्काल कार्यवाही किया जाएगा

विकास कार्यो में कोताही नही बरती जाएगी, घटिया निर्माण पर तत्काल कार्यवाही किया जाएगा।

होरी सिंह ठाकुर, नगरपालिका सीमओ मुंगेली

न्यूज गैलरी

जिला चिकित्सालय में 28 मई को होगा मेडिकल बोर्ड

मुंगेली/नवप्रदेश। जिला चिकित्सालय में आयोजित होने वाले जिला मेडिकल बोर्ड की तिथि में संशोधन किया गया है। शारीरिक योग्यता प्रमाण पत्र मेडिकल फिटनेस हेतु प्रत्येक बुधवार को आयोजित होने वाला मेडिकल बोर्ड इस बार शासकीय अवकाश के कारण गुरुवार 28 मई को आयोजित किया जाएगा। इसके तहत 28 मई को सुबह 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक पंजीयन किया जाएगा। संबंधित आवेदकों से निर्धारित समय पर उपस्थित होने तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ पंजीयन कराने कहा है।

अवैध खनिज परिवहन एवं भंडारण पर खनिज विभाग की बड़ी कार्रवाई

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत के निर्देश पर जिले में खनिज विभाग द्वारा अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। खनिज अधिकारी अनिल कुमार साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते तीन दिनों के भीतर सीतापुर एवं लखनपुर तहसील क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध भंडारण स्थलों और वाहनों पर कार्यवाही की गई। सीतापुर तहसील अंतर्गत ग्राम प्रतापगढ़, खड़ादोरना, भवराडाड एवं आमाटोली क्षेत्र में जांच के दौरान गौण खनिज रेत के अवैध भंडारण के छह मामलों में नियमानुसार कार्रवाई की गई। संबंधित भंडारणकर्ताओं को मौके पर नोटिस जारी किया गया। वहीं ग्राम आमादरहा क्षेत्र में एक अवैध ईंट मिट्टी एवं कोयला भंडारण पाए जाने पर भी भण्डारणकर्ता को नोटिस जारी किया गया। विभाग द्वारा अवैध रेत परिवहन करते पाए गए तीन ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर थाना सीतापुर की अभिरक्षा में सौंप दिया है। इसी कड़ी में 24 मई 2026 को लखनपुर तहसील के ग्राम भौराडांड में जांच के दौरान अवैध रेत परिवहन करते हुए दो ट्रैक्टर एवं दो टीपर वाहन पकड़े गए। साथ ही अवैध ईंट मिट्टी परिवहन में लगे एक ट्रैक्टर वाहन को भी जप्त कर थाना लखनपुर की अभिरक्षा में सौंपा गया। उन्होंने बताया कि सभी प्रकरणों में खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21(4) एवं एमएमडीआर की धारा 21(5) एवं 23 तथा छ.ग. खनिज (खनन, परिवहन तथा भंडारण) नियम 2009 के तहत कार्यवाही प्रस्तावित की गई है। इस प्रकार अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध विभाग की कार्यवाही आगे भी लगातार जारी रहेगी।

कार चालक ने बाईक को पीछे से ठोंका दो की मौत, जांच में जुटी पुलिस

लखनपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय राजमार्ग 130 अम्बिकापुर बिलासपुर मुख्य मार्ग में हादसों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। इसी कड़ी में बीते 24 मई की रात करीब साढ़े नौ बजे एक कार चालक ने अपने आगे जा रहे मोटरसाइकिल को पीछे से जबरदस्त ठोकर मार दिया जिससे दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक जयसिंह वल्द बेसाहू सिंह उम्र 56 वर्ष अपने सहयात्री रामकुमार सिंह वल्द सरनाम सिंह 65 वर्ष साकिन ग्राम महुआ टिकरा थाना दरिमा 24 मई दिन रविवार को अपने रिस्तेदारी के प्रीति भोज कार्यक्रम में ग्राम जेजगा थाना लखनपुर आये थे। गृह ग्राम लौटते वक्त मंदिर के समीप रात साढ़े नौ बजे बिलासपुर के ओर से आ रहे कार के चालक ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाइक को पीछे से जबरदस्त तरीके से ठोकर मार दिया। जिससे मोटरसाइकिल में सफर कर रहे दोनों सवार गीरकर गभीर रूप से जख्मी हो गये स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस के जरिए से घायलों को लखनपुर अस्पताल भिजवाया। जहां डाक्टरों ने जांचोपरांत दोनों को मृत घोषित कर दिया। परिवार वालों के सूचना पर लखनपुर पुलिस अस्पताल पहुंच मुआइना करते हुए दोनों के शवों को मरच्यरी में रखवाया। देर रात होने कारण 25 मई सोमवार को पोस्टमार्टम करा परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। मर्ग कायम कर पंचनामा कार्यवाही में लिया है। इस घटना से परिवार वाले सदमे में हैं।

शिवांगी को नोनी सशक्तिकरण योजना से मिली आर्थिक सहायता

बिलासपुर/नवप्रदेश। जीवन में आगे बढ़ने का सपना हर युवा देखता है, लेकिन कई बार आर्थिक परिस्थितियां इन सपनों के रास्ते में बड़ी बाधा बन जाती हैं। ऐसे ही संघर्षों के बीच अपने भविष्य को संवारने का प्रयास कर रही कुडूदंड निवासी शिवांगी के लिए सुशासन तिहार उम्मीद की नई किरण बनकर आया, यहां शिवांगी को नोनी सशक्तिकरण योजना के तहत बीस हजार की आर्थिक सहायता मिली, इस सहायता के लिए शिवांगी ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।मंगला में आयोजित समाधान शिविर में श्रम विभाग द्वारा मुख्यमंत्री नोनी सशक्तिकरण सहायता योजना के तहत शिवांगी को 20 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी गई। यह सहायता राशि तखतपुर विधायक धर्मजीत सिंह एवं बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला द्वारा उन्हें प्रदान की गई। शिवांगी एक साधारण श्रमिक परिवार से हैं। उनके माता-पिता रोजी-मजदूरी कर किसी तरह परिवार का पालन-पोषण करते हैं। सीमित आय के कारण घर की आवश्यक जरूरतों को पूरा करना ही परिवार के लिए चुनौती बना रहता है। इसके बावजूद शिवांगी ने पढ़ाई जारी रखने का संकल्प नहीं छोड़ा। वर्तमान में वह कॉलेज में अध्ययनरत हैं और अपने सपनों को पूरा करने के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से आमजन को मिलेगा बेहतर उपचार : मंत्री अग्रवाल

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने सोमवार को शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नवापारा में नवीन ऑपरेशन थियेटर का लोकार्पण एवं अतिरिक्त वार्ड निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ फंड) से निर्मित इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य अधोसंरचना परियोजना को क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य केवल स्वास्थ्य भवनों का निर्माण करना नहीं, बल्कि आमजन को गुणवत्तापूर्ण, सुलभ और समय पर उपचार सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए लगातार कार्य कर रही है और डीएमएफ फंड का उपयोग जनहित से जुड़े कार्यों में प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है।

मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि नवापारा शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ऑपरेशन थियेटर और अतिरिक्त वार्ड की स्थापना से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को नई मजबूती मिलेगी। इससे जरूरतमंद मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर उपचार उपलब्ध होगा तथा गंभीर परिस्थितियों में बड़े अस्पतालों पर निर्भरता भी कम होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है और प्रदेश के प्रत्येक नागरिक तक बेहतर चिकित्सा सुविधा पहुंचाना शासन की प्रतिबद्धता है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के सभापति हरमिन्दर सिंह (टिन्नी), कलेक्टर श्री अजीत बसंत, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय अग्रवाल तथा नगर पालिक निगम अम्बिकापुर के आयुक्त डी.एन. कश्यप सहित स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को, सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. पुष्पेन्द्र राम, शहरी कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. सीमा तिग्गा, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. शीला नेताम, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सृष्टि पाण्डेय, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. आशा बसंल, ओ.टी. स्टॉफ नर्स नीतु एक्का एवं दीपशीला रंजन सहित स्वास्थ्य केन्द्र के अधिकारी-कर्मचारी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों द्वारा फीता काटकर नवीन ऑपरेशन थियेटर का लोकार्पण किया गया तथा अतिरिक्त वार्ड निर्माण कार्य का विधिवत भूमिपूजन एवं शिलालेख का अनावरण किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, अस्पताल की क्षमता वृद्धि तथा मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग की सराहना करते हुए कहा कि कलेक्टर श्री अजीत बसंत के मार्गदर्शन में डीएमएफ फंड का उपयोग जनकल्याणकारी कार्यों में प्रभावी रूप से किया जा रहा है।

जिले में खाद वितरण की होगी नियमित मॉनिटरिंग

मुंगेली/नवप्रदेश। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित एनआईसी कक्ष में जिले में खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था को लेकर समीक्षा बैठक ली। उन्होंने जिले में किसानों को निर्धारित मूल्य पर समय में खाद-बीज उपलब्ध कराने, भंडारण, परिवहन एवं वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के संबंध में विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

कलेक्टर ने सहकारिता विभाग के माध्यम से रासायनिक उर्वरक वितरण की समीक्षा करते हुए कृषकों को खाद उपलब्धता की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जिले के सहकारी एवं निजी उर्वरक केंद्रों में खाद-बीज के भंडारण, उपलब्धता एवं वितरण की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि खाद-बीज वितरण व्यवस्था की कंट्रोल रूम के माध्यम से भी नियमित निगरानी की जाए तथा किसानों को निर्धारित दर पर ही उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। किसी भी प्रकार की शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को समय पर और पारदर्शी तरीके से खाद-बीज उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। वितरण व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी नियमित निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि शासन के निर्देशों का पूरी गंभीरता से पालन हो। उन्होंने अधिकारियों को खाद वितरण व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग करने तथा जिले में खाद-बीज की कालाबाजारी रोकने के लिए प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उर्वरक केंद्रों में वितरण के साथ-साथ पर्याप्त भंडारण बनाए रखने पर भी जोर दिया गया।

कांग्रेसियों ने झीरम शहीदों को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

लखनपुर/नवप्रदेश। झीरम घाटी में हुये नरसंहार को तकरीबन 13 साल बीत गये लेकिन घाटी का रक्तरंजित मंजर कांग्रेसियों के स्मृति में आज भी जिंदा है अधूरा न्याय और भयावह मंजर को भूल नहीं पाए।उस अप्रत्याशित खौफनाक घटना तथा नेताओं के बलिदान को याद करते हुये ब्लाक कांग्रेस कमेटी लखनपुर में 25 मई दिन सोमवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर ब्लाक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित सिंह देव के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने झीरम घाटी में शहीद हुये कांग्रेस के शीर्ष

नेताओं कार्यकर्ताओं के शहादत को याद करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किये। दरअसल 25 मई 2013 को दौरान परिवर्तन यात्रा के कांग्रेसी काफिले पर नक्सलियों ने हमला कर 32 लोगों को गोलियों से भून कर हलाक कर दिया था जिसमें तत्कालीन कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नंदकुमार पटेल पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला बस्तर टाइगर पूर्व नेता प्रतिपक्ष महेंद्र कर्मा उदयमुदिलयार दिनेश पटेल सहित अन्य नेता सुरक्षा कर्मी शामिल थे सभी शहिदों के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किये। दरअसल परिवर्तन यात्रा के दौरान सुकमा के झीरम घाटी में कांग्रेस के कई बड़े चेहरे दिग्गज कांग्रेसी नेता सुरक्षा कर्मी नक्सलियों के निशाने पर शहीद हो गए थे उन तमाम हस्तियों को श्रद्धांजलि देने के बाद कांग्रेसियों ने दो मिनट का मौन भी रखा।

बिलासपुर में गठित हुई नई क्षेत्रीय कार्यकारिणी

मुंगेली/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ की

प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में रविकांत ठाकुर मुंगेली को क्षेत्रीय महामंत्री बनाया गया। प्रियदर्शिनी कला मंदिर, इंदिरा विहार कॉलोनी, बिलासपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ बिजली कर्मचारी संघ महासंघ की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के उपरांत बिलासपुर क्षेत्र की नई क्षेत्रीय कार्यकारिणी का गठन आगामी दो वर्षों के लिए सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारिणी का गठन प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में रामायण प्रसाद सूर्यवंशी बिलासपुर को क्षेत्रीय अध्यक्ष, काशी राव गाढ़े, बिलासपुर को कार्यकारी अध्यक्ष, रविकांत ठाकुर, मुंगेली को क्षेत्रीय महामंत्री, यशवंत कुमार राठौर, कोरबा को क्षेत्रीय संयुक्त महामंत्री, रामेश्वर दास मानिकपुरी, बिलासपुर को कोषाध्यक्ष तथा अमित तिवारी, बिलासपुर को कार्यालय मंत्री निर्वाचित किया गया। क्षेत्रीय संगठन मंत्री के रूप में रामानंद शर्मा, बिलासपुर एवं अमर सिंह साहू, बिलासपुर का चयन किया गया। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष पद पर सचिन क्षत्री बिलासपुर, कु. कविता विश्वकर्मा बिलासपुर, अजय मिश्रा कोरबा, श्रीमती प्रतिभा पटेल कोरबा एवं पुलक सरकार मुंगेली को मनोनीत किया गया। इसी प्रकार क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्यों में राजदेव सिंह कोरबा, दिनेश कुमार सिंगसार मुंगेली, प्रमोद सिंह बिलासपुर, चंद्रमणि राठौर बिलासपुर, हेमंत कुमार मानसर पेंड्रारोड, अमजद अली तखतपुर, रामचंद्र मिरी कोटा, हिमांशु राय बिलासपुर, कृष्णा राव बिलासपुर, शैलेन्द्र उरमलिया बिलासपुर, रवि शंकर कौशिक बिलासपुर, हरीश श्रीवास पेंड्रारोड, सुमेश सिंह बिलासपुर, अर्जुन साहू बिलासपुर को सम्मिलित किया गया।

देशी शराब सहित एक आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। घर के पैरावट में देशी शराब की अवैध बिक्री करने वाले आरोपी को पचपेड़ी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी से 41 पाव 7.380 लीटर देशी प्लान शराब जब्त किया है। पुलिस के अनुसार उमनि व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देशन में जिले में अवैध शराब का रखने एवं बिक्री करने वालों के ऊपर अंकुश लगाने व उनके विरुद्ध त्वरित कार्यवाही करने के अनुक्रम में थाना पचपेड़ी पुलिस के द्वारा 25.05 2026 को मुखबिर सूचना पर मुखबिर के बताए स्थान ग्राम जलसों में जाकर गवाहों के साथ घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया आरोपी समीर कुर्रे अपने घर आगन के पैरावट में छुपा कर रखे 41 पाव देशी प्लेन मदिरा कुल 7.380 लीटर कीमती 3280/ रुपये को की बरामद किया गया । आरोपी समीर ने शराब रखने के संबंध में कोई वैध दस्तावेज पेश नही कर पाया कि उक्त शराब को जप्त कर पुलिस कब्जा में लिया गया तथा आरोपी समीर कुर्रे पिता धनीराम कुर्रे उम्र 19 वर्ष निवासी ग्राम जलसों पचपेडी का कृत्य धारा 34 (2) आबकारी एक्ट का अपराध घटित करना पाए जाने पर गिरफ्तारी किया गया है।

राजपूत क्षत्रीय समाज का भविष्य निर्माण मार्गदर्शन कार्यक्रम संपन्न

मुंगेली/नवप्रदेश। राजपूत क्षत्रीय समाज मुंगेली परिक्षेत्र द्वारा आयोजित भविष्य निर्माण मार्गदर्शन एवं प्रेरणा कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में शिक्षा, करियर चयन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थी, अभिभावक, सामाजिक पदाधिकारी तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विशेषज्ञ वक्ताओं एवं मार्गदर्शकों ने

विद्यार्थियों को 12वीं के बाद उपलब्ध विभिन्न करियर विकल्पों, उच्च शिक्षा के अवसरों तथा बदलते समय के अनुसार सही दिशा चुनने की आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। मार्गदर्शन सत्र में इंजीनियरिंग, मेडिकल, कॉमर्स, लॉ, डिजाइन, प्रतियोगी परीक्षाओं एवं शासकीय सेवाओं सहित अनेक क्षेत्रों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण, समय प्रबंधन, आत्मविश्वास निर्माण एवं सफलता के मूलमंत्र बताए गए। जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का आत्मविश्वास के साथ सामना कर सकें। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में 80 प्रतिशत अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले 40 मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह रहा। सम्मानित विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो एवं शुभकामनाएं प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। इस सम्मान समारोह ने अन्य विद्यार्थियों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु नई प्रेरणा का संचार किया। इस अवसर पर राजपूत क्षत्रीय समाज तखतपुर मुंगेली परिक्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष नर्मदा सिंह राजपूत ने कहा कि समाज केवल सामाजिक परंपराओं तक सीमित नहीं है।

पेज 1 का शेष...

विकास और विश्वास का नया...

बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य जांच, टीकाकरण और पूर्व-प्राथमिक शिक्षा की मजबूत नींव हैं। विशेष रूप से दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में इन केंद्रों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है।

BaLA कॉन्सेप्ट से सीखने वाला भवन बनेगा आंगनबाड़ी

राज्य सरकार ने भवन निर्माण में "BaLA (Building as Learning Aid) कॉन्सेप्ट को अपनाने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत आंगनबाड़ी भवन केवल दीवारों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि बच्चों के सीखने और मानसिक विकास का माध्यम भी बनेंगे। रंगीन डिज़ाइन, शैक्षणिक चित्र और गतिविधि आधारित वातावरण बच्चों को आकर्षित करेगा।

नितिन नबीन का पीए...

मोबाइल छीनकर भाग निकले थे। लगातार इन घटनाओं पर कांग्रेस ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने कहा कि अपराधी भाजपा सरकार से भी नहीं डर रहे हैं।

ईरान का दावा, अमेरिका...

कार्रवाई करने का हक है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने भी बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी और अमेरिका के पास इस क्षेत्र में अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं रहेगा। इससे पहले अमेरिका ने दक्षिणी ईरान में रातभर कई ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी सेना ने कहा कि उन्होंने उन नौकाओं को निशाना बनाया गया जो समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही थीं। इसके अलावा मिसाइल लॉन्च साइट्स पर भी हमला किया गया।

ईरान ने मार गिराए अमेरिकी ड्रोन का वीडियो जारी किया

ईरान ने अमेरिकी ड्रोन को मार गिराने का दावा करते हुए उसका वीडियो जारी किया है। ईरानी मीडिया के मुताबिक ड्रोन को होरमुज स्ट्रेट के ऊपर नए एयर डिफेंस सिस्टम से निशाना बनाया गया। जारी वीडियो में समुद्र के पास ड्रोन का कथित मलबा दिखाया गया हैं। ईरान का कहना है कि ड्रोन संवेदनशील क्षेत्र में निगरानी मिशन पर था। ईरानी सेना ने दावा किया कि ड्रोन को उसके नए एयर डिफेंस सिस्टम ने इंटरसेप्ट किया। हालांकि सिस्टम का नाम सार्वजनिक नहीं किया गया है।

शीर्ष अदालत ने कचरा...

देशभर में नियमों के पालन की निगरानी करेगी, निर्देश देगी और अनुपालन समीक्षा करेगी।

खैरागढ़ जंगल में मोर...

मिलाए जाने की जताई जा रही है, हालांकि विभाग ने अभी किसी निष्कर्ष की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

जानकारी के मुताबिक, वन्यजीव और प्रकृति प्रेमी मुकेश वर्मा दोपहर बर्ड वॉचिंग और नेचर फोटोग्राफी के लिए दल्लीखोली जंगल पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें सबसे पहले एक ग्रेटर रैकेट-टेल्ड ड्रोंगो मृत अवस्था में मिला।

वन्य पक्षियों और जंगली जीवों के शव दिखे

आसपास तलाश करने पर जलस्रोत के पास कई अन्य पक्षियों और जंगली जीवों के शव पड़े दिखाई दिए। इसके बाद उन्होंने घटनास्थल का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर साझा किया, जो तेजी से वायरल हो गया।

ये दुर्लभ जीव मृत मिले

वायरल वीडियो में नर मोर, मादा मोर, तीन एशियन पाम सिवेट समेत कई दुर्लभ पक्षियों के शव दिखाई दे रहे हैं। मृत पक्षियों में रुफस ट्रीपाई, ओरिएंटल मैगपाई रॉबिन और जंगल आउलेट जैसी प्रजातियां भी शामिल हैं। एक ही स्थान पर इतने वन्यजीवों की मौत ने मामले को बेहद गंभीर बना दिया है।

'पीएम मोदी के 12 वर्ष सेवा...

ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को केवल नारा नहीं, बल्कि नीति का आधार बनाया।

सकारात्मक परिवर्तनः गरीब, किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में आज स्पष्ट और सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहा है।

सांस्कृतिक और आर्थिक उत्थानः भारत न केवल आर्थिक रूप से सशक्त हो रहा है, बल्कि देश में सांस्कृतिक आत्मगौरव और राष्ट्रीय एकता की भावना को भी नई ऊर्जा मिली है।

एक्सप्रेस-वे पर एसी बस ...

डिवाइडर से टकराकर किनारे लगी रेलिंग पर लटक गई। इससे कई यात्री बस की खिड़कियों से एक्सप्रेस-वे के नीचे गिर गए। एक का पैर कटकर अलग हो गया। हादसा औरास थाना क्षेत्र में एक्सप्रेस-वे के माइलस्टोन 262 के पास हुआ। मृतकों में बिहार के सीवान पुलिस लाइन में तैनात दरोगा रामचंद्र राम (59) और गुरुग्राम निवासी कैदी छत्तरपाल सिंह तोमर (59) भी शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, सीवान पुलिस की टीम 24 मई को कैदी को गुरुग्राम कोर्ट में पेशी के लिए लेकर गई थी। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। एक्सप्रेस-वे के बगल में ढलान वाली जगह पर घायल तड़पते रहे। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया।

सिम्स में डायलिसिस सुविधाएं बढ़ी, अब 11 मशीनों से मरीजों को मिल रहा बेहतर उपचार

बिलासपुर/नवप्रदेश। शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं सिम्स अस्पताल बिलासपुर संभाग का सबसे बड़ा शासकीय अस्पताल तथा छत्तीसगढ़ प्रदेश का दूसरा मेडिकल कॉलेज है, जहां प्रदेश सहित आसपास के अन्य राज्यों से भी बड़ी संख्या में मरीज उपचार के लिए पहुंचते हैं। सिम्स में प्रतिदिन ओपीडी में लगभग 1800 से 2200 मरीज उपचार हेतु आते हैं, वहीं रोजाना लगभग 150 से 180 मरीज भर्ती होकर विभिन्न विभागों में इलाज प्राप्त कर रहे हैं। अस्पताल में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र मरीजों को निःशुल्क उपचार की सुविधा भी प्रदान की जा रही है।

इसी क्रम में किडनी रोगियों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सिम्स की डायलिसिस यूनिट को और अधिक सुदृढ़ किया गया है। पूर्व में यूनिट में 8 डायलिसिस मशीनें संचालित थीं, वहीं 3 नई अत्याधुनिक मशीनों के स्थापित होने से अब यूनिट में कुल 11 मशीनें उपलब्ध हो गई हैं। इससे मरीजों को समय पर उपचार मिलने के साथ डायलिसिस सेवाओं की क्षमता में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। डायलिसिस यूनिट में प्रतिदिन तीन शिफ्टों में लगभग 18 से 20 मरीजों का सफलतापूर्वक डायलिसिस किया जा रहा है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार पिछले एक वर्ष में यूनिट द्वारा कुल 8230 सफल डायलिसिस प्रक्रियाएं संपन्न की गई हैं, जो सिम्स की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं निरंतर समर्पण को दर्शाता है। यूनिट में डायलिसिस के अतिरिक्त मरीजों के हीमोग्लोबिन नियंत्रण हेतु इंजेक्शन इरिथ्रो प्रोटीन एवं आयरन फ्री की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। साथ ही गंभीर मरीजों के लिए प्लाज्माफेरेसिस जैसी विशेष चिकित्सा सुविधा भी संचालित की जा रही है, जिससे मरीजों को बड़े महानगरों में जाने की आवश्यकता कम हो रही है। डायलिसिस यूनिट प्रभारी डॉ. आशुतोष कोरी के नेतृत्व में यूनिट की सेवाएं निरंतर बेहतर ढंग से संचालित हो रही हैं।

गरीब व जरूरतमंद मरीजों को स्थानीय स्तर पर उपचार की सुविधा

यूनिट की सिस्टर इंचार्ज वंदना घोष सहित स्टाफ सदस्य मैनेजर फलेश्वर डायलिसिस टेक्निशियन रोशन, अजय, नेहा, सतीश, हाउसकीपिंग स्टाफ मालती, राजू एवं मीना मरीजों की सेवा में सक्रिय भूमिका निर्वहन कर रहे हैं। सिम्स अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि, 'सिम्स लगातार आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं को विस्तार देने की दिशा में कार्य कर रहा है। डायलिसिस मशीनों की संख्या बढ़ने से अब अधिक मरीजों को समय पर उपचार उपलब्ध हो सकेगा। हमारा प्रयास है कि गरीब एवं जरूरतमंद मरीजों को उच्चस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही प्राप्त हों।' चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि 'सिम्स में आने वाले मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार आवश्यक था। नई मशीनों के माध्यम से अब मरीजों को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण डायलिसिस सेवाएं मिल रही हैं।' डायलिसिस यूनिट प्रभारी डॉ. आशुतोष कोरी ने बताया कि, 'यूनिट को आधुनिक तकनीक एवं सुविधाओं से सुसज्जित किया जा रहा है। हमारी पूरी टीम मरीजों को बेहतर एवं सुरक्षित उपचार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्लाज्माफेरेसिस जैसी विशेष सुविधा से गंभीर मरीजों को भी काफी लाभ मिल रहा है।

न्यूज गैलरी

केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन का मिजोरम प्रवास आज

बिलासपुर/नवप्रदेश। केन्द्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू 27 मई को मिजोरम प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे राज्य में संचालित विभिन्न नगरीय विकास योजनाओं एवं आधारभूत संरचना परियोजनाओं की समीक्षा करेंगे तथा कई विकास कार्यों का निरीक्षण करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार श्री साहू आइजोल में आयोजित समीक्षा बैठकों में शामिल होकर स्मार्ट सिटी मिशन, स्वच्छ भारत मिशन-शहरी, अमृत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी एवं सीपीडब्ल्यूडी से संबंधित परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी लेंगे। साथ ही वे अधिकारियों को योजनाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश देंगे। प्रवास के दौरान केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री साहू आइजोल, चंपाई, लुंगलेई, कोलासिब, सेरछिप, लॉन्गतलाई, मामित, सैतुअल, ख्वाजॉल एवं हनाहथियाल सहित विभिन्न जिलों में संचालित विकास कार्यों एवं परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही वे स्थानीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर शहरी विकास एवं आधारभूत संरचना को और अधिक मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। श्री साहू का यह प्रवास पूर्वोत्तर क्षेत्र में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी एवं नगरीय विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

ईद-उल-जुहा व मोहर्रम पर्व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने लिया गया निर्णय

बिलासपुर/नवप्रदेश। आगामी ईद-उल-जुहा एवं मोहर्रम पर्व को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं एसएसपी रजनेश सिंह की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में ईद-उल-जुहा एवं मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाने का निर्णय लिया गया। पुलिस विभाग को पर्व के दौरान शहर के समस्त चौक-चौराहों एवं महत्वपूर्ण स्थानों पर सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुरक्षा बल तैनात करने के निर्देश दिए। नगर निगम को पर्व के दौरान शहर के प्रमुख मार्गो एवं महत्वपूर्ण स्थलों में साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था करने कहा गया। सिम्स एवं जिला अस्पताल को आपालकालीन स्थित से निपटने एम्बुलेंस, आपातकालीन चिकित्सकों एवं अन्य सहयोगी कर्मचारियों का दल तैनात रखने के निर्देश दिए है। विद्युत विभाग को पर्व के दौरान निरंतर विद्युत आपूर्ति बनाए रखने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य विभागों को जिम्मेदारी सौंपते हुए सजग रहने कहा गया। समिति के सदस्यों ने शांतिपूर्ण तरीके से पर्व मनाने का भरोसा दिलाया।

अतिरिक्त पेंशन दिलाए जाने की मांग वाली याचिका हाईकोर्ट में खारिज

छत्तीसगढ़ पीएससी का पूर्व चेयरमैन अतिरिक्त पेंशन पाने का हकदार नहीं

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** हाईकोर्ट ने रिटायरमेंट के बाद छत्तीसगढ़ पीएससी में चेयरमैन के पद में कार्य करने के एवज में अतिरिक्त पेंशन दिलाए जाने की मांग करते हुए पेश याचिका को खारिज किया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि याचिकाकर्ता 5-12-2020 के रेगुलेशन के हिसाब से एक्स्ट्रा पेंशन के फायदे का हकदार नहीं है और इसे रिट ऑफ़ मैंडेमस से बदलने का निर्देश नहीं दिया जा सकता कि इसे 1-1-2016 से लागू किया जाए। 2001 के रेगुलेशन 8(3) के तहत तय लिमिट 4 लाख 80 हजार रहा।*

याचिकाकर्ता की रिटायरमेंट के समय पेंशन 11,59,800/- थी, जो 4,80,000/- की मैक्सिमम लिमिट से कहीं ज़्यादा है। इसलिए, याचिकाकर्ता छत्तीसगढ़ पीएससी के चेयरमैन के तौर पर एक्स्ट्रा पेंशन का हकदार नहीं था। इसलिए, वह एक्स्ट्रा पेंशन के फायदे का हकदार नहीं है और साथ ही कोई रिट ऑफ़ मैंडेमस जारी नहीं किया जा सकता है जिससे नियम बनाने वाली अथॉरिटी को 2001 के रेगुलेशन 8(3) / 5-12-2020 के नोटिफिकेशन को 1-1-2016 से लागू करने का निर्देश दिया जा सकता है।

मामला यह है याचिकाकर्ता आरएस विश्वकर्मा छत्तीसगढ़ सरकार में प्रिंसिपल सेक्रेटरी के तौर पर काम कर रहे थे और 31-1-2015 से उस पद से रिटायर हो गए थे और रिटायरमेंट के समय उनकी पेंशन 11,59,800/- सालाना तय की गई थी। उस पोस्ट से रिटायर होने के बाद, पिटीशनर से छत्तीसगढ़ पब्लिक सर्विस कमीशन के मेंबर के तौर पर काम करने की रिक्वेस्ट की गई, जिसे उसने छत्तीसगढ़ पब्लिक सर्विस कमीशन रेगुलेशन, 2001 के अनुसार मान लिया, जिसे स्टेट गवर्नमेंट यानी रूल मेकिग अथॉरिटी ने इंडिया के कॉन्स्टिट्यूशन के आर्टिकल 318(ए) के अनुसार जारी किया था, जिसमें पिटीशनर 7-3-2015 को शामिल हुआ, उसके बाद, उसे 12-6-2015 के ऑर्डर से छत्तीसगढ़ पीएससी का चेयरमैन अपॉइंट किया गया।

पेंशन की मैक्सिमम लिमिट तय

छत्तीसगढ़ पीएससी के मेंबर के तौर पर, पिटीशनर ने 2001 के रेगुलेशन 8(1) के तहत एक ऑप्शन भी दिया, ताकि जिस सर्विस में उसे अपॉइंट किया गया था, उस पर लागू नियमों के तहत पेंशन और दूसरे रिटायरमेंट बेनिफिट्स मिल सकें। पिटीशनर 62 साल का होने पर, 16-1-2017 से छत्तीसगढ़ पीएससी के चेयरमैन की सर्विस से रिटायर हो गया। 19-5-2017 को छत्तीसगढ़ पे रिवीजन रूल्स, 2017 नोटिफाई किए गए, जो 1-1-2016 से लागू हुए। ये रूल्स कॉन्ट्रैक्ट वाले कर्मचारियों को छोड़कर सभी सरकारी कर्मचारियों पर लागू किए गए। पे रिवीजन के बाद, छत्तीसगढ़ पीएससी ने 2001 के रेगुलेशन में बदलाव की सिफारिश की और बदलाव की सिफारिश करते हुए, पीएससी ने 7वें पे कमीशन के आने के बाद पेंशन की मैक्सिमम लिमिट के तौर पर 13,50,000/- सालाना की सिफारिश की, जो इससे पहले यह 4,80, 000/- थी। इस सिफारिश पर कार्रवाई करते हुए, छत्तीसगढ़ सरकार ने 5-12-2020 को 2001 के रेगुलेशन में बदलाव किया, जिसे 1-4-2018 से लागू किया गया। बदले हुए रेगुलेशन 8(3) के अनुसार, पीएससी के चेयरमैन को मिलने वाली ज़्यादा से ज़्यादा पेंशन 1-4-2018 से बढ़ाकर 13,50, 000/- सालाना कर दी गई। याचिकाकर्ता पीएससी में पदस्थ रहे पूर्व सदस्यों एवं एमपी पीएससी के चेयरमैन को दिए जा रहे अतिरिक्त पेंशन की तरह लाभ दिलाए जाने की मांग की थी।

गांव के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को सुरक्षित और समृद्ध बनाना सरकार का उद्देश्य: कौशिक

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक के प्रयासों से बिल्हा विधानसभा में 318.61 लाख से अधिक कार्यों को मिली स्वीकृति

बिलासपुर/नवप्रदेश। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक की अनुशंसा पर कृषि विभाग अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड द्वारा ग्रामीण एवं कृषि क्षेत्रों में कुल 318.61 लाख रु की लागत से निर्माण होने वाले विकास कार्यों की स्वीकृति दी है। इसके अंतर्गत कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर के उपमंडी बिल्हा (केशला) में 5400 में.टन के तीन नग गोदाम निर्माण कार्य जिसकी लागत 204.95 लाख रु, कृषि उपज मंडी समिति मुंगेली जिला, मुंगेली के उपमंडी प्रांगण सरगाँव में कृषक विश्राम गृह निर्माण कार्य जिसकी लागत 82.26 लाख रु, कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर जिला बिलासपुर के उपमंडी प्रांगण बिल्हा में किसान सांस्कृतिक मंच निर्माण जिसकी लागत 21.53 लाख रु एवं कृषि उपज मंडी समिति बिलासपुर जिला बिलासपुर के उपमंडी प्रांगण बिल्हा में 04 नग सेण्ड्रीशॉप निर्माण जिसकी लागत 9.87 लाख रु का कार्य शामिल है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कौशिक ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम का आभार व्यक्त किया है। श्री कौशिक ने कहा कि किसान अब बाजार की मजबूरी या तत्काल बिक्री के दबाव से मुक्त होंगे, क्योंकि फसल को सुरक्षित रखने की सुविधा उन्हें सही समय पर सही मूल्य दिलाने में मदद करेगी। श्री कौशिक ने कहा कि हमारी सरकार गांव और किसान के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। यह गोदाम किसानों की मेहनत को सुरक्षित रखने की ढाल है। आने वाले दिनों में हम हर प्रखंड में ऐसी सुविधाओं का विस्तार करने की दिशा में काम करेंगे, ताकि किसी किसान को अपनी उपज सस्ते में बेचने की मजबूरी न हो। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की प्राथमिकता अंतिम छोर के व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है इन विकास कार्यों कि स्वीकृति से किसानों को राहत मिलेगी। राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता देते हुए योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है।उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल निर्माण कार्य करना नहीं, बल्कि गांवों में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के जीवन को अधिक सुगम, सुरक्षित और समृद्ध बनाना है।

क्रेडाई के सहयोग से निगम क्षेत्र में बनेगा 50 इंजेक्ट वेल

***बिलासपुर/नवप्रदेश।** शहर में भू-जल स्तर को सुधारने और वर्षा जल के संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और नगर निगम द्वारा विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जिला प्रशासन की पहल पर क्रेडाई के सहयोग से नगर निगम क्षेत्र में 50 इंजेक्ट वेल निर्माण कार्य की शुरुआत की गई है। इस पहल को एक अभियान के रूप में शुरूआत करते हुए इसका नाम भू जल संजीवनी रखा गया है। इस महत्वपूर्ण अभियान का शुभारंभ आज मोपका स्थित एक पेड़ माँ के नाम उद्यान से किया गया।*

कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर पूरे जिले में वर्षा जल संचयन और भू जल में वृद्धि के लिए अलग-अलग तरह के कार्य किए जा रहे हैं। बिलासपुर नगर निगम सीमा में क्रेडाई के सहयोग से यह पहल की जा रही है, जिससे वर्षा जल का बेहतर संचयन हो सकेगा तथा भू-जल स्तर में वृद्धि लाने में मदद मिलेगी। शहर में लगातार बढ़ती जल आवश्यकता और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए यह अभियान पर्यावरण संरक्षण एवं जल संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे विशेष रूप से उपस्थित रहें। उन्होंने स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि आगामी 15 दिनों में सभी जोन क्षेत्रों में इंजेक्ट वेल का निर्माण पूरा कर लें। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इंजेक्ट वेल के माध्यम से वर्षा जल सीधे जमीन के भीतर पहुंचेगा, जिससे भू-जल स्तर में सुधार होगा और आने वाले समय में जल संकट से राहत मिलेगी। उन्होंने नागरिकों से भी जल संरक्षण के प्रति जागरूक होकर सहयोग करने की अपील की। निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे ने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर चरणबद्ध तरीके से 50 इंजेक्ट वेल बनाए जाएंगे। ऐसे स्थानों का चयन किया गया है जहां वर्षा जल का अधिक संग्रहण होता है, ताकि उसका अधिकतम उपयोग भू-जल रिचार्ज के लिए किया जा सके,इसके लिए पीएचई और नगर निगम की टीम द्वारा व्यापार स्तर पर फ्रेक्चर जोन का सर्वे कर स्थल का चयन किया जा चुका है। जिला प्रशासन की यह पहल शहर में जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में भी सहायक सिद्ध होगी।

आज इंजेक्ट वेल निर्माण के शुभारंभ अवसर पर कलेक्टर संजय अग्रवाल,निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे, एमआईसी सदस्य तिलक साहू, ईई अनुपम तिवारी, सब इंजीनियर आशीष पाण्डेय, भूषण पैकरा, क्रेडाई से सुशील पटेरिया,अजय श्रीवास्तव, सुहैल हक, ब्रजेश साहू, हेमंत जीवनानी, नसीम खान, राहुल उबरानी, सोनू ग्वालानी समेत अन्य लोग उपस्थित रहें।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर
ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार **सरल क्र. 01 हेतु दिनांक** 03.06.2026 **एवं सरल क्र. 02 से 04 हेतु** 08.06.2026 **एवं सरल क्र. 05 से 08 हेतु** 15.06.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	नि.आ.सू. क्र./दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	48	जिला रायगढ़ वि.ख. रायगढ़ के केवराबाड़ी में शासकीय हाई स्कूल भवन निर्माण कार्य। **तृतीय आमंत्रण। रायगढ़ संभाग रायगढ़। मद संख्या - 67/4202/3490**	67.29
2	49	उपसंभाग जाँजगीर के अंतर्गत शासकीय आई.टी.आई. भवन जाँजगीर, जिला न्यायालय भवन जाँजगीर, कलेक्ट्रेट भवन जाँजगीर, शासकीय गर्ल्स कॉलेज जॉजगीर, रेस्ट हाउस अकलतरा एवं बलोदा के गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई एवं डिस्टेंपरिंग का कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। संभाग चांपा। मद संख्या-67-2059-6519**	45.00
3	50	जिला रायगढ़ वि.ख. लैलूंगा के झरन में उरांव समाज के लिए सामुदायिक भवन निमार्ण कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। रायगढ़ संभाग। मद संख्या - 8443 जमा मद**	43.75
4	51	जिला रायगढ़ के ग्राम भुईयांपानी परिसर मे स्थित सामुदायिक भवन जीर्णोद्धार कार्य। **द्वितीय आमंत्रण। रायगढ़ संभाग। मद संख्या - 8443 जमा मद**	22.32
5	52	स्व.बी.आर. यादव खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई बिलासपुर आउटडोर स्टेडियम (विंथ एथलेटिक ट्रैक एण्ड फिल्ड) में मरम्मत एवं लघुमूल गौण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग क्र.-2 बिलासपुर। मद संख्या - 8443 जमा मद**	79.21
6	53	स्व. बी.आर. यादव खेल प्रशिक्षण केन्द्र बहतराई बिलासपुर परिसर स्थित बालक छात्रावास में मरम्मत एवं लघुमूल गौण कार्य। **प्रथम आमंत्रण। संभाग क्र.-2 बिलासपुर। मद संख्या-8443 जमा मद**	27.59
7	54	हाईस्कूल भवन बघमार, खपरीकला, भाठा, लगरा एवं कोयलारी का विशेष मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग मुंगेली। मद संख्या - 67/2059/3383**	79.23
8	55	जिला मुंगेली विकासखण्ड लोरमी के अंतर्गत मनोहरपुर, झाफल एवं चंदेली, लोरमी, बोड़तरा एवं मोहबंधा में हाईस्कूल भवन का विशेष मरम्मत कार्य। **प्रथम आमंत्रण। मुंगेली संभाग मुंगेली। मद संख्या - 67/2059/3383**	95.44

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

जी- 262700996/6

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर

कार्यालय, कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड, मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)
E-mail - eemohla-phe@cg.gov.in

//ई-प्रोक्योरमेंट//
निविदा आमंत्रण सूचना (रिस्क एंड कास्ट)

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र "अ" में जल जीवन मिशन अंतर्गत जल जीवन मिशन अंतर्गत एकल ग्राम / रेट्रोफिटिंग योजनांतर्गत जिला मोहला-मानपुर-अं.चौकी के विभिन्न विकासखंडों के विभिन्न ग्रामों में **रिस्क एवं कास्ट** में अधूरे छोड़े कार्य जिसमें UPVC/HDPE पाईप लाईन जोड़ने बिछाने, उच्चस्तरीय जलागार निर्माण, स्वीच रूम, उच्चस्तरीय जलागार के चारो ओर बाउंड्रीवॉल निर्माण, सबमर्सिबल पंप का प्रदाय एवं स्थापना कार्य, विद्युत विभाग (CSPDCL) से इलेक्ट्रिक कनेक्शन, इलेक्ट्रोक्लोरीनेटर स्थापना, क्लोरीनेटर रूम, घरों एवं शासकीय संस्थानों में कार्यरत नल कनेक्शन प्रदाय आदि एवं अन्य समस्त कार्य, टेस्टिंग, 03 माह का ट्रायल रन, 06 माह तक संचालन संधारण का कार्य (सम्पूर्ण कार्य सामग्री सहित, संलग्न शेड्युल अनुसार) की निविदाए दिनांक 25.05.2026 से ऑन लाईन पर आमंत्रित की जाती है।

उपरोक्त कार्य के निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 01.06.2026 से डाउनलोड की जा सकती है तथा निविदा डाउनलोड करने की अंतिम दिनांक 15.06.2026 (शाम 5:30 बजे) तक है।

निविदा में जारी एस.ओ.आर. **PHE दिनांक 01.06.2020 से लागू एवं संशोधन 05/2021.22 तक तथा PWD 2015 का दिनांक 07.04.2016 से लागू समस्त संशोधन सहित पर तैयार किया गया है।**

क्र.	निविदा क्रमांक	सिस्टम क्रमांक	विकासखण्ड	योजना/ग्राम का नाम	निविदा की लागत (रू.लाख में)	निविदा आमंत्रण का प्रकार
1	25	191562	चौकी	कातुलवाही	28.03	चतुर्थ
2	26	191564	चौकी	पांगरी, खैरी, मांझीटोला	52.82	चतुर्थ
3	27	191565	चौकी	मुंजाल, झिटिया, खड़खड़ी	61.38	चतुर्थ
4	28	191566	मोहला	शेरपार, ककईपार, चांपाटोला	72.28	चतुर्थ
5	29	191567	मानपुर	गोटुलमुंडा	21.51	तृतीय
6	30	191568	मानपुर	कनेली, कोरकटटी, हनईकलकला	21.53	तृतीय
7	31	191569	मानपुर	घोटिया	75.57	तृतीय

जी- 262701001/7

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड,
मोहला-मानपुर-अं.चौकी (छ.ग.)

OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
Raipur (C.G.)

e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
(First Call)

NIT NO: 63/...../RMC/2025 **RAIPUR DATED: 25.05.2026**

Online bids are invited for the following works of works up to **17.06.2026 at 17:30 hours**.

System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate	Cost of Tender form	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion
191628	शहीद स्मारक भवन में लिफ्ट निर्माण कार्य।	16.42 Lacs Without GST	5000.00	13000.00	"D" and Above	06 Months

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 2**5.05.2026, 11:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**
3. For More Details please download NIT details.
Mob- 9098120004

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

EXECUTIVE ENGINEER
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

दलपत सागर में 'पी-पी' की दुनिया, कमल पत्तों पर चलता यह मेहमान बना आकर्षण का केंद्र

- **मादा करती है 'राज', नर निभाता है बच्चों की परवरिश; पक्षियों की दुनिया का अनोखा किरदार**

अनिल सामंत

जगदलपुर/ नवप्रदेश। शहर के बीच बसे दलपत सागर की शांत जलराशि इन दिनों एक ऐसे पक्षी की वजह से लोगों का ध्यान खींच रही है, जिसे स्थानीय लोग प्यार से 'पी-पी' कहकर पुकारते हैं। कमल और जलकुंभी के पत्तों पर बिना डूबे इत्मीनान से चलते हुए भोजन तलाशता यह पक्षी लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। इसकी पहचान कांसे जैसे चमकदार पंखों और बेहद लंबी उंगलियों वाले जकाना पक्षी के रूप में होती है, जो दलपत सागर के वेटलैंड क्षेत्र की जीवंत तस्वीर पेश करता नजर आता है।

स्थानीय बोली में इसे 'पी-पी' इसलिए कहा जाता है, क्योंकि इसकी आवाज बिल्कुल पी-पी जैसी सुनाई देती है। सुबह और शाम के समय दलपत सागर में यह बड़ी संख्या में दिखाई देता है। पानी के ऊपर तैरते कमल पत्तों पर इसका संतुलन देखकर लोग हैरान रह जाते हैं। दरअसल इसकी असामान्य रूप से लंबी उंगलियां और पंजे शरीर के वजन को पत्तों पर समान रूप से बांट देते हैं, जिससे यह आसानी से बिना डूबे भोजन की तलाश करता रहता है। कीट-पतंगों, छोटे जीवों और जल वनस्पतियों के बीच इसकी सतत गतिविधि दलपत सागर के जैव विविधता तंत्र को भी जीवंत बनाए रखती है।

इस पक्षी की दुनिया सामान्य पक्षियों से काफी अलग है। यहां परिवार की जिम्मेदारी का समीकरण उल्टा दिखाई देता है। जहां अधिकतर पक्षियों में मादा अंडों और बच्चों की देखभाल करती है, वहीं जकाना में नर पक्षी अंडों को सेने से लेकर चूजों के पालन-पोषण तक की पूरी जिम्मेदारी निभाता है। किसी खतरे का आभास होते ही नर अपने नन्हे चूजों को पंखों के भीतर छिपाकर सुरक्षित स्थान की ओर निकल पड़ता है। वहीं मादा आकार में नर से बड़ी होती है और एक साथ कई नर साथियों के बीच अपना प्रभुत्व बनाए रखती है।

पानी पर चलता है जैसे कोई जादू, दलपत सागर में हर मौसम दिखती है इसकी हलचल

दलपत सागर का 'अजब-गजब' मेहमान

कमल के पत्तों पर चलने वाला यह जकाना पक्षी केवल अपनी बनावट के कारण ही खास नहीं है, बल्कि इसकी पारिवारिक व्यवस्था भी लोगों को चौंकाती है। सामान्य प्रकृति नियमों से उलट यहां मादा का दबदबा दिखाई देता है, जबकि नर घर-परिवार की जिम्मेदारी संभालता है। खतरा महसूस होने पर नर अपने चूजों को पंखों के भीतर छिपाकर बचाता है। स्थानीय लोगों के बीच 'पी-पी' नाम से प्रसिद्ध यह पक्षी दलपत सागर की जैव विविधता और प्राकृतिक सुंदरता का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

सेटलिंग टैंक सफाई के लिए पानी पर 'ब्रेक': बुधवार दोपहर कई वार्डों में नहीं आएगा नल से जल

- **फिल्टर प्लांट में सफाई अभियान, सात वार्डों की पेयजल आपूर्ति अस्थायी रूप से रहेगी प्रभावित**

जगदलपुर/नवप्रदेश। शहरवासियों को बुधवार दोपहर पेयजल आपूर्ति को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। नगरपालिक निगम जगदलपुर की जलप्रदाय शाखा द्वारा पावर हाउस स्थित फिल्टर प्लांट में सेटलिंग टैंक की सफाई का कार्य किया जा रहा है, जिसके चलते 27 मई 2026, बुधवार को शहर के कुछ वार्डों में अस्थायी रूप से पेयजल सप्लाई बंद रहेगी। निगम प्रशासन ने इसे नियमित जल गुणवत्ता और व्यवस्था सुधार से जुड़ा जरूरी कार्य बताया है।जानकारी के अनुसार सफाई कार्य के कारण प्रवीर वार्ड क्रमांक-01, विजय वार्ड क्रमांक-02, शिव मंदिर वार्ड क्रमांक-03, भैरमदेव वार्ड क्रमांक-04, वीरसावरकर वार्ड क्रमांक-05, प्रतापदेव वार्ड क्रमांक-11 तथा बालाजी वार्ड क्रमांक-13 में दोपहर के समय नल जल की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। गर्मी के मौसम और रोजमर्रा की जरूरतों को देखते हुए निगम प्रशासन ने नागरिकों से समय रहते आवश्यक जल संग्रहण करने की अपील की है, ताकि घरेलू उपयोग में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। नगर निगम का कहना है कि फिल्टर प्लांट के सेटलिंग टैंक की सफाई जल गुणवत्ता बनाए रखने और सप्लाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नियमित प्रक्रिया का हिस्सा है।

इन वार्डों में बंद रहेगी पेयजल सप्लाई

बुधवार दोपहर प्रवीर वार्ड क्रमांक-01, विजय वार्ड क्रमांक-02, शिव मंदिर वार्ड क्रमांक-03, भैरमदेव वार्ड क्रमांक-04, वीरसावरकर वार्ड क्रमांक-05, प्रतापदेव वार्ड क्रमांक-11 और बालाजी वार्ड क्रमांक-13 में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। निगम प्रशासन ने नागरिकों से पहले से पानी संग्रहित रखने की अपील करते हुए भरोसा दिलाया है कि सेटलिंग टैंक सफाई कार्य समाप्त होते ही नियमित सप्लाई बहाल कर दी जाएगी।

8 दिन में समाधान नहीं हुआ तो कलेक्टोरेट घेराव की चेतावनी, खेती संकट, खाद किल्लत और महंगे डीजल पर किसानों का फूटा आक्रोश

डिब्बे में डीजल नहीं मिलने से नाराज किसान

- **इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति ने संयुक्त कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, प्रशासन को दिया अल्टीमेटम**

जगदलपुर/ नवप्रदेश। बस्तर संभाग के किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मंगलवार को इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति एवं ग्रामीण प्रतिनिधियों ने जिला प्रशासन के माध्यम से संयुक्त कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर त्वरित समाधान की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि 8 दिनों के भीतर उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर व्यापक आंदोलन किया जाएगा।

ज्ञापन में किसानों ने खेती-किसानी से जुड़ी कई गंभीर समस्याओं को उठाते हुए कहा कि लगातार बढ़ती खेती लागत, महंगा डीजल, खाद संकट और सिंचाई संबंधी परेशानियों ने किसानों की स्थिति कमजोर कर दी है। किसानों का आरोप है कि ग्रामीण क्षेत्रों के कई पेट्रोल पंपों में डिब्बे में डीजल नहीं दिया जा रहा, जिससे खेतों में सिंचाई पंप, ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों के संचालन में बाधा उत्पन्न हो रही है। इससे खेती का काम प्रभावित हो रहा है और किसान परेशान हैं।

किसानों ने पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को भी खेती की बढ़ती लागत का प्रमुख कारण बताया। उनका कहना है कि ट्रैक्टर, थ्रेसर, पंप एवं अन्य कृषि यंत्रों के संचालन में पहले की तुलना में अधिक खर्च आ रहा है, जबकि उपज का उचित मूल्य नहीं मिलने से आर्थिक दबाव बढ़ता जा रहा है। किसानों ने प्रशासन से मांग की कि डिब्बे में डीजल उपलब्ध कराने को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएं, ताकि खेती कार्य प्रभावित न हो।

खाद संकट को लेकर भी किसानों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सहकारी समितियों और खाद केंद्रों में यूरिया, डीएपी और पोटाश पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं। इसका लाभ उठाकर निजी दुकानदार किसानों से अधिक कीमत वसूल रहे हैं। किसानों ने आरोप लगाया कि कई जगह सरकारी दर से कई गुना अधिक दाम पर खाद बेची जा रही है और कालाबाजारी की स्थिति बनी हुई है। किसानों ने ऐसे विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

मक्का उत्पादक किसानों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए ज्ञापन में मक्का का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2400 रुपये प्रति क्विंटल तय करने और समर्थन मूल्य पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग की गई। किसानों ने जिले के प्रत्येक ब्लॉक में मक्का खरीदी केंद्र स्थापित करने की भी मांग उठाई, ताकि उन्हें दूर-दराज क्षेत्रों में भटकना न पड़े। वहीं इंद्रावती नदी का जलस्तर घटने से पिछले वर्ष प्रभावित किसानों की खराब हुई फसल का सर्वे कर मुआवजा देने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई।

किसानों ने यह भी कहा कि निजी खाद दुकानों में फिंगरप्रिंट की अनिवार्यता के कारण नेटवर्क और तकनीकी दिक्कतों से घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। इसे समाप्त कर सरल व्यवस्था लागू करने की मांग करते हुए जिला स्तर पर खाद, बीज वितरण और कृषि योजनाओं की निगरानी के लिए विशेष समिति गठन की मांग भी की गई। किसानों ने लैम्प्स के माध्यम से एकमुश्त खाद वितरण व्यवस्था लागू करने की आवश्यकता बताई।

किसानों ने स्पष्ट किया कि यदि 8 दिनों में समस्याओं पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन की प्रतिलिपि राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, केंद्रीय कृषि मंत्री और राज्य के कृषि मंत्री को भी भेजी गई है।

इस दौरान इंद्रावती नदी बचाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष लखेश्वर कश्यप, मीडिया प्रभारी लक्ष्मण बघेल, बड़े चकवा उप सरपंच पूरन सिंह कश्यप, वीर सिंह बघेल, मनीराम बघेल, मंधर कश्यप सहित बड़ी संख्या में किसान एवं ग्रामीण प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

किसानों की प्रमुख मांगें

किसानों ने डिब्बे में डीजल उपलब्ध कराने, खाद की कालाबाजारी पर रोक, यूरिया-डीएपी-पोटाश की पर्याप्त उपलब्धता, फिंगरप्रिंट प्रक्रिया समाप्त करने, मक्का का समर्थन मूल्य 2400 रुपये प्रति क्विंटल तय करने, प्रत्येक ब्लॉक में मक्का खरीदी केंद्र खोलने, इंद्रावती नदी से प्रभावित किसानों को मुआवजा देने तथा कृषि योजनाओं की निगरानी के लिए विशेष समिति गठित करने की मांग उठाई। साथ ही लैम्प्स के माध्यम से एकमुश्त खाद वितरण व्यवस्था लागू करने पर भी जोर दिया गया।

गांव की चौपाल पर सरकार: सोड़मा में सजा 'सुशासन का बाजार'

- **दफ्तरों के चक्कर से मिली मुक्ति**
- **कलेक्टर मैडम खुद आईं तो मौके पर ही बंट गए अधिकार**

फरसगांव/नवप्रदेश। अब जनता को सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने और साहबों की मिन्नतें करने की जरूरत नहीं है, बल्कि सरकार खुद चलकर ग्रामीणों के आंगन तक पहुंच रही है। राज्य शासन की इसी सुशासन वाली मंशा को जमीन पर उतारते हुए मंगलवार को फरसगांव विकासखंड के सुदूर ग्राम सोड़मा में जिला स्तरीय 'सुशासन तिहार' शिविर का आयोजन किया गया। यहाँ का नजारा किसी त्योहार से कम नहीं था, जहां एक ही छत के नीचे ग्रामीणों की समस्याओं का न केवल त्वरित निराकरण हुआ, बल्कि सीधे उनके हाथों में खुशियों की चाबी (हितग्राही सामग्री) सौंपी गई।

कलेक्टर की मौजूदगी ने बढ़ाया ग्रामीणों का भरोसा: शिविर में खुद कलेक्टर श्रीमती नुपूर राशि पन्ना और जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई ने मोर्चा संभाल रखा था। ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कलेक्टर ने कहा कि 'सुशासन तिहार' का असल मकसद यही है कि अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को भी बिना भटके अपनी ही चौपाल पर हर योजना का हक मिल सके। अब ग्रामीणों को छोटे-छोटे कामों के लिए ब्लॉक या जिला मुख्यालय की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। जनपद पंचायत अध्यक्ष मानकु राम नेताम ने भी ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे इस इस बदली हुई व्यवस्था का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। महिला सशक्तिकरण: महिला एवं बाल विकास विभाग ने शिविर के बीच 11 गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और बच्चों का अन्नप्राशन कराकर सुशासन के इस मंच पर आत्मीयता का रंग बिखेर दिया।

आंकड़ों में नहीं, चेहरों पर दिखी सुशासन की चमक

इस शिविर की सबसे बड़ी खूबसूरती यह रही कि आवेदन लेकर आए ग्रामीण अपने हाथों में अधिकार पत्र लेकर लौटे। प्रशासनिक मुस्तैदी का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक ही दिन में राजस्व व शिक्षा विभाग: 37 ग्रामीणों को बी-वन, 10 को डिजिटल किताब और 15 बच्चों को जाति प्रमाण पत्र सौंपकर उनकी राह आसान की गई।

सेहत और राशन की गारंटी: खाद्य विभाग ने 7 नए राशन कार्ड और स्वास्थ्य विभाग ने 8 आयुष्मान कार्ड व 5 जन्म प्रमाण पत्र मौके पर बांटे।

किसानों और खेतों को संजीवनी: कृषि व सहकारिता विभाग ने 6-6 हितग्राहियों को खाद और किसान क्रेडिट कार्ड बांटे, वहीं क्रेडा ने 3 किसानों के खेतों के लिए सोलर पंप मंजूर किए।

गम्हरी में सुशासन तिहार: योजनाओं का लाभ पहुंचा घर-घर, शिविर में उमड़ा जनसैलाब

- **विभिन्न विभागों ने लगाए स्टॉल, ऑन द स्पॉट हुआ समस्याओं का समाधान, आधार सेवा न होने से खली कमी**

फरसगांव/गम्हरी/नवप्रदेश। राज्य शासन की मंशा के अनुरूप सुशासन को गांव-गांव तक पहुंचाने और आम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को एक बड़ा कदम उठाया गया। जनपद पंचायत बड़ेराजपुर के अंतर्गत ग्राम गम्हरी में क्लस्टर स्तरीय 'सुशासन तिहार' शिविर का भव्य आयोजन किया गया। प्राकृतिक वातावरण के बीच आयोजित इस शिविर में पीढ़ापाल, कुलदाडीही, तितरवंड, हल्दा, गम्हरी, जोड़ेकेरा एवं करमरी सहित आसपास के अनेक गांवों के ग्रामीण भारी संख्या में पहुंचे।

गर्मी पर भारी पड़ा उत्साह, सीधा संवाद हुआ स्थापित

तेज गर्मी और कड़े तेवरों के बावजूद ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बनता था। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा आकर्षक स्टॉल लगाकर शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि इसके माध्यम से शासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित हुआ। ग्रामीणों की मांगों, शिकायतों और समस्याओं को अधिकारियों ने बेहद गंभीरता से सुना और उनके निराकरण की प्रक्रिया मौके पर ही प्रारंभ की, जिससे ग्रामीणों में विश्वास और संतोष का माहौल देखा गया।

पात्र हितग्राहियों को मिला योजनाओं का सीधा लाभ

शिविर के दौरान विभिन्न विभागों की सक्रियता से पात्र हितग्राहियों को तुरंत लाभान्वित किया गया, जिसमें

शिक्षा विभाग: पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को निवास प्रमाण पत्र।

खाद्य विभाग: पात्र परिवारों को नए राशन कार्ड।

ग्रा. विकास विभाग: पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को गृह प्रवेश हेतु चाबियां।

अंडर-20 नेशनल फुटबॉल स्पर्धा का फाइनल आज, केरल-मिजोरम के बीच खिताबी मुकाबला

- **रामकृष्ण मिशन आश्रम में खेल उत्साह चरम पर,दोपहर 3 बजे होगा सीधा प्रसारण**
- **देशभर की नजरें नारायणपुर पर, एआईएफएफके अधिकृत यूट्यूब चैनल पर देख सकेंगे फाइनल**

नारायणपुर-जगदलपुर/ नवप्रदेश। रामकृष्ण मिशन आश्रम परिसर इन दिनों राष्ट्रीय खेल आयोजन के कारण खेल उत्साह और रोमांच का केंद्र बना हुआ है। छत्तीसगढ़ फुटबॉल एसोसिएशन एवं एआईएफएफ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित अंडर-20 मेन्स नेशनल फुटबॉल प्रतियोगिता का बहुप्रतीक्षित फाइनल मुकाबला 27 मई को अपरान्ह 3 बजे खेला जाएगा। खिताबी मुकाबले में केरल और मिजोरम की टीमें आमने-सामने होंगी।

2 मई से शुरू हुई इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में देश के 35 राज्यों की युवा फुटबॉल टीमों ने भाग लेकर शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान मैदान में प्रतिभा, अनुशासन और प्रतिस्पर्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। पूरे बस्तर अंचल में फुटबॉल को लेकर अलग ही माहौल बना रहा,जहां खेल प्रेमियों ने बड़ी संख्या में मुकाबलों का आनंद लिया।

रामकृष्ण मिशन आश्रम का स्टेडियम ग्राउंड इन दिनों राष्ट्रीय स्तर के मुकाबलों का साक्षी बना हुआ है। फाइनल मैच को लेकर खिलाड़ियों के साथ-साथ स्थानीय दर्शकों में भी जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा मुकाबले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है।

फाइनल का सीधा प्रसारण, देशभर के दर्शक जुड़ेंगे

फाइनल मैच का सीधा प्रसारण 27 मई को दोपहर 3 बजे से एआईएफएफ के अधिकृत यूट्यूब चैनल पर किया जाएगा। ऑनलाइन प्रसारण की व्यवस्था के चलते देशभर के फुटबॉल प्रेमी इस राष्ट्रीय आयोजन से जुड़ सकेंगे। 2 मई से प्रतियोगिता के मैचों का नियमित लाइव प्रसारण किया जा रहा है, जिससे आयोजन को राष्ट्रीय स्तर पर अच्छी पहचान मिली है।

उप मुख्यमंत्री और मंत्री रहेंगे मुख्य अतिथि

फाइनल मुकाबले के दौरान राज्य सरकार की ओर से विशेष उपस्थिति भी रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री शामिल होंगे। आयोजन को लेकर प्रशासन एवं खेल विभाग भी सक्रिय नजर आ रहा है और सुरक्षा तथा व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया है।

जगदलपुर के कलाकार एवं फुटबॉल रेफरी रहे विश्वजीत भट्टाचार्य को फाइनल सहित प्रतियोगिता के लाइव प्रसारण की जिम्मेदारी दी गई है। उनके साथ धीरज दास, श्यामल सिंह, हेमंत बेसरा, हेमचंद्र कश्यप, राजेन्द्र पटेल, मोतीलाल पोयाम, सुशांत बारीक, ललित कश्यप सहित टीम के अन्य सदस्य तकनीकी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। बताया गया कि कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री अरुण साव तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

मिशन की सराहनीय पहल

रामकृष्ण मिशन आश्रम द्वारा शिक्षा, संस्कार और युवा विकास के क्षेत्र में वर्षों से किए जा रहे प्रयासों के बीच राष्ट्रीय स्तर की फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन युवाओं के सर्वांगीण विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे आयोजनों से क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को बड़े खिलाड़ियों के खेल कौशल को नजदीक से देखने, अनुशासन सीखने और खेलों में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के आयोजन से नारायणपुर को नई पहचान भी मिली है तथा खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

बांग्लादेश में सेना के ठिकानों पर 'यासीन बाहिनी' का अटैक, सड़कें खोदकर रास्ते किए बंद

बांग्लादेश के चिटगांव (चट्टोग्राम) जिले के जंगल सलीमपुर इलाके में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर बड़ा तनाव देखने को मिला. देर रात हथियारबंद बदमाशों ने बांग्लादेश की रैपिड एक्शन बटालियन के एक ट्रेनिंग कैंप और अन्य ढांचों पर हमला कर दिया. आरोप है कि हमलावरों ने बुलडोजर से कैंप के हिस्सों को नुकसान पहुंचाया और सुरक्षाबलों को रोकने के लिए कई जगह सड़कें भी खोद डालीं।

■ RAB बोला- कैंप को निशाना बनाकर की गई फायरिंग

नई दिल्ली। यह घटना रविवार और सोमवार की दरम्यानी रात करीब 2 बजे चिटगांव के सीतकुंड उपजिला के जंगल सलीमपुर के अलीनगर इलाके में हुई. रैपिड एक्शन बटालियन के मुताबिक हमला पहले से सुनियोजित था और इसके पीछे 'यासीन बाहिनी' नाम का हथियारबंद गिरोह शामिल था. घटना के बाद आरएबी, पुलिस और आर्म्ड पुलिस बटालियन ने संयुक्त अभियान चलाया, जिसमें कई लोगों को हिरासत में लिया गया.

प्रथम आलो की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश आरएबी-7 के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल हाफिजुर रहमान ने बताया कि बदमाशों ने अचानक कैंप को निशाना बनाकर गोलीबारी शुरू कर दी. उन्होंने कहा कि आत्मरक्षा में जवानों ने भी जवाबी फायरिंग की. उनके मुताबिक हमलावरों ने अतिरिक्त सुरक्षाबलों को मौके तक पहुंचने से रोकने के लिए कम से कम जगह सड़कें और पुलिया खोद डाली थीं. रहमान ने बताया कि तमाम बाधाओं के बावजूद कानून-व्यवस्था बलों ने 7 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद हालात पर काबू पा लिया. बांग्लादेश ट्रिब्यून के अनुसार, हालांकि कई हमलावर भागने में सफल रहे, लेकिन 15 लोगों को हिरासत में लिया गया.

लंबे समय से अपराधियों का गढ़ रहा है जंगल सलीमपुर

जंगल सलीमपुर को लंबे समय से हथियारबंद गिरोहों और जमीन कब्जाने वाले समूहों का मजबूत ठिकाना माना जाता रहा है. जिला प्रशासन के अनुसार इस इलाके में करीब 3,100 एकड़ सरकारी जमीन मौजूद है. वर्षों से यहां आपराधिक गिरोहों का प्रभाव बना हुआ है. इसी इलाके को काबू में करने के लिए बांग्लादेश सरकार लंबे समय से कोशिश कर रही है. 2017 और 2022 में भी इलाके को खाली कराने की कोशिशें की गई थीं, लेकिन स्थानीय विरोध और अन्य बाधाओं की वजह से वे अभियान सफल नहीं हो पाए थे।

मार्च में भी चला था बड़ा अभियान

इसी साल 9 मार्च को सेना, आरएबी, पुलिस और बीजीबी के करीब 3,200 जवानों ने इलाके में संयुक्त अभियान चलाया था. उस दौरान भी अलीनगर में प्रवेश से पहले सड़क पर एक ट्रक खड़ा कर रास्ता रोक दिया गया था. बाद में सुरक्षाबलों ने ट्रक हटाया, लेकिन कुछ दूरी आगे बढ़ने पर पता चला कि सड़क की पुलिया तोड़ दी गई थी. हालांकि अभियान के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके पर नियंत्रण स्थापित कर लिया था। इसके बाद वहां आरएबी और पुलिस के दो ट्रेनिंग सेंटर तथा कैंप बनाने की योजना शुरू की गई थी. अधिकारियों के मुताबिक ताजा हमला उसी निर्माणाधीन कैंप को निशाना बनाकर किया गया।

बकरीद से पहले हमलों पर बिफरा ईरान

पश्चिम एशिया में अमेरिकी सेना को कहीं पनाह नहीं

नई दिल्ली/ए.। शांति की बात करते-करते अमेरिका ने बकरीद से ठीक पहले एक बार फिर ईरान पर हमला किया है। इसके बाद ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका को बेहद कड़ी चेतावनी दी है। पद संभालने के बाद से वह कभी वीडियो या कैमरे के सामने नहीं आए हैं। वह सिर्फ सरकारी टेलीविजन के माध्यम से अपने बयान जारी कर रहे हैं। इस बार उन्होंने सीधे तौर पर अमेरिका और उसके सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इससे पूरे क्षेत्र में तनाव और ज्यादा बढ़ने की आशंका है।

अमेरिकी ठिकानों को नहीं मिलेगी ढाल : खामेनेई

सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने साफ-साफ कहा कि पश्चिम एशिया की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी। उन्होंने कहा कि अब इस पूरे इलाके में अमेरिकी सेना के लिए कोई भी 'सुरक्षित पनाहगाह' नहीं बचेगी। युद्ध की शुरुआत से ही ईरान का यही मुख्य तर्क रहा है। ईरान चाहता है कि क्षेत्र के सभी देश मिलकर अमेरिकी मौजूदगी को पूरी तरह खत्म करें। खामेनेई ने दुनिया के सभी इस्लामी देशों से अपने साझा हितों के लिए एक साथ आने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यही एकजुटता भविष्य के नए आदेश को तय करेगी। उन्होंने अपनी बात रखते हुए कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और पवित्रता के साथ सभी इस्लामी देशों और सरकारों को दोस्ती और सहयोग का निमंत्रण देता हूं।' बताते चलें कि अमेरिका, इस्राइल और ईरान के बीच यह भीषण सैन्य टकराव इसी साल 28 फरवरी 2026 को तब शुरू हुआ, जब अमेरिका और इस्राइल ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत ईरान पर लगभग 900 हवाई हमले कर उसके सर्वोच्च नेता अली खामेनेई सहित कई टॉप कमांडरों को ढेर कर दिया और उसके परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया। इसके जवाब में ईरान ने पूरे पश्चिम एशिया में अमेरिकी सैन्य ठिकानों, इस्राइल और खाड़ी देशों पर सैकड़ों मिसाइलें और ड्रोन दागे।

पाकिस्तान ने ठुकराई राष्ट्रपति ट्रंप की मांग, अब्राहम समझौते से नहीं जुड़ेंगे

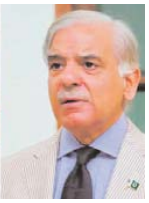

इस्लामाबाद। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुस्लिम देशों से अब्राहम समझौते में शामिल होने की मांग की थी। वहीं, पाकिस्तान ने अब्राहम समझौते में शामिल होने से इनकार कर दिया है। रक्षा मंत्री ख्वाजा मुहम्मद आसिफ ने कहा कि इस्लामाबाद किसी भी ऐसे समझौते का समर्थन नहीं करेगा जो देश की मौलिक विचारधाराओं के खिलाफ हो। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, यह बयान पाकिस्तानी प्रसारक समा टीवी के साथ एक साक्षात्कार के दौरान दिया गया।

रक्षा मंत्री आसिफसे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दबाव और कूटनीतिक संकेतों के बाद पाकिस्तान के अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने की संभावना के बारे में पूछा गया था। उन्होंने साक्षात्कार में कहा, ÷निजी तौर पर मुझे नहीं लगता कि हमें ऐसे किसी भी समझौते में शामिल होना चाहिए जो हमारी मौलिक विचारधाराओं से टकराता हो।"

ट्रंप ने जोर देकर कहा था कि ईरान के साथ समझौता होने के बाद सऊदी अरब और कतर को तुरंत अब्राहम एकॉर्ड्स में शामिल होना चाहिए और अन्य देशों को भी इसका पालन करना चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अगर अमेरिका के साथ समझौता सफलतापूर्वक पूरा होता है, तो ईरान खुद इस ढांचे का हिस्सा बन सकता है।

अब्राहम समझौता 2020 में हस्ताक्षरित अमेरिकी-मध्यस्थता वाला ऐतिहासिक समझौता है, जिसकी वजह से इस्राइल और कई अरब देशों के बीच राजनयिक, आर्थिक और सुरक्षा संबंध सामान्य हुए हैं। हालांकि, पाकिस्तान ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अपनी मौलिक विचारधाराओं के विपरीत किसी भी समझौते का हिस्सा नहीं बनेगा।

इस्राइल पर नहीं कर सकते भरोसा: ख्वाजा

इस्राइल के साथ जुड़ाव की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने आगे कहा, आप उन लोगों के साथ कैसे बैठेंगे जिन पर एक दिन के लिए भी भरोसा नहीं किया जा सकता? उन्होंने इस्लामाबाद के इस मुद्दे पर लंबे समय से चले आ रहे रुख को दोहराते हुए कहा, हमारा रुख बहुत साफहै कि यह हमारे लिए स्वीकार्य नहीं है। आसिफने इस्राइल के बारे में पाकिस्तान की पासपोर्ट नीति का भी जिक्र किया, जो यहूदी राज्य को मान्यता देने से देश के इनकार को रेखांकित करता है। उन्होंने कहा, और दूसरी बात, हमारे पासपोर्ट पर, हम एकमात्र देश हैं जिनके पासपोर्ट पर इस्राइल का नाम भी शामिल नहीं है।

मुस्लिम देशों से अपील

इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ संभावित समझौते से जुड़े एक व्यापक क्षेत्रीय समझौते के हिस्से के रूप में कई मुस्लिम और अरब देशों से अब्राहम एकॉर्ड्स में शामिल होने का आग्रह किया था। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा था कि प्रस्तावित व्यवस्था मध्य पूर्व के लिए एक ऐतिहासिक घटना बन सकती है। उन्होंने सऊदी अरब, कतर, पाकिस्तान, तुर्की, मिस्र, जॉर्डन और बहरीन सहित देशों से एक साथ अब्राहम समझौते पर हस्ताक्षर करने का आह्वान किया था।

सऊदी अरब ने भी बनाई दूरी

सऊदी अरब ने भी डोनाल्ड ट्रंप की अपील को खारिज कर दिया है। सऊदी अरब ने कहा है कि जब तक फलिस्तीन को देश के तौर पर मान्यता नहीं मिलती है, तब तक इस्राइल के साथ संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाया जाएगा।

विधानसभा के पहले ही सत्र में यूसीसी बिल पेश

■ महिलाओं के अधिकारों की रक्षा हमारी प्राथमिकता: सरमा

गुवाहाटी/ए.। असम विधानसभा में मंगलवार को मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने राज्य की अर्थव्यवस्था, समान नागरिक संहिता (UCC) और हालिया चुनाव नतीजों को लेकर कई अहम बयान दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 2028 तक असम को 10 लाख करोड़ रुपये की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य पर तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग, निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार के क्षेत्र में बड़े स्तर पर योजनाएं लागू की जा रही हैं, जिससे राज्य की आर्थिक ताकत लगातार बढ़ रही है। सदन में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सरकार ने अपने वादे के मुताबिक पहले ही सत्र में UCC विधेयक पेश किया है। उन्होंने कहा कि यह कदम इस बात का प्रमाण है कि सरकार अल्पसंख्यक समुदाय की महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरमा ने कहा कि महिलाओं को समान अधिकार और न्याय दिलाना सरकार की प्राथमिकता है। विधानसभा में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने हालिया असम चुनाव परिणामों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चुनाव नतीजों ने साफ कर दिया है कि जनता ने व्यक्तिगत हमलों और प्रसिद्ध गायक जुबीन गर्ग की मौत के राजनीतिकरण को पूरी तरह नकार दिया। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि लोगों ने विकास और सकारात्मक राजनीति को समर्थन दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस चुनाव में एनडीए ने 102 सीटों तक पहुंच बनाई और गठबंधन के उम्मीदवारों को पिछले चुनाव की तुलना में 15 लाख अधिक वोट मिले। उन्होंने बताया कि बीजेपी उम्मीदवारों को 81.92 लाख से ज्यादा वोट मिले, जबकि एजीपी को 14 लाख और बीपीएफ को 8 लाख वोट प्राप्त हुए। कुल मिलाकर एनडीए ने एक करोड़ वोटों का आंकड़ा पार कर लिया। सरमा ने कहा कि एनडीए ने सभी अनुसूचित जनजाति (ST) आरक्षित सीटों और चाय जनजाति बहुल सीटों पर जीत दर्ज की, जबकि अनुसूचित जाति (SC) के लिए आरक्षित सीटों में से सिर्फ एक सीट छोड़कर बाकी सभी पर गठबंधन ने कब्जा जमाया।

दिल्ली में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक

नई दिल्ली/ए.। देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में वैश्विक कूटनीति की एक नई और मजबूत तस्वीर सामने आई है। इस उच्च स्तरीय मंच पर भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर और ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र की सुरक्षा, संप्रभुता और आर्थिक समृद्धि को लेकर बेहद महत्वपूर्ण और ठोस बयान दिए हैं। भारत के विदेश मंत्री डॉक्टर एस जयशंकर ने बैठक की शुरुआत में साफ किया कि इस बार हमारा पूरा ध्यान सामूहिक गतिविधियों को तय करने और दुनिया के सामने मौजूद चुनौतियों का समाधान ढूंढने पर है। उन्होंने कहा कि क्वाड का प्राथमिक कार्यक्षेत्र हिंद-प्रशांत ही रहेगा। जयशंकर ने वैश्विक स्तर पर आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती, कनेक्टिविटी के रास्ते में आने वाली रुकावटों, मैन्युफैक्चरिंग और संसाधनों के एक ही जगह सीमित होने जैसी बड़ी दिक्कतों पर चिंता जताई। विदेश मंत्री ने कहा कि क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के गैप को भरने के लिए नई साझेदारियों और मजबूत आर्थिक विकास की जरूरत है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक भरोसा बढ़ाने, समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने और आर्थिक विकल्पों को बढ़ावा देने के लिए एक पारदर्शी और भरोसेमंद पार्टनरशिप बेहद जरूरी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि क्वाड के सदस्य देश एक स्वतंत्र और खुले हिंद-प्रशांत के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने भारत की तारीफकरते हुए इसे दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र और हिंद-प्रशांत को आकार देने वाली एक बेहद महत्वपूर्ण महाशक्ति बताया। वोंग ने जयशंकर के पुराने बयान को याद करते हुए कहा कि हिंद-प्रशांत के देशों के पास अपनी सुरक्षा और संप्रभु हितों की रक्षा के लिए 'चयन की आजादी' होनी चाहिए। यही सोच ऑस्ट्रेलिया के क्वाड से जुड़ाव का मुख्य आधार है। पेनी वोंग ने आगे कहा कि चारों देश संप्रभु राष्ट्र हैं, जिनके अपने इतिहास और हित हैं। इसके बावजूद हमारे हितों में गजब का तालमेल है। चारों देश एक मुक्त और खुले हिंद-प्रशांत का सपना देखते हैं। उन्होंने कहा कि क्वाड ने प्राकृतिक आपदाओं के समय राहत कार्य करके जमीनी स्तर पर खुद को साबित किया है।

मकबरा और मंदिर विवाद: लखनऊ में विवादित ढांचे के पास पुलिस फोर्स तैनात

लखनऊ/ए.। मलिहाबाद के कसमंडी कलां गांव में बड़े मंगल को देखते हुए प्रशासन विवादित ढांचों की सुरक्षा बढ़ाते हुए बागों में पुलिस कर्मी तैनात किए हैं। साथ ही ढांचों के पास जाने से पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। बीते शनिवार को सुहेलदेव आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेश पासी शाम लगभग साढ़े छह बजे दो पुराने ढांचे के पहुंच कर हनुमान चालीसा पढ़ने की कोशिश की थी। साथ ही मंगलवार को फिर आकर हनुमान चालीसा पढ़ने की बात कही थी। जिसके बाद से प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है। किसी प्रकार माहौल खराब करने वाली गतिविधियां न हो सके। मंगलवार को पुरातत्व की टीम पहुंचने की उम्मीद है। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि पुलिस बल सभी रास्तों के साथ बागों में भी तैनात है। सभी गतिविधियों पर नज़र रखी जा रही है। लाखन आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सूरज पासी ने सोमवार को मोहनलाल गंज सांसद आरके चौधरी, अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद, मछली शहर सांसद पप्रिया सरोज, कौशांबी सांसद पुष्पेंद्र सरोज से राज पासी राजा कंस पासी का किला बचाने के लिए वीडियो जारी साथ मांगा था। साथ ही हरदोई , सीतापुर जिलों में ग्रामीणों के साथ नुक्कड़ सभा कर किला बचाने के लिए साथ मांगा।

खावड़ा में शुरू हुआ चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा बैटरी स्टोरेज सिस्टम

नई दिल्ली/ए.। भारत के रिन्यूएबल एनर्जी (नवीकरणीय ऊर्जा) सेक्टर ने एक ऐतिहासिक मील का पत्थर पार किया है। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने गुजरात के खावड़ा में 3.37 गीगावाट प्रति घंटे क्षमता वाला बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम सफलतापूर्वक चालू कर दिया है।

कंपनी के अनुसार, एक ही स्थान पर स्थापित यह दुनिया का सबसे बड़ा (चीन के बाहर) बैटरी स्टोरेज प्रोजेक्ट है, और वैश्विक स्तर पर इसे सबसे तेज गति से निष्पादित किया गया है। सौर और पवन ऊर्जा उत्पादन की सबसे बड़ी सीमा यह है कि ये प्राकृतिक परिस्थितियों- जैसे सूरज की रोशनी और हवा- पर निर्भर होते हैं। ऊर्जा क्षेत्र के सामने असली चुनौती यह होती है कि क्या इस उत्पादित ऊर्जा को स्टोर करके उस समय सप्लाई किया जा सकता है, जब मांग अपने चरम पर हो? यहीं पर बैटरी स्टोरेज तकनीक एक गेम चेंजर के रूप में सामने आती है। खावड़ा में स्थापित यह अत्याधुनिक बैटरी सिस्टम अतिरिक्त रिन्यूएबल पावर को स्टोर करने में सक्षम है, जिसे बाद में आवश्यकतानुसार जारी किया जा सकता है। इससे न केवल पावर ग्रिड को स्थिरता मिलती है, बल्कि ग्रीन पावर की निर्भरता और विश्वसनीयता भी काफी बढ़ जाती है। अदाणी ग्रीन के इस ऊर्जा अवसंरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) विकास को निम्नलिखित आंकड़ों के माध्यम से समझा जा सकता है। स्टोरेज क्षमता: खावड़ा परियोजना में कुल 3.37 GWh का संचयी बैटरी स्टोरेज स्थापित किया गया है।

विशाल रिन्यूएबल पार्क: खावड़ा में 30 GW क्षमता वाले रिन्यूएबल पार्क की योजना पर काम चल रहा है।

कुल ऑपरेशनल क्षमता: इस नई शुरुआत के साथ, पूरे भारत में एजीईएल की कुल चालू रिन्यूएबल क्षमता बढ़कर 19,785.8 मेगावाट हो गई है। अदाणी ग्रीन ने भविष्य के ऊर्जा लक्ष्यों को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। कंपनी ने ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में आक्रामक विस्तार योजनाएं बनाई हैं।

भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीम जापान के लिए हुई रवाना

नई दिल्ली/ए.। भारत की अंडर-18 पुरुष और महिला हॉकी टीमें 29 मई से 6 जून तक होने वाले अंडर-18 एशिया कप 2026 में हिस्सा लेने के लिए जापान के काकामिगाहारा के लिए रवाना हो गई हैं। पुरुषों की टीम सोमवार शाम को नई दिल्ली से रवाना हुई जबकि महिलाओं की टीम मंगलवार सुबह रवाना हुई।

दोनों टीमों ने भोपाल में भारतीय खेल प्राधिकरण के उद्धव दास मेहता सेंटर में एक महीने तक चले नेशनल कोचिंग कैंप में हिस्सा लिया। पुरुषों की टीम ने कोच सरदार सिंह और रजनीश मिश्रा के अंडर ट्रेनिंग की जबकि भारत की पूर्व कप्तान रानी रामपाल ने महिला टीम के कैंप को अधीक्षण किया।

अपनी आखिरी तैयारियों के हिस्से के तौर पर भारत की जूनियर टीमों ने भोपाल में मेहमान ऑस्ट्रेलियाई अंडर-18 टीमों के खिलाफ चार मुकाबलों की एक्सपोज़र सीरीज खेली। भारतीय पुरुष टीम ने एक मैच में जीत दर्ज की, तो एक में टीम को हार झेलनी पड़ी है। वहीं, दो मुकाबले ड्रॉ पर खत्म हुए। महिलाओं की टीम ने एक शानदार जीत के साथ अपनी सीरीज का अंत किया। इन मैचों से महाद्वीप टूर्नामेंट से पहले कीमती इंटरनेशनल अनुभव मिला।

फॉरवर्ड केतन कुशवाहा की अगुवाई में भारतीय पुरुषों की टीम को पूल ए में कजाकिस्तान, मेजबान जापान, कोरिया और चीनी ताइपे के साथ रखा गया है। भारत अपने कैंपेन की शुरुआत 29 मई को कजाकिस्तान के खिलाफ करेगा, जिसके बाद 31 मई को जापान, 1 जून को कोरिया और 3 जून को चीनी ताइपे से भिड़ेगा।

'धुरंधर' ने भारतीय सशस्त्र बलों की सुरक्षा को खतरे में डाला?

हाईकोर्ट ने जांच के दिए निर्देश

मुंबई/ए.। 'धुरंधर 2' पर ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट के नियमों का उल्लंघन का आरोप लगा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार और सेंसर बोर्ड को इस मामले में जांच करने के आदेश दिए हैं। जानें, क्या है ये पूरा मामला।

जनहित याचिका में लगाए लगाए गए गंभीर आरोप

'धुरंधर 2' को लेकर सशस्त्र सीमा बल के हेड कांस्टेबल दीपक कुमार ने एक जनहित याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया कि यह फिल्म भारतीय सशस्त्र बलों के सीक्रेट ऑपरेशनल से जुड़ी जानकारी साझा करती है, इससे देश की सुरक्षा पर खतरा मंडरा सकता है।

याचिकाकर्ता के अनुसार 'धुरंधर 2' में कई लोकेशन को साफतौर पर दिखाया गया है। साथ ही कई बड़े अधिकारियों और मृत सैनिकों से जुड़ी जानकारी भी स्पष्ट दिखाई गई है। यह बात देश की सुरक्षा के लिए ठीक नहीं है। याचिका में यह भी बताया गया कि इस फिल्म में डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गनाइजेशन की बनाई गई एक ड्रग का भी जिक्र किया गया है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए जांच के आदेश: दिल्ली हाईकोर्ट ने इस पूरे मामले पर ध्यान दिया। चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया की डिवीजन बेंच ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय और सेंसर बोर्ड से इस मुद्दे पर विचार करने के लिए कहा। याचिका पर फैसला लेने की बात कही।

हाईकोर्ट का कहना है कि फिल्म 'धुरंधर 2' भले की एक फिक्शनल कहानी को लेकिन याचिकाकर्ता ने जो सवाल उठाए हैं, उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता है।

बस्तर का मांझीपाल बना छत्तीसगढ़ का नया इको-टूरिज्म हब, देश-विदेश के पर्यटकों को कर रहा आकर्षित

■ बैम्बू राफ्टिंग, आमचो लाड़ी होमस्टे और जनजातीय संस्कृति का अनूठा संगम दे रहा प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत अनुभव

जगदलपुर/नवप्रदेश। प्रकृति की अनुपम छटा, जनजातीय संस्कृति की आत्मीयता और रोमांच से सराबोर बस्तर अंचल का खूबसूरत ग्राम मांझीपाल आज छत्तीसगढ़ के सबसे तेजी से उभरते इको-टूरिज्म केंद्रों में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुका है। कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित यह मनोरम स्थल अपने घने जंगलों, स्वच्छ कांगेर नदी और ग्रामीण परिवेश की सादगी के कारण देश-विदेश के सैलानियों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल द्वारा बस्तर में इको-टूरिज्म, ग्रामीण और सांस्कृतिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए की गई विशेष पहल का ही परिणाम है कि आज मांझीपाल वैश्विक मानचित्र पर चमक रहा है। इस मॉडल से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि स्थानीय समुदायों को रोजगार और आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी प्राप्त हो रहे हैं।

कांगेर नदी में बैम्बू राफ्टिंग बना रोमांच का नया केंद्रः मांझीपाल की सबसे बड़ी यूएसपी यहाँ बहने वाली निर्मल कांगेर नदी है। नदी की शांत जलधारा में स्थानीय आदिवासियों द्वारा तैयार पारंपरिक बांस की नावों पर होने वाली बैम्बू राफ्टिंग पर्यटकों को बेहद रोमांचित कर रही है। राफ्टिंग के दौरान सैलानी घने जंगलों की हरियाली, नदी के किनारों की प्राकृतिक सुंदरता और दुर्लभ पक्षियों की चहचहाहट के बीच प्रकृति को बेहद करीब से महसूस करते हैं। यह गतिविधि केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बस्तर के जनजातीय समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली और प्रकृति के साथ उनके गहरे जुड़ाव को भी जीवंत करती है।

'आमचो लाड़ी' होमस्टे, विदेशी मेहमानों को भा रही बस्तर की आत्मीयताः मांझीपाल में स्थित ÷आमचो लाड़ी÷ होमस्टे आज बस्तर की पारंपरिक संस्कृति और ग्रामीण जीवनशैली को करीब से समझने का सबसे लोकप्रिय माध्यम बन गया है। अपनी अनूठी और आत्मीय मेजबानी, बस्तरिया व्यंजनों के स्वाद और पारंपरिक परिवेश के कारण यह होमस्टे विदेशी पर्यटकों के बीच भी तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। आधुनिक शहरों की भागदौड़ से दूर यहाँ आने वाले पर्यटक स्थानीय रीति-रिवाजों को जीते हैं, जंगल का आनंद लेते हैं, बर्ड वॉचिंग (पक्षी अवलोकन) करते हैं और बस्तर के पारंपरिक जीवन के साथ आत्मिक जुड़ाव महसूस करते हैं।

सामुदायिक पर्यटन से स्थानीय युवाओं को मिल रहा रोजगारः राज्य सरकार की कम्युनिटी-बेस्ड टूरिज्म (सामुदायिक सहभागिता आधारित पर्यटन) नीति का सीधा और सकारात्मक असर अब बस्तर के ग्रामीण अंचलों में देखने को मिल रहा है। मांझीपाल के पर्यटन हब बनने से स्थानीय आदिवासी युवाओं को प्रोफेशनल टूरिस्ट गाइड, राफ्टिंग संचालक, होमस्टे प्रबंधन और बस्तरिया हस्तशिल्प (हैंडीक्राफ्ट) की बिक्री के जरिए सीधे तौर पर स्थायी रोजगार मिल रहा है। इससे न केवल पलायन पर रोक लगी है, बल्कि जनजातीय परंपराओं और स्थानीय विरासत के संरक्षण को भी एक नई दिशा मिली है।

कैसे पहुँचें मांझीपालः पर्यटकों के लिए मांझीपाल पहुँचना बेहद सुगम और आसान है। यह खूबसूरत पर्यटन स्थल जिला मुख्यालय जगदलपुर से मात्र 35 से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। जगदलपुर से दरभा मार्ग होते हुए बेहतरीन पक्की सड़क द्वारा निजी वाहन या स्थानीय टैक्सी से यहाँ आसानी से पहुँचा जा सकता है। निकटतम रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा भी जगदलपुर में ही स्थित है, जिससे देश के किसी भी कोने से यहाँ का आगमन सुलभ हो जाता है। प्रकृति संरक्षण, ग्रामीण विकास और आत्मनिर्भर पर्यटन मॉडल का बेहतरीन उदाहरण पेश करता मांझीपाल आज सिर्फ एक घूमने की जगह नहीं, बल्कि बदलते बस्तर की एक नई और गौरवशाली पहचान बन चुका है।

न्यूज गैलरी

बालोद नगर पालिका में कांग्रेस पार्षदों ने बजट की प्रतियां फाड़कर जताया विरोध

बालोद/नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद बालोद में वर्ष 2026-27 का वार्षिक बजट पेश किए जाने के दौरान परिषद की बैठक जमकर हंगामेदार रही। नेता प्रतिपक्ष कसीमुद्दीन कुरैशी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्षद दल ने बजट का जोरदार विरोध करते हुए इसे ÷सिर्फकागजी आंकड़ों का बजट÷ बताया। विरोध स्वरूप कांग्रेस पार्षदों ने बजट की प्रतियां फाड़कर हवा में उछाल दीं और नगर पालिका प्रशासन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। बैठक में कांग्रेस पार्षदों ने नगर विकास के नाम पर किए जा रहे दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर की जनता अब केवल घोषणाएं नहीं, बल्कि धरातल पर विकास कार्य देखना चाहती है। कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि वे भी बालोद शहर के विकास के पक्षधर हैं, लेकिन विकास के नाम पर सिर्फ बड़े-बड़े वादे कर जनता को भ्रमित करना उचित नहीं है। नेता प्रतिपक्ष कसीमुद्दीन कुरैशी ने नगर पालिका अध्यक्ष की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रस्तुत बजट में विकास की कोई ठोस कार्ययोजना नजर नहीं आती। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2025-26 के बजट में शामिल लगभग 14 प्रमुख बिंदुओं में से केवल अटल परिसर का कार्य ही धरातल पर दिखाई देता है, जबकि बाकी योजनाएं अधूरी या सिर्फ फाइलों तक सीमित हैं। कांग्रेस पार्षदों ने कहा कि अब वर्ष 2026-27 के बजट में फिर 10 नए बिंदु जोड़कर बड़े-बड़े सपने दिखाए जा रहे हैं, लेकिन पिछले अनुभवों को देखते हुए आशंका है कि यह बजट भी कागजों से बाहर नहीं निकल पाएगा। उन्होंने कहा कि शहर की सड़कें, नालियां, पेयजल, सफाई और गरीबों की योजनाएं प्राथमिकता होनी चाहिए।

सूपाझरिया जलाशय के जीर्णोद्धार के लिए 3.15 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य शासन ने सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी स्थित सूपाझरिया जलाशय योजना के मरम्मत एवं जीर्णोद्धार कार्य के लिए 3 करोड़ 15 लाख 95 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। मरम्मत कार्य पूर्ण होने पर जलाशय की रूपांकित सिंचाई क्षमता 82 हेक्टेयर पूरी तरह बहाल हो जाएगी। इस नहर जीर्णोद्धार कार्य से ओड़गी क्षेत्र के किसानों को सिंचाई की स्थायी सुविधा मिलेगी और कृषि उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। सूपाझरिया जलाशय के जीर्णोद्धार कार्य पूर्ण होने पर जलाशय की रूपांकित सिंचाई क्षमता 82 हेक्टेयर पूरी तरह बहाल हो जाएगी। इससे क्षेत्र के किसानों को खरीफऔर रबी दोनों फसलों के लिए पर्याप्त सिंचाई सुविधा मिलेगी। शासन ने कार्य को स्वीकृत राशि और निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। कार्य शुरू करने से पहले सक्षम अधिकारी से ड्रॉइंग-डिजाइन का अनुमोदन और तकनीकी स्वीकृति लेना अनिवार्य होगा। साथ ही कम से कम 75 प्रतिशत बाधा रहित भूमि उपलब्ध होने पर ही निविदा जारी की जाएगी। निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि भू-अर्जन स्वीकृत राशि की सीमा में ही किया जाए और किसी अन्य मद की बचत राशि का उपयोग बिना पूर्व स्वीकृति के न हो। यदि भू-अर्जन प्रस्तावित नहीं है, तो निर्माण शासकीय भूमि पर ही कराया जाए। निविदा प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

पीएम मोदी के कार्यकाल के 12 वर्ष पूरा होने पर वित्त मंत्री ने दी बधाई

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री पद पर ऐतिहासिक 12 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि 26 मई 2014 से शुरू हुआ यह 12 वर्षों का कार्यकाल देश के इतिहास में सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के संकल्प का जीवंत प्रतीक रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने अंत्योदय के लक्ष्य को साकार किया है। श्री चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया है। जनधन योजना, आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों, किसानों और माताओं-बहनों के जीवन को गरिमापूर्ण बनाया है। डिजिटल इंडिया अभियान ने युवाओं के लिए संभावनाओं के नए द्वार खोले हैं और देश में अभूतपूर्व पारदर्शिता सुनिश्चित की है। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि यह कालखंड देश के नव-निर्माण और ÷सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास÷ की प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने वाला रहा है। इन 12 वर्षों में भारत ने वैश्विक पटल पर विकास, सुशासन, डिजिटल परिवर्तन और जनकल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। श्री चौधरी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के अद्वितीय राष्ट्र-समर्पण, निरंतर जनता-सेवा और सुशासन के लिए उनका हार्दिक अभिनंदन करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर लगा प्रश्नचिन्ह, जल संकट से जूझ रहे नगरवासी

नगर के कुछ वार्डों में 80 घंटों बाद भी पेयजल सप्लाई नहीं

डोंगरगांव/नवप्रदेश। नगर की आधी आबादी पिछले 80 घंटों से प्यासी है। नगर में अनेक वार्डों में 80 घंटों बाद भी नलों से पानी नहीं आ रहा है, इससे नगर पंचायत की कार्यप्रणाली पर प्रश्नचिन्ह तो लगा ही है, इस अव्यवस्था ने ग्रीष्मकाल में पेयजल सप्लाई के तमाम दावों की पोल खोल रखकर रख दी है। अब पेयजल संकट को लेकर नगरीय निकाय में सत्तारूढ़ भाजपा के ही पदाधिकारियों व पार्षदों के बीच का मतभेद भी खुलकर सामने आ गया है।

बता दें कि इससे पूर्व ऐसी जानकारी मिली थी कि नगर के पुराना बस स्टैण्ड के पास स्थित ओव्हरहेड टैंक को भरने वाले कोहका रोड में स्थित 15 एचपी का मोटर पंप जल गया है। उक्त घटना शुक्रवार रात की बताई जाती है। पता चला है कि चूंकि उक्त मोटर पंप वारंटी में था, तो उसको बदलने के लिए रायपुर भेजा गया है, लेकिन डीलर द्वारा दूसरा मोटरपंप अभी तक नहीं भेजने के कारण ओव्हरहेड टैंक नहीं भर पा रहा है। दूसरी ओर करियाटोला को पानी सप्लाई करने वाला एक 5 एचपी का पम्प भी जल गया था, जिसके बदले स्टॉक में रखे पुराने पंप को लगाया गया है, जिससे अभी भी आधा अधूरा पानी सप्लाई हो पा रहा है। भीषण गर्मी के बीच करियाटोला वार्ड के निवासियों सहित नगर के वार्ड नं. 4 के नगरवासियों को पिछले तीन दिनों से पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है।

नगरवासियों ने बताया पिछले तीन दिनों से सुबह टाईम खुलने वाला नल ही नहीं खुल रहा है। नल नहीं खुलने के संबंध में नगर पंचायत द्वारा वार्डों में किसी प्रकार की मुनादी भी नहीं करवाई गई, जिसके कारण अनेक उपभोक्ता रोज नल से पानी आने की उम्मीद में बर्तन टिकाये रहते थे, लेकिन समय बीतने के बाद उनके सामने नगर पंचायत प्रशासन को कोसने के सिवाय कोई चारा नहीं बचा। बताया जाता है कि तीन दिनों से नल नहीं खुलने के कारण लोगों की दिनचर्या पर अच्छा खासा असर पड़ा है।

ट्रिपल इंजन सरकार के लोग हो रहे फेल

कहने को तो नगर में ट्रिपल और चौपल इंजन की सरकार है। लेकिन पेयजल मामले में नगरीय सरकार भी फेलवर साबित हो रही है। हालांकि 15 वर्षों के सूखे के बाद नगर में नागरिकों ने बड़ी उम्मीद से नगरीय निकाय की कमान भाजपा को सौंपी थी, लेकिन लोगों के मतानुसार भाजपा के पदाधिकारी और पार्षद एक साल बाद ही फेलवर साबित हो रहे हैं। नगर में पेयजल की समस्या हो, निर्माण कार्यों की बात हो या फिर आपसी सामंजस्य की। नगर पंचायत में भाजपा के अध्यक्ष और पार्षदों के बीच की खाई और चौड़ी होती जा रही है।

आधी आबादी टैंकर के भरोसे

जानकारी के अनुसार नगर की आधी आबादी अभी भी टैंकर के भरोसे है। सीएमओ द्वारा दी गई जानकारी अनुसार नगर के वार्ड नं. 3, 5, 6, 9, 11, 12 के अलावा हरिओम नगर और करियाटोला में टैंकर से पानी सप्लाई की जा रही है। इसके अलावा जहां से जहां से मांग आती है, उन मुहल्लों में भी आवश्यकतानुसार टैंकर भेजा जा रहा है। पता चला है कि नगर पंचायत के तीन टैंकर पानी सप्लाई में लगे हैं, इनमें से एक के भी खराब होने पर समस्या जटिल हो जाती है। इन टैंकरों में से एक का तो पीछे का वाल्व खराब हो गया है, जिसे बनवाने तक की जहमत नगर पंचायत नहीं उठा पा रही है।

एफआईआर रद्द कराने बैज-टीएस के साथ कांग्रेसियों का थाने में प्रदर्शन

■ जिला उपाध्यक्ष पर आर्म्स एक्ट का केस, परेशान करने एफआईआर किया गया

सूरजपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले के विश्रामपुर थाना के सामने कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन चल रहा है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव भी मंगलवार से धरने बैठ गए हैं। सिंहदेव ने कहा कि सूरजपुर पुलिस प्रशासन का अड़ियल रवैया दिख रहा है। शाम 6 बजे तक यदि हमारी मांगों पर कोई कार्रवाई नहीं होती है तो मैं भूख हड़ताल पर बैठूंगा।

दरअसल, भाजपा जिलाध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की शिकायत पर विश्रामपुर पुलिस ने कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन के खिलाफ धमकी देने, गाली-गलौज करने और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। इसके विरोध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज समेत कई वरिष्ठ नेता सोमवार सुबह से विश्रामपुर थाने के सामने अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे हैं। सिंहदेव ने कहा कि अगर आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है तो क्या हथियार चलाया। क्या हथियार पाया गया। क्या कोई हथियार बरामद किया गया। पार्टी के लोग पूछ रहे हैं तो पुलिस कह रही है कि जांच चल रही है।

सत्ता की दलाली बंद करे पुलिसः दीपक बैज

प्रदर्शन के दौरान पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तो प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने पुलिस पर सत्ता के दबाव में काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 'हम भी सत्ता में रहे हैं, थानेदार का पावर जानते हैं। झीरम घाटी में गोलियां खाई हैं। बिना जांच के आर्म्स एक्ट की धारा कैसे लगा दी गई, इसका जवाब पुलिस को देना चाहिए। दीपक बैज ने कहा कि कांग्रेस नेता एनएसए जैसी धाराओं से भी डरने वाले नहीं हैं, लेकिन किसी पर कार्रवाई करने से पहले निष्पक्ष जांच होना जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आर्म्स एक्ट की धाराएं वापस नहीं ली गईं तो धरना जारी रहेगा।

55 मेधावी विद्यार्थी नीट-जेईई की तैयारी के लिए रायपुर रवाना

अंबिकापुर/नवप्रदेश। सरगुजा जिले के मेधावी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को नई दिशा देने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा ओजस्वी सरगुजा योजना के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी पहल की गई है। इस अभिनव योजना के तहत शासकीय विद्यालयों के 10वीं बोर्ड परीक्षा-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चयनित विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु रायपुर भेजा गया है। जिला खनिज संस्थान न्यास के वित्तीय सहयोग से संचालित इस योजना के अंतर्गत चयनित विद्यार्थियों को रायपुर स्थित प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान एलेन कैरियर इंस्टिट्यूट में निःशुल्क आवासीय कोचिंग प्रदान की जाएगी। इस अवसर पर आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों एवं उनके पालकों को संबोधित किया और तीन बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। यह ऐतिहासिक क्षण सरगुजा के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि ÷ओजस्वी सरगुजा÷ जैसी दूरदर्शी परिकल्पना आज वास्तविक स्वरूप ले रही है। आज जिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को नीट एवं जेईई की तैयारी के लिए भेजा जा रहा है, वे आने वाले समय में डॉक्टर, इंजीनियर एवं राष्ट्र निर्माता बनकर न केवल अपने परिवार और जिले बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करेंगे।

नैनो डीएपी के उपयोग से किसानों को कम लागत में मिलेगा बेहतर उत्पादनः कृषि मंत्री

डीएपी में कटौती, नैनो खाद पर जोर, खरीफ सीजन से पहले बदली व्यवस्था, अन्नदाता परेशान

रायपुर/नवप्रदेश। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के कारण विदेशों से आने वाले रासायनिक खादों की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंका है। इस संभावित संकट से निपटने के लिए छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार ने एक बड़ी और दूरदर्शी रणनीति तैयार की है।

प्रदेश के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य लक्ष्य किसानों की धान बुआई और उत्पादन को प्रभावित होने से बचाना है। इसके लिए पारंपरिक खाद के साथ-साथ तरल नैनो डीएपी और नैनो यूरिया का समानांतर बफर स्टॉक तैयार किया जा रहा है।

कृषि मंत्री नेताम ने जोर देकर कहा कि कृषि क्रांति की ओर एक कदम अभियान के तहत किसानों को वैज्ञानिक पद्धतियों से जोड़ा जा रहा है, जिससे वे बेहद कम लागत में अधिक और संतुलित उत्पादन हासिल कर सकें। सरकार का पूरा ध्यान अब पारंपरिक ठोस डीएपी पर निर्भरता कम कर खेती को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने पर है।

नैनो डीएपी के उपयोग से लाभ

कृषि विभाग के अनुसार, पारंपरिक डीएपी के मुकाबले नैनो डीएपी (तरल) का उपयोग किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है:

- कम लागत में बेहतर उत्पादन
- संतुलित पोषण उपलब्धता
- पर्यावरण अनुकूल खेती को बढ़ावा
- ठोस डीएपी पर निर्भरता में कमी
- उर्वरक उपयोग की दक्षता में वृद्धि

नवप्रदेश लगातार

राज्य में उर्वरक की उपलब्धता और लक्ष्यों को समझने के लिए प्रमुख आंकड़े

वर्तमान स्टॉकः 9.29 लाख मीट्रिक टन रासायनिक खाद गोदामों और सोसायटियों में उपलब्ध (निर्धारित लक्ष्य का 60%)।

खरीफ सीजन का लक्ष्यः केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए 15.55 लाख मीट्रिक टन उर्वरक का लक्ष्य स्वीकृत।

पिछले वर्ष से अधिक आवंटनः इस वर्ष का लक्ष्य पिछले वित्तीय वर्ष की खपत (14.62 लाख मीट्रिक टन) से 93 हजार मीट्रिक टन अधिक है।

- एक एकड़ में पारंपरिक डीएपी की लागत लगभग 1350
- नैनो डीएपी के साथ मिश्रित उपयोग पर लागत घटकर लगभग 1275 प्रति एकड़
- यह स्टॉक निर्धारित लक्ष्य का लगभग 60 प्रतिशत

राष्ट्रीय विशेषज्ञ देंगे वन्यजीवों के पोस्टमार्टम और फॉरेंसिक जांच की बारीकियों का प्रशिक्षण

वन्यजीव संरक्षण पर वन विभाग की पहल, जून के पहले सप्ताह में शुरू होगा विशेष प्रशिक्षण

■ हाथी शावकों की सुरक्षा और वैज्ञानिक स्वास्थ्य प्रबंधन को मिलेगी नई मजबूती

■ वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग की अभिनव कार्ययोजना

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में वन्यजीवों, विशेषकर हाथियों और उनके शावकों की सुरक्षा तथा संरक्षण को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए वन विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में जून 2026 के प्रथम सप्ताह में एक उच्च स्तरीय राज्य स्तर पर विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस विशेष प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों की असमय मृत्यु के कारणों की वैज्ञानिक जांच करना, उनका बेहतर स्वास्थ्य प्रबंधन सुनिश्चित करना तथा भविष्य में ऐसी दुखद घटनाओं की रोकथाम के लिए ठोस रणनीति तैयार करना है। इस कार्यक्रम का विषय लर्निंग फ्रॉम डेड एसेंशियलस ऑफ मोर्टेलिटी इनवेस्टिगेशन ऑफ एशियन एलिफेंट फॉर ऑफिसियल ऑफ छत्तीसगढ़ फॉरेस्ट डिपार्टमेंट रखा गया है।

देश के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय विशेषज्ञ देंगे व्यावहारिक प्रशिक्षणः इस उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के ख्यातिलब्ध और प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञ मुख्य रूप से शामिल होकर मैदानी अमले का मार्गदर्शन करेंगे। इनमें शामिल होंगे डॉ. पराग निगम, डॉ. कारिकलन, डॉ. तपेन्द्र सैनी, डॉ. जैन करण भरत जैसे राष्ट्रीय विशेषज्ञ उपस्थित वन अधिकारियों और वन्यप्राणी पशु चिकित्सकों को हाथियों एवं अन्य वन्यजीवों में होने वाली जटिल बीमारियों की समय पर पहचान, उनके सटीक उपचार, वैज्ञानिक पोस्टमार्टम प्रक्रिया तथा आधुनिक फॉरेंसिक जांच की बारीकियों का व्यावहारिक व तकनीकी प्रशिक्षण देंगे।

पिछली घटनाओं केस स्टडी से बनेगी नई रणनीति

वन विभाग ने इस प्रशिक्षण को पूरी तरह व्यावहारिक बनाने के लिए पिछली घटनाओं से सीखने पर जोर दिया है। प्रशिक्षण के दौरान पिछले दो वर्षों में रायगढ़ और धरमजयगढ़ वनक्षेत्रों में हुई हाथी शावकों की मृत्यु से जुड़े मामलों की गहन समीक्षा की जाएगी। संबंधित वनमंडलाधिकारी इन मामलों से जुड़ी पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विसरा जांच रिपोर्ट और विशेषज्ञ संस्थानों के निष्कर्षों को पटल पर रखेंगे। राष्ट्रीय विशेषज्ञ इन सभी रिपोर्टों का तकनीकी विश्लेषण कर भविष्य के लिए अचूक सुरक्षात्मक सुझाव देंगे।

शामिल होंगे मैदानी अधिकारी और पशु चिकित्सक

इस विशेष प्रशिक्षण सत्र में राज्य के सभी चिड़ियाघरों और संरक्षित क्षेत्रों में पदस्थ वन्यप्राणी पशु चिकित्सक, हाथी प्रभावित क्षेत्रों के सभी वन-मंडलाधिकारी, उप-वनमंडलाधिकारी, वनक्षेत्रपाल तथा पशुपालन विभाग के वरिष्ठ चिकित्सक अनिवार्य रूप से भाग लेंगे। उल्लेखनीय है कि वन विभाग द्वारा इससे पूर्व विगत 7 अप्रैल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 150 से अधिक अधिकारियों और चिकित्सकों को प्रारंभिक प्रशिक्षण दिया जा चुका है। अब जून में आयोजित होने वाले इस उन्नत प्रशिक्षण के जरिए मैदानी अमले को तकनीकी रूप से पूर्णतः दक्ष बनाया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com